

RNI No.DELHIN/2011/41355

दिल्ली से प्रकाशित

दिसंबर 2025 वर्ष 15 अंक 169 मूल्य ₹20

# प्राइम स्पेक्टोर

सामाजिक पीएमएयू और अपराध पर केंद्रित पत्रिका



मास्को  
से  
आया  
मेरा  
दोस्त

PRIME INDIA  
MEDIA HOUSE



**PRIME CRIME INDIA**  
INDIA'S FIRST CRIME MAGAZINE

[www.primecrimeindia.com](http://www.primecrimeindia.com)

**PSU  
TODAY**



**NETA INDIA**

REVAULTIONARY IDEAS FOR BETTER INDIA

[www.netaindia.com](http://www.netaindia.com)

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...  
समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...



सौर ऊर्जा



पवन ऊर्जा



परामर्श सेवाएं



तापीय ऊर्जा

# जलविद्युत और उससे आगे..

## विविधीकरण के माध्यम से ऊर्जा पारगमन अपनाना



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड  
THDC INDIA LIMITED  
(अनुसूची 'ए', मिनी रत्न, पीएसयू)  
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)



**नासिर खान**  
संपादक

### राहत नहीं, सख्ती चाहिए!

परियोजनाओं को पर्यावरणीय मंजूरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले को पलट कर भले केंद्र और राज्य सरकारों को राहत दे दी हो, लेकिन इससे पर्यावरण को राहत नहीं मिलने वाली। क्लाइमेट चेंज के खतरों को देखते हुए अब कठोर निर्णयों की जरूरत है। शीर्ष अदालत के पास भविष्य के लिए नजीर पेश करने का मौका था। सुप्रीम कोर्ट का पहला आदेश 16 मई को आया था। इसके मुताबिक, लगभग 20 हजार करोड़ रुपये के उन प्रॉजेक्ट्स को ध्वस्त करने का आदेश दिया गया था, जिन्हें बनाने से पहले नियमों के मुताबिक पर्यावरणीय मंजूरी नहीं ली गई थी। इन्हें बाद में जुर्माना वसूलने के बाद क्लियरेंस मिली। अब नए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर मई का आदेश वापस नहीं लिया जाता तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। तीन जजों की बेंच में शामिल चीफ जस्टिस बीआर गवई का सवाल बिल्कुल वाजिब है कि क्या ऐसी सभी परियोजनाओं को ध्वस्त कर देना और सरकारी खजाने से खर्च किए गए धन को कूड़ेदान में जाने देना जनहित में होगा? लेकिन, यह सवाल भी उठता है कि सार्वजनिक हित के नाम पर सार्वजनिक हित को नुकसान पहुंचाने वाले कामों में कब तक ढील दी जाएगी। इन परियोजनाओं को गिराने से एक बार नुकसान होता। लेकिन इनकी वजह से पर्यावरण को जो क्षति पहुंची, उसका असर शायद कभी कम न किया जा सके। विकास परियोजनाओं के नाम पर प्रकृति से होने वाली छेड़छाड़ का दुष्परिणाम आर्थिक नुकसान से ज्यादा गंभीर है। देश के हिमालयी राज्य इसका उदाहरण हैं, जहां इस साल आपदाओं की बारिश हुई या फिर राजधानी दिल्ली और दूसरे महानगर जिनमें सांस लेना लगातार दूभर होता जा रहा है। इसके बाद भी सरकारें और जिम्मेदार संस्थाएं सबक नहीं ले रहीं। ग्रेट निकोबार आईलैंड प्रॉजेक्ट जैसी योजनाएं पर्यावरणविदों को गंभीर चिंता में डालने वाली है। 33: भूभाग पर वन या हरियाली होनी चाहिए, लेकिन है लगभग 25:। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के मुताबिक, 2001 से लेकर अभी तक भारत में 20 लाख हेक्टेयर से ज्यादा हरा-भरा क्षेत्र खत्म हो चुका है, हालांकि इस दौरान पौधारोपण भी खूब हुआ। सुप्रीम कोर्ट के फैसले वाले दिन ही क्लाइमेट चेंज परफॉर्मंस इंडेक्स भी जारी हुआ और इसमें भारत 13 स्थान फिसलकर 23वें पर पहुंच गया है। इसका सीधा मतलब है कि देश की पर्यावरणीय नीति असर नहीं दिखा रही।



मास्को से आया मेरा दोस्त

7

## प्राइम स्पेक्टेटर

संपूर्ण हिंदी मासिक पत्रिका

RNI No.DELHIIN/2011/41355

DAVP No.0813F27125-025

वर्ष-15, अंक: 169, दिसंबर 2025

मूल्य ₹ 20

**विदेश प्रतिनिधि**

विकास पारिक (लंदन)

**प्रमुख प्रतिनिधि**

दिल्ली ब्यूरो प्रमुख

सतपाल सिंह तंवर

लखनऊ ब्यूरो प्रमुख

अशोक तिवारी

मध्य प्रदेश ब्यूरो प्रमुख

श्वेतांक वर्मा

हरियाणा ब्यूरो प्रमुख

संजय सिन्हा

उत्तराखंड ब्यूरो प्रमुख

सुनील नेगी

पूर्वांचल ब्यूरो प्रमुख

शाहिद अस्करी

सोनभद्र ब्यूरो प्रमुख

संजय सिंह

बरेली मण्डल ब्यूरो प्रमुख

योगेंद्रपाल सिंह कौशल

बिहार ब्यूरो प्रमुख

शक्ति प्रकाश

महाराष्ट्र ब्यूरो प्रमुख

राजकुमार केशरवानी

हिमाचल ब्यूरो प्रमुख

साहिल शर्मा

राजस्थान ब्यूरो प्रमुख

रानू पाठक

पश्चिम बंगाल, दिल्ली एनसीआर ब्यूरो प्रभारी

नरेश कुमार श्रीवास्तव

विशेष संपादक

गुफरान खान

प्रमुख संपादक

गुलशन अरोड़ा

**संपादक**

नासिर खान

**सलाहकार संपादक**

राकेश त्रिपाठी

डॉ. ईशा

अर्चना ज्योती

**राजनीतिक संपादक**

इंजी.ए पी सिंह

**संपादक (सूचना प्रौद्योगिकी)**

प्रशांत दत्त मिश्रा

**कानूनी सलाहकार**

डी.बी. गोस्वामी, सलीम खान

(एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट)

**चीफ बिजनेस एग्जीक्यूटिव**

समीर अख्तर



शोले के वीरू ने दुनिया को कहा अलविदा

48



इंडिगो संकट ने एविएशन इंडस्ट्री की सरकारी पालिसी पर खड़े किए सवाल! 30

संपादकीय

3

राष्ट्रपति पुतिन की बहुआयामी यात्रा 19

एमसीडी उपचुनाव : बीजेपी से दो सीटें छिनी, फायदे में रही कांग्रेस 22

स्वास्थ्य क्रांति की नई इबारत लिख रहा है छत्तीसगढ़ 25

पीएसयू की खबरें 32

मध्यप्रदेश बना भारत का फूड-बास्केट 38

एसआईआर में लगे बीएलओ की मौत 43

विराट कोहली ने शतक ठोंककर दिया कई सवालों का जवाब 46

### क्षेत्रीय प्रतिनिधि

#### दिल्ली ब्यूरो

मोहम्मद आसिफ (वरिष्ठ संवाददाता)

#### मथुरा ब्यूरो

विनय चौधरी (संवाददाता)

#### कानपुर ब्यूरो

अजय कुमार द्विवेदी (वरिष्ठ संवाददाता)

#### दक्षिणांचल ब्यूरो

इमरान खान (वरिष्ठ संवाददाता)

#### बलिया ब्यूरो

डॉ. कलीम वारसी (वरिष्ठ संवाददाता),

#### आरा ब्यूरो

विमलेश कुमार (संवाददाता)

#### हाजीपुर ब्यूरो

राहुल कुमार (संवाददाता)

### कार्यालय

#### कॉरपोरेट ऑफिस

91, फर्स्ट फ्लोर जे एंड के ब्लॉक, लक्ष्मी नगर,

दिल्ली- 110092

#### संपादकीय कार्यालय

आर-141/3 रमेश पार्क लक्ष्मी नगर दिल्ली-110092

मोबाइल-9718647540 Ph. 011-46536014

ईमेल-primespectator@gmail.com, primeindia-

mediahouse@gmail.com

वेबसाइट-primeindiamediahouse.com

primecrimeindia.com & netaindia.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नासिर खान द्वारा

ANEJA PRINTERS, C-11, SECTOR-10, NOIDA (UP) से

मुद्रित तथा आर-141/3 रमेश पार्क, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित।

सभी पदाधिकारी अवैतनिक हैं। प्राइम स्पेक्टोर के किसी भी रचना के प्रकाशन

से पहले संपादक की अनुमति अनिवार्य है। पत्रिका में प्रकाशित लेख, लेखक के

निजी विचार हैं। सभी प्रकार के विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।

प्राइम स्पेक्टोर (मासिक पत्रिका) दिसंबर 2025, दिल्ली 5



# मास्को से आया मेरा दोस्त



नवेन सिन्हा  
हरियाणा ब्यूरो मैन

गुरुवार 4 दिसंबर को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का जहाज जब नई दिल्ली में उतरा तो भले ही मौसम में दिसंबर की हल्की ठंड का असर रहा हो लेकिन भारत और रूस के संबंधों की गर्मजोशी भी हवा में लोग महसूस कर पा रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति पुतिन का स्वागत किया। ऐसा लग रहा था कि मास्को से उनका बहुत ही प्यारा दोस्त आया हो। रेड कार्पेट पर स्वागत के साथ ही रूसी राष्ट्रपति को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। इसके बाद राष्ट्रपति भवन में अगली सुबह औपचारिक भव्य स्वागत। यानी हर तरह से भारत की ओर से यह संकेत साफ तौर पर दिया जा रहा था कि भारत और रूस की दोस्ती खास है। यह इतिहास के पन्नों से निकली और समय की कसौटी पर परखी गई दोस्ती है।

हमारी मित्रता कई वर्षों से अटूट रही है और आने वाले वर्षों में और भी मजबूत होगी :  
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 5 दिसंबर, 2025 राष्ट्रपति भवन में रूसी संघ के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का स्वागत किया। उन्होंने उनके सम्मान में एक भोज का आयोजन भी किया। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति पुतिन और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए मुर्मु ने कहा कि उनकी यात्रा एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि यह भारत-रूस सामरिक साझेदारी की 25 वीं वर्षगांठ है, जिसकी स्थापना अक्टूबर 2000 में राष्ट्रपति के रूप में उनकी पहली भारत यात्रा के दौरान हुई थी। उन्होंने भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के लिए राष्ट्रपति पुतिन के समर्थन और व्यक्तिगत प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारी साझेदारी शांति, स्थिरता और पारस्परिक सामाजिक-आर्थिक एवं तकनीकी प्रगति के प्रति साझा प्रतिबद्धता से प्रेरित है। वर्ष 2025 हमारी बहुआयामी साझेदारी के लिए विशेष रूप से फलदायी रहा है, जिसमें उच्च-स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान, व्यापार और अर्थव्यवस्था, रक्षा, असेन्य परमाणु सहयोग, अंतरिक्ष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शिक्षा, संस्कृति

और लोगों के बीच जीवंत आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि 23 वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन का संयुक्त वक्तव्य हमारे संबंधों की विशेष प्रकृति को दर्शाता है तथा हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करता है। राष्ट्रपति ने दोनों देशों के लोगों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक संवाद को भी याद किया, जिसमें प्राचीन व्यापार मार्गों से लेकर महात्मा गांधी और लियो टॉलस्टॉय के बीच पत्रों के माध्यम से प्रेरणादायक पत्राचार और एक-दूसरे की समृद्ध सांस्कृतिक, साहित्यिक और कलात्मक विरासत के लिए पारस्परिक प्रशंसा शामिल है। दोनों नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत और रूस के बीच मित्रता कई वर्षों से अटूट रही है और आने वाले वर्षों में और भी मजबूत होगी।

भारत और रूस के बीच 2030 के लिए निर्धारित 100 बिलियन डॉलर के व्यापार का लक्ष्य समय से पहले पूरा हो जाएगा: प्रधानमंत्री

किसी भी साझेदारी की नींव, चाहे व्यापार हो या कूटनीति, आपसी विश्वास ही होती है। भारत-रूस संबंधों की सबसे बड़ी ताकत इसी विश्वास में निहित है यही विश्वास संयुक्त प्रयासों को दिशा और गति प्रदान करता है और नए सपनों और आकांक्षाओं को प्रेरित करने का कार्य करता है: प्रधानमंत्री

रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के सिद्धांत से प्रेरित होकर, भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत-रूस बिजनेस फोरम को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में राष्ट्रपति पुतिन, भारत और विदेश के नेताओं और सभी विशिष्ट अतिथियों का अभिवादन करते हुए कहा कि भारत-रूस व्यापार

मंच राष्ट्रपति पुतिन की एक महत्वपूर्ण पहल को दर्शाता है। वे इस आयोजन में भाग लेने के लिए एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल लेकर आए हैं। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि उनके बीच होना उनके लिए अत्यंत प्रसन्नता का क्षण है। श्री मोदी ने इस फोरम में शामिल होने और अपने बहुमूल्य विचार साझा करने के लिए अपने मित्र राष्ट्रपति पुतिन के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यापार के लिए सरल और विश्वसनीय व्यवस्थाएं बनाई जा रही हैं और उन्होंने यह भी कहा कि भारत और यूरोशियन इकनॉमिक यूनियन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा शुरू हो गई है। श्री मोदी ने कहा कि, जैसा कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा और राष्ट्रपति पुतिन ने भविष्य की संभावनाओं के बारे में बताया कि भारत और रूस कम समय में ही अति महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी साझेदारी की नींव, चाहे व्यापार हो या कूटनीति, आपसी विश्वास ही है। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत-रूस संबंधों की सबसे बड़ी ताकत इसी विश्वास में निहित है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यह विश्वास संयुक्त प्रयासों को दिशा और गति प्रदान करता है और नए सपनों और आकांक्षओं को प्रेरित करने का कार्य करता है। प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि पिछले साल राष्ट्रपति पुतिन और उन्होंने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार में 100 बिलियन डॉलर के लक्ष्य को पार करने का संकल्प लिया था, लेकिन उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन के साथ उनकी हालिया चर्चाओं और प्रबल संभावनाओं को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि 2030 तक इंतजार नहीं करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत और रूस इस लक्ष्य को समय से पहले प्राप्त करने के दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं और उनका विश्वास और मजबूत हो रहा है। श्री मोदी ने कहा कि टैरिफ और नॉन-टैरिफ संबंधी बाधाओं को कम किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन प्रयासों की असली ताकत



कारोबारी दिग्गजों में निहित है, तथा उनकी ऊर्जा, नवाचार और महत्वाकांक्षा ही भारत और रूस के साझा भविष्य को आकार देती है।

### भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर

पिछले ग्यारह वर्षों में भारत में अभूतपूर्व गति और व्यापक परिवर्तन के बारे में चर्चा करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के सिद्धांत पर चलते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि सुधार की दिशा में ग्यारह वर्षों की इस यात्रा में, भारत न थका है और न ही रुका है, बल्कि उनका संकल्प पहले से कहीं अधिक मजबूत हुआ है और वह अपने लक्ष्यों की ओर पूरे विश्वास और गति के साथ आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यापार में सुगमता को बढ़ावा देने के लिए जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार किए गए हैं और अनुपालन में छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र निजी क्षेत्र के लिए खोल दिए गए हैं जिससे नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि असैन्य परमाणु क्षेत्र में भी संभावनाओं के नए द्वार खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये केवल प्रशासनिक सुधार नहीं हैं, बल्कि मानसिकता में सुधार हैं, जो एक ही संकल्प — विकसित भारत — से प्रेरित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो दिनों में बहुत उपयोगी और सार्थक

चर्चाएं हुई हैं। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बैठक में भारत-रूस सहयोग के सभी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व था। उन्होंने प्रतिभागियों के सुझावों और प्रयासों की हार्दिक सराहना की। उन्होंने कहा कि सहयोग को और मजबूत करने के लिए कई विचार व्यक्त किए गए हैं। श्री मोदी ने कहा कि लॉजिस्टिक और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में, राष्ट्रपति पुतिन और उन्होंने कनेक्टिविटी की पूरी क्षमता को साकार करने पर जोर दिया और आईएनएसटीसी तथा चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर सहित उत्तरी समुद्री मार्ग जैसी परियाोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता जताई। इन परियोजनाओं में शीघ्र ही प्रगति होने की उम्मीद है जिससे आवागमन समय कम होगा, लागत कम होगी और व्यापार के लिए नए बाजार खुलेंगे। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक की शक्ति से, सीमा शुल्क, लॉजिस्टिक और नियामक प्रणालियों को एक वर्चुअल ट्रेड कॉरिडोर के माध्यम से जोड़ा जा सकता है जिससे सीमा शुल्क का निपटारा तेज होगा, कागजी कार्रवाई कम होगी और माल की आवाजाही अधिक निर्बाध होगी। श्री मोदी ने बताया कि समुद्री उत्पादों के क्षेत्र में, रूस ने हाल ही में डेयरी और समुद्री उत्पादों के निर्यात हेतु पात्र भारतीय कंपनियों की सूची का विस्तार किया है जिससे भारतीय निर्यातकों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत

के उच्च-गुणवत्ता वाले समुद्री उत्पादों, मूल्यवर्धित समुद्री खाद्य और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की वैश्विक स्तर पर अच्छी मांग है और शीत श्रृंखला रसद, गहरे समुद्र में मछली पकड़ने और मछली पक. डने के बंदरगाहों के आधुनिकीकरण में संयुक्त उद्यम और तकनीकी साझेदारियाँ रूस की घरेलू माँग को पूरा कर सकती हैं और साथ ही भारतीय उत्पादों के लिए नए बाजार खोल सकती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भारत आज किफायती और कुशल ईवी दोपहिया वाहनों और सीएनजी आधारित आवागमन से जुड़े समाधानों में विश्व में अग्रणी है जबकि रूस उन्नत सामग्रियों का एक प्रमुख उत्प.। दक है और दोनों देश ईवी विनिर्माण, मोटरवाहन के कल-पुर्जों और साझा आवागमन में सहयोग कर सकते हैं जिससे घरेलू जरूरतों को पूरा किया जा सके और विकासशील देशों, विशेष रूप से अफ्रीका के विकास में योगदान दिया जा सके।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि फार्मा के क्षेत्र में भारत दुनिया भर में किफायती दामों पर उच्चतम गुणवत्ता वाली दवाइयाँ उपलब्ध कराता है जिससे उसे फार्मसी ऑफ द वर्ल्ड यानी विश्व की फार्मसी का खिताब प्राप्त हुआ है और दोनों देश संयुक्त रूप से टीके के विकास, कैंसर उपचार, रेडियो-फार्मास्युटिकल और एपीआई आपूर्ति श्रृंखलाओं में सहयोग कर सकते हैं जिससे स्वास्थ्य सुरक्षा में वृद्धि होगी और नए उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। वस्त्र उद्योग के बारे में बात करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि भारत में प्राकृतिक रेशों से लेकर तकनीकी वस्त्रों तक की विशाल क्षमता है और भारत को डिजाइन, हस्तशिल्प और कालीनों में वैश्विक मान्यता प्राप्त है। रूस पॉलिमर और सिंथेटिक कच्चे माल का एक प्रमुख उत्पादक है, जिससे दोनों देश एक मजबूत वस्त्र मूल्य श्रृंखला का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उर्वरक, सिरमिक, सीमेंट विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक के क्षेत्र में भी सहयोग के समान अवसर मौजूद हैं। सभी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने में श्रमिकों के



आवागमन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत 'विश्व का कौशल केंद्र' के रूप में उभर रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, निर्माण और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में भारत की युवा प्रतिभा वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता रखती है। श्री मोदी ने कहा कि रूस की जनसांख्यिकीय और आर्थिक प्राथमिकताओं को देखते हुए, यह साझेदारी दोनों देशों के लिए बेहद फायदेमंद है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारतीय प्रतिभाओं को रूसी भाषा और सॉफ्ट स्किल का प्रशिक्षण देकर, रूस के लिए तैयार कार्यबल को संयुक्त रूप से विकसित किया जा सकता है जिससे दोनों देशों की साझा समृद्धि में तेजी आएगी। दोनों देशों के नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा के संबंध में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों के बारे में चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, टूर ऑपरेटरों के लिए नए व्यावसायिक अवसर पैदा होंगे और रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। यह बताते हुए कि भारत और रूस सह-नवाचार, सह-उत्पादन और सह-सृजन की एक नई यात्रा पर साथ-साथ चल रहे हैं, श्री मोदी ने कहा कि इसका लक्ष्य केवल द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना नहीं है, बल्कि वैश्विक चुनौतियों के स्थायी समाधान तैयार करके मानवता

का कल्याण सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत इस यात्रा में रूस के साथ कंधे से कंधा मिला कर चलने के लिए पूरी तरह तैयार है और उन्होंने घोषणा की, ध्वाइए, भारत में निर्माण करें, भारत के साथ साझेदारी करें और साथ मिलकर दुनिया के लिए निर्माण करें।<sup>16</sup> उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया और धन्यवादज्ञापन के साथ अपने संबोधन का समापन किया।

**दोनों देशों के बीच व्यापार जो 5 साल पहले 8 अरब डॉलर का था अब 68 अरब डॉलर तक जा पहुंचा**

दोनों देशों के संबंधों को अगर आंकड़ों की नजर से देखें तो पता चलता है कि दोनों देशों के बीच का व्यापार जो 5 साल पहले 8 अरब डॉलर का था अब 68 अरब डॉलर तक जा पहुंचा है।<sup>17</sup> प्रतिबंधों के बावजूद भारत का रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी है। भारतीय सेना आज भी रूस से मिले हथियारों पर भरोसा करती है। इससे पहले जब रूसी राष्ट्रपति पुतिन लगभग 4 साल पहले भारत आए थे, तब से अब की दुनिया में काफी बदलाव आ चुका है। उस यात्रा के बाद रूस ने यूक्रेन पर हमला किया और इसकी वजह से वह दुनिया में काफी अलग-थलग पड़ा। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति के रूप में वापसी हुई। भारत के साथ अमेरिका के रिश्ते तनाव भरे दौर में हैं और रूस के चीन से



रिश्ते काफी मजबूत हुए हैं। ऐसे हालात में जब पश्चिमी देश रूस को अलग-थलग करने में लगे हैं तब भारत क्यों उसके इतना करीब खड़ा है, यह यात्रा इतनी अहम क्यों मानी गई? इस दौर का सबसे बड़ा हासिल क्या था? अमेरिका इस दौर को कैसे देख रहा होगा? क्या रूस सचमुच में अलग-थलग हो रहा है या वो दुनिया की राजनीति के भविष्य में एशिया को देखते हुए काम कर रहा है? रूस और चीन की नजदीकी के संदर्भ में भारत और रूस के संबंधों का भविष्य क्या होगा? और क्या यूक्रेन के मुद्दे पर चुप्पी रखकर यह संबंध आगे बढ़ाए जा सकते हैं?

### इतनी अहम क्यों है यह यात्रा?

यह यात्रा भारत और रूस दोनों के लिए ही इतनी अहम क्यों है, इस पर अनुराधा मित्रा चेन्नॉय कहती हैं, मेरे खयाल से रूस के लिए यह इसलिए अहम है क्योंकि वह दिखाना चाहते हैं कि वह आइसोलेटेड नहीं हैं। भले ही पश्चिमी देश उन्हें अलग-थलग करना चाहते हैं लेकिन यह रणनीति कामयाब नहीं रही। क्योंकि पश्चिम से बाहर के देशों भारत, चीन या अफ्रीका और वेस्ट एशिया के ग्लोबल साउथ वाले देशों में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आना स्वागत योग्य है। इसकी वजह यह है कि रूस ने बहुत लंबे समय तक इन देशों का साथ दिया है और अब ये देश उसका साथ दे रहे हैं। रूस के

लिए यह जरूरी है। भारत के लिए भी यह जरूरी है। दरअसल भारत 10 साल से यह कोशिश कर रहा था और उसने बहुत इन्वेस्ट किया है कि अमेरिका से रणनीतिक साझेदारी विकसित हो जाए। लेकिन जब से डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा कार्यकाल शुरू हुआ है तब से भारत का दर्जा रणनीतिक रूप से घटाया गया है। इसकी एक वजह तो यह है कि वह द्विपक्षीय संबंधों को बराबरी के दर्जे पर नहीं रखना चाहते। यहां तक कि यूरोप भले ही उनका पुराना साथी है लेकिन फिर भी वो उससे बराबरी का संबंध नहीं रख रहे, उनको हुकम दे रहे हैं। भारत ने उनके इस रवैये को स्वीकार नहीं किया। वह बार-बार कहते रहे कि भारत-पाकिस्तान के बीच जो चार दिन का संघर्ष था उसे उन्होंने रुकवाया है। भारत ने यह बात नहीं मानी। भारत ने कहा कि शयद दावा गलत है। क्योंकि वह (ट्रंप) एक बहुत अहंकारी व्यक्ति हैं तो उन्हें यह बात अच्छी नहीं लगी। अनुराधा मित्रा कहती हैं, “दूसरी बात यह है कि वह (ट्रंप) ब्रिक्स के खिलाफ हैं। वह चाहते हैं कि वह फिर से दुनिया के बॉस बन जाएं, यूनिटैटरलिज्म फिर से हासिल कर लें। उन्हें लगता है कि उनका श्मेक अमेरिका ग्रेट अगेनश का जो स्लोगन है, उसमें ब्रिक्स आड़े आ रहा है। उसमें भारत, चीन, इंडोनेशिया, तुर्की, दक्षिण अफ्रीका आड़े आ रहे हैं।” बेशक वह

यह भी चाहते हैं कि रूस पर भारत के माध्यम से दबाव डाला जाए। भारत रूस से तेल लेना बंद कर दे लेकिन रूस का तेल भारत के उद्योगों की रीढ़ है। एनर्जी के बिना आप आगे कैसे बढ़ सकते हैं? आप देख सकते हैं कि भारत ने पिछले 4 साल से रूस का डिस्काउंटेड तेल लिया है और हमारी तेल बास्केट बढ़ी है उसके साथ-साथ हमारी जीडीपी ग्रोथ दिख रही है। इसीलिए भारत उनके प्रेशर में नहीं आना चाहता।”

### सबसे बड़ा हासिल क्या?

इस यात्रा का सबसे बड़ा हासिल क्या रहा है, इस सवाल के जवाब में मॉस्को से वरिष्ठ पत्रकार विनय शुक्ला कहते हैं, रूस अलग-थलग नहीं पड़ा है। दुनिया के दो सबसे बड़े देश भारत और चीन में उनका स्वागत होता है। और सिर्फ इस यात्रा की बात नहीं है। पिछले साल प्रधानमंत्री (मोदी) मॉस्को आए थे। भारत और रूस के बीच संगठनों के स्तर पर संबंध हैं। कई जॉइंट कमीशन हैं, जो चलते रहे हैं और चलते रहेंगे। बहुत सारे लोगों को उम्मीद थी कि कोई घोषणा होगी, कोई बड़ी डिफेंस डील या ऐसा ही कुछ। लेकिन यह सब काम चुपके से होते हैं। मुझे याद है की सुखोई एसयू-30 एमकेआई की डील संडे को और बहुत दूर, जहां फैंक्ट्री है वहां हुई थी। यह बहुत बड़ी डील थी उस समय की। विनय शुक्ला कहते हैं कि एक समय पर विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा था कि हमें भारत पर यकीन नहीं है कि वह कल अमेरिका के पक्ष में जा सकता है। वह कहते हैं, तो इस यात्रा में जिस तरह के बयान दिए गए हैं तो उनसे रूस को भी आश्वस्त किया गया कि देखो हम अपनी स्वायत्तता पर कायम हैं। इस तरह यह एक प्रतीकात्मक यात्रा भी है। फिर राष्ट्रपति पुतिन आए हैं तो 6 घंटे के लिए नहीं बल्कि 30 घंटे के लिए आए हैं। यह दिखाने के लिए कि वह भी भारत का उतना ही आदर करते हैं, जितना भारत की तरफ से हो रहा है। वह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का समर्थन करते हैं।

### अमेरिका क्या सोच रहा होगा?

अमेरिका के साथ व्यापार को लेकर



बातचीत अभी चल रही है। ऐसे में अमेरिका इस यात्रा को कैसे देख रहा होगा? अनुराधा कहती हैं, तीन-चार सालों से अमेरिका ने बहुत कोशिश की है कि वह भारत पर दबाव डाले। वह दो चीजों पर दबाव डाल रहे हैं। एक तो वह कह रहे हैं कि आपके संबंध चीन के साथ बहुत ठीक नहीं हैं, तो उसमें हम ही आपकी मदद कर सकते हैं। यानी कि आप हमारे प्रॉक्सी बन जाओ क्योंकि चीन से हमें खतरा सबसे ज्यादा है। भारत यह नहीं चाहता। भारत का कहना है कि उसके चीन के साथ कुछ विवाद हैं लेकिन उन्हें हम दोनों मिलकर निपटाएंगे। इसमें हमें किसी तीसरे पक्ष, चाहे वह आप हों या कोई और, की जरूरत नहीं है। दरअसल सारी दुनिया ने देख लिया है और उनका प्रॉक्सी बनकर कोई भी यूक्रेन नहीं बनना चाहता। वह आगे कहती हैं, दूसरा प्रेशर रूस को लेकर है कि आप उन्हें छोड़िए और हमारे कैंप में आ जाइए। अमेरिका को स्ट्रैटेजिक ऑटोनॉमी या रणनीतिक स्वायत्तता की कोई समझ ही नहीं है। वह एक एकांगी, श्रेष्ठतावादी और वर्चस्ववादी शक्ति है। वह अब भी सबसे बड़ी ताकत है। तो उसे लगता है कि जो उसके पास आएंगे उसे फायदा होगा। जब भारत नहीं आया उसके पक्ष में तो उसने सोचा कि फिर से पाकिस्तान को साथ जोड़ लो। वह तो था ही पहले हमारे साथ। लेकिन अब फिर से पाकिस्तानी आर्मी अमेरिका के लिए फायदेमंद है। उसके

जरिए वह ईरान, वेस्ट एशिया, सेंट्रल एशिया, अफगानिस्तान में अपने हित साध सकता है। इसलिए अब वह पाकिस्तान से सीधी बात कर रहा है। कुछ महीनों में आसिम मुनीर दो बार मिल चुके हैं।

### अमेरिका की नीति या ट्रंप की?

इसी से एक सवाल यह भी उभरता है कि इसे अमेरिका की नीति के रूप में देखना चाहिए या फिर डोनाल्ड ट्रंप की नीति के रूप में क्योंकि वह बहुत खास तरह से अपनी नीतियां चलाते हैं? और अगर कल को डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति नहीं रहे तो क्या चीजें बदलेंगी? अनुराधा मित्रा इस सवाल को बहुत ही महत्वपूर्ण बताते हुए कहती हैं, भारत में भी बहुत सारे लोग यह सोच रहे हैं कि 4 साल में सब ठीक हो जाएगा, अब तो तीन साल रह गए हैं। लेकिन मेरा मानना अलग है। दरअसल दो-तीन दिन पहले, अमेरिका का नेशनल सिक्थोरिटी अपग्रेड 2025, आया है। उसके अनुसार यह एक स्ट्रक्चरल चेंज है।

ट्रंप बोलते हैं लेकिन नीति वह नहीं बनाते हैं। यह अमेरिकन डीप स्टेट है उसमें हजारों लाखों एडवाइजर्स हैं, पेंटागन और दूसरे सिस्टम हैं। यह एक सिस्टम की बात है। मेरे ख्याल से यह एक लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजिक इंटरैस्ट है जो उनको भारत से दूर कर रहा है। अनुराधा II कहती हैं, अगर भारत उनकी बात सुने और चीन के खिलाफ उनको एक बेस बनाने दे। जो कि जापान कर सकता

है या साउथ कोरिया कर सकता है तो बात अलग होगी। लेकिन अगर भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए रूस के साथ संबंध कायम रखे, चीन के साथ अपने स्तर पर द्विपक्षीय बातचीत करता रहे तो फिर उन्हें लगता है कि भारत का उन्हें कोई फायदा नहीं है।

### एशिया पर दांव लगा रहा है रूस?

यूक्रेन युद्ध को देखते हुए यूरोप और रूस के बीच में एक दूरी दिखाई पड़ती है। अमेरिका लगातार कोशिश कर रहा है कि सीजफायर हो जाए लेकिन उसमें सफलता मिलती नहीं दिख रही। इस बीच रूस और चीन के संबंध और गहरे हुए हैं। रूस भारत के संबंध अच्छे बनाए रख रहा है। तो क्या रूस एशिया पर या जिसे ग्लोबल साउथ कहते हैं, उस पर अपना दांव लगा रहा है, क्योंकि कहा जाता है कि भविष्य एशिया का है। विनय शुक्ला इससे सहमति जताते हैं, प्युतिन की पॉलिसी लुक ईस्ट या एशिया के समर्थन वाली है। हालांकि कुछ लोग उसके खिलाफ हैं। ये पैसे वाली क्लास है जो पॉलिटिकली तो चुप रहते हैं और जो क्रेमलिन करता है उसे करने देते हैं लेकिन उनके परिवार यूरोप और अमेरिका में सैटल हैं। इसलिए वह इस सबसे खुश नहीं रहते। रूस अब अधिनायकवादी देश नहीं रह गया है और अब आपको इंटरनेट, रेडियो में कई तरह के विचार, आर्टिकल दिखते हैं। इनमें कहा जाता है कि हमें एशिया से क्या मिलेगा, टेक्नोलॉजी उनके पास है नहीं और वैसे भी सांस्कृतिक रूप से हम यूरोप का हिस्सा हैं। शुक्ला कहते हैं, प्युतिन अपने पर्सनल रिलेशन राष्ट्राध्यक्षों के साथ बनाकर रखते हैं। वह खाड़ी के देशों में भी जा रहे हैं वहां के प्रमुख भी आते हैं मॉस्को। जैसे कि सऊदी अरब को न्यूक्लियर प्लांट बनाने में मदद करने का प्रस्ताव दिया है। पुतिन चाहते हैं कि तुर्की और उससे आगे एशिया तक उनका प्रभाव हो।

### संतुलन साधने की चुनौती

भारत और अमेरिका के बीच जो अभी व्यापार वार्ताएं चल रही हैं, यानी कि भारत चाहता है कि अमेरिका के साथ

व्यापार वार्ताएं चलती रहें और जो टैरिफ है वह मैनेजेबल लिमिट में रहे। अमेरिका भी संबंध बनाए हुए है। ऐसे में अमेरिका और रूस दोनों के साथ संबंध बनाकर रखना भारत के लिए चुनौती है? अनुराधा मित्रा कहती हैं, अमेरिका की कोशिश है कि रूस से भारत में तेल न आए। दूसरा, अमेरिका चाहता है कि हम अपना कृषि क्षेत्र, जिसमें डेयरी, कॉर्न और सोया शामिल है, को अमेरिका के लिए खोल दे। लेकिन जब अमेरिका के जेनेटिकली मोडिफाइड एग्रीकल्चर उत्पाद बड़े पैमाने पर भारत में आ जाएंगे तो भारत के किसानों का क्या होगा? इसी वजह से व्यापार वार्ताएं रुकी हुई हैं। भले ही रूस के साथ हमारी साझेदारी विशेष और ऐतिहासिक है, इसमें स्थायित्व भी है लेकिन फिर भी इसमें बड़ी घोषणा नहीं हुई। दरअसल वह चाहते हैं अमेरिका और रूस दोनों के साथ भी कुछ न कुछ संबंध बने रहें। इसमें अनिश्चितता लगती है लेकिन दोनों के बीच संतुलन बनाकर चलने की कोशिश है।

### हमनेमौकागंवादिया, चीननेलपकलिया

भारत और रूस का व्यापार रूस के पक्ष में झुका हुआ है। भारत की कोशिश है कि वह रूस को निर्यात बढ़ाए ताकि ट्रेड बैलेंस हो सके। क्या दोनों देशों के बीच इसकी गुंजाइश है? विनय शुक्ला कहते हैं, षबैल्कुल है। करीब 20 साल हो गए हमने बहुत सारे मौके गंवा दिए, जिन्हें चीनियों ने लपक लिया। रूस के पास बहुत सारी खाली जमीन है लेकिन वहां लोग नहीं हैं और मार्केट भी नहीं है। साउथ रूस में और साइबेरिया में ग्रीन हार्वेस्टिंग का बहुत स्कोप है। एक जमाने में यह बात हुई थी कि भारत कुछ जमीन लेना चाहता था जहां हम अपनी जरूरत की फसलों को उगा सकें। चीन ने यही काम सुदूर पूर्व में किया है। शुक्ला कहते हैं, षेयरी फार्मिंग में रूस में बहुत स्कोप है। आप घंटों तक चलते रहेंगे तो कोई आदमी नहीं मिलेगा लेकिन वहां गाय आराम से चर सकती हैं, दूध हो सकता है, घी-मक्खन बनाया जा सकता है, भारत भेजा जा सकता है। इसके अलावा रूस का डिफेंस सेक्टर बहुत एडवांस है।



स्पेस टेक्नोलॉजी उनके पास अमेरिका से भी पहले थी। उन्होंने भारत को हाइ एंड टेक्नोलॉजी देने का ऑफर किया था। भारत और रूस के संबंधों की बात करें तो एक किरदार स्वाभाविक रूप से है वह चीन। रूस के संबंध पिछले कुछ समय में चीन के साथ जिस तरह से बढ़े हैं उसे देखते हुए यह भी कहा जाता है कि चीन को संतुलित करने के लिए भारत ने रूस के साथ अपने संबंध अच्छे रखे हैं।

### चीन-भारतकेसंबंधऔररूसकीभूमिका

पिछले समय जब तीनों देशों के नेता एक साथ दिखे तो उस समय की तस्वीर की भी बात हुई थी लेकिन जब हम इन तीनों देशों को अलग-अलग देखते हैं तो भारत की कोशिश होती है कि वह चीन के साथ संबंधों में खुद को मजबूत देश के रूप में दिखाए और उसे बैलेंस करने की कोशिश हो। इसमें रूस की

भूमिका क्या है इस समय? अनुराधा मित्रा कहती हैं, रूस और चीन बहुत करीब हैं बहुत सारे स्तर पर। सिर्फ द्विपक्षीय संबंधों की बात नहीं है, मिलिट्री पॉवर और टेक्नोलॉजी में भी। इसके अलावा जो पावर ऑफ साइबेरिया, जो डायरेक्ट गैस पाइपलाइन है साइबेरिया से चीन के लिए और अब ये दूसरी पाइपलाइन पॉवर ऑफ साइबेरिया-2 बना रहे हैं। दूसरी तरफ रूस का मार्केट अटा हुआ है चीनी सामान से। कई बार भारत के रणनीतिकारों को लगता है कि चीन और रूस इतने करीब हो गए हैं तो भारत का क्या होगा? लेकिन रूस का यह कहना है कि वह इस संबंध को एक-दूसरे से जुड़ा हुआ नहीं मानता। जैसे कि हम लोग अमेरिका के करीब होना चाहते हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम रूस को छोड़ देंगे। रूस का यह भी मानना

है कि भारत चीन और रूस के बीच में एक बैलेंस का भी काम करता है क्योंकि उन्हें भी चीन को लेकर कुछ संदेह हैं। चाहे कितनी भी बातचीत हो जाए लेकिन रूस को लगता है कि यह एक बहुत ही दबाव बनाने वाला देश है और यह लगातार आगे बढ़ता ही जाएगा। वह आगे कहती हैं, अब भारत और चीन, रूस और चीन के बीच में बहुत ज्यादा फर्क आ गया है। अब यह एक असमान संबंध है। अब अमेरिका और चीन के संबंध एकसमान हैं और अमेरिका यह बात हजम नहीं कर पा रहा है। इसलिए यह जियो पॉलिटिकल सिचुएशन है, जहां हमें देखना होगा कि रूस और चीन की इक्वेशन से हमारा कोई नुकसान नहीं होगा क्योंकि रूस एक बहुत स्वतंत्र देश है और वह चीन का पिछलग्गू नहीं हो सकता। मुझे लगता है कि हमारे संबंध बढ़ सकते हैं। पहले भी इससे भारत और रूस को फायदा हुआ है और आगे भी हो सकता है।

### रिश्तों को गति देने की कोशिश

भारत और रूस के संबंधों का एक इतिहास रहा है। आज के हालात में इस यात्रा को देखा जाए।।। जो रिश्ता चल रहा था उसे वैसे ही जारी रखा जा रहा है, यह यात्रा उसी की अगली कड़ी है या जो रिश्ता था, यह यात्रा उसे एक नई गति देने की कोशिश है? अनुराधा मित्रा कहती हैं, भारत-रूस के संबंध में रीसेट की जरूरत नहीं है। चाहे वह प्रधानमंत्री हों या रक्षा मंत्री हों, वो कह रहे हैं कि पिछले 25 साल में, जब से पुतिन आए हैं यह संबंध बढ़ते ही जा रहे हैं। यह एक लगातार चल रही प्रक्रिया है। इसमें एक अस्थिरता दिख रही है और मुझे लगता है कि ये और बढ़ेगी। आप अगले एक-दो साल में देखेंगे कि कुछ रक्षा क्षेत्र से जुड़ी कुछ बड़ी घोषणाएं होंगी, स्मॉल न्यूक्लियर पॉवर आएगी, लेबर मोबिलिटी आएगी। जो परेमवर्क है, उसमें सिर्फ रूस नहीं बल्कि यूरोशियन इकोनॉमिक यूनियन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने जा रहा है। इसी तरह वीजा और लेबर मोबिलिटी में बात आगे बढ़ेगी।

### पुतिन के भारत दौर से अमेरिका में



### खलबली!

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे के बीच अमेरिका ने अपनी नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रेटेजी जारी की है। इस स्ट्रेटेजी में भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने पर जोर डाला गया है। साथ ही साउथ चाइना सी में चीन के खिलाफ अकेले मोर्चा संभालने के बजाए भारत और जापान जैसे देशों के साथ सहयोग करने के लिए कहा गया है।

### यूरोपीय देशों पर ट्रंप ने निशाना साधा

ट्रंप प्रशासन की ओर से जारी 33 पन्नों के नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रेटेजी में यूरोपीय देशों पर निशाना साधा गया है। इसमें कहा गया, यूरोपीय देश लोकतंत्र नष्ट कर रहे हैं और यूक्रेन में शांति लाने के खिलाफ कदम उठा रहे हैं। यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने के अमेरिकी प्रयासों को यहां के अधिकारी विफल कर रहे हैं।

सिक्योरिटी डॉक्यूमेंट के अनुसार यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं को स्थिर करने, यूक्रेन युद्ध को रोकने और रूस के साथ रणनीति स्थिरता को फिर से स्थापित करने के लिए हमें दुश्मनी को खत्म करना होगा। इसमें एशिया और मिडिल ईस्ट के साथ अमेरिका के संबंधों को भी शामिल किया गया है।

### ‘बर्डन-शिफ्टिंग’ की नीति अपनाएगा अमेरिका

ट्रंप प्रशासन की ओर से कहा गया कि

वह बर्डन-शिफ्टिंग की नीति अपनाएगा, जिसका उद्देश्य यूरोप को अपने पैरों पर खड़ा करना और गठबंधन वाले संप्रभु राष्ट्रों के समूह के रूप में काम करना है। इसमें देश की सैन्य उपस्थिति को फिर से समायोजित करने का भी जिक्र है ताकि तात्कालिक खतरों का समाधान किया जा सके और उन क्षेत्रों से दूर रखा जा सके, जिनका अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सापेक्ष महत्व हाल के दशकों या वर्षों में कम हो गया है।

### चीन को आर्थिक चुनौती के रूप में बताया गया

नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रेटेजी में चीन को आर्थिक चुनौती के रूप में बताया गया है। जिसमें कहा गया है कि वाशिंगटन चीन के साथ अमेरिका के आर्थिक संबंधों को पुनः संतुलित करेगा और अमेरिकी आर्थिक स्वतंत्रता को बहाल करने के लिए पारस्परिकता और निष्पक्षता को प्राथमिकता देगा। इसमें यह भी कहा गया है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में युद्ध रोकने वाले उपायों पर भी मजबूत और निरंतर ध्यान दिया जाना चाहिए।

### जानिए पुतिन के परिवार है कौन कौन

भारत दौरे के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के परिवार के बारे में सोशल मीडिया में काफी चर्चा हुई। यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद पुतिन के परिवार की खबरें तब सुर्खियों में आईं जब अमेरिका ने रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाए थे। अमेरिका ने साल 2022



में राष्ट्रपति पुतिन की बेटियों समेत उनके कई नजदीकी लोगों पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिया था। इस सूची में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का परिवार और कुछ बड़े रूसी बैंक भी शामिल थे। हालांकि पुतिन के परिवार के बारे में बहुत कम जानकारी है और वो खुद अपने परिवार के बारे में बहुत कम बात करते हैं। साल 2015 में अपनी लंबी प्रेसवार्ता में पुतिन ने अपनी एक बेटी के बारे में पूछे गए सवाल को टाल दिया था। उन्होंने कहा था, मेरी बेटियाँ रूस में रहती हैं और रूस में ही पढ़ी हैं। मुझे उन पर फख है। वे धाराप्रवाह रूप से तीन अंतरराष्ट्रीय भाषाएँ बोलती हैं। मैं अपने परिवार के बारे में कभी किसी से बात नहीं करता। हर व्यक्ति को अपना भविष्य तय करने का अधिकार है। वे अपना जीवन सम्मान के साथ जी रही हैं। अमेरिकी प्रतिबंधों में पुतिन की दो बेटियों—मारिया वोरोंतसोवा और कैटरिना तिखोनोवा के नाम शामिल हैं। कैटरिना और मारिया, पुतिन और उनकी पूर्व पत्नी ल्यूडमिला की बेटियाँ हैं। ल्यूडमिला और पुतिन की शादी 1983 में हुई थी। उस वक्त वे फ्लाइट अटेंडेंट थीं और पुतिन केजीबी (सोवियत संघ की खुफिया एजेंसी) के अधिकारी। ये शादी 30 साल चली। इस दौरान पुतिन तेजी से रूस की सियासत के शीर्ष पर पहुँचे और अपनी पकड़ मजबूत करते गए। साल 2013 में दोनों अलग हो गए। अलग होने के बारे में पुतिन कहते हैं, ये हमारा साझा फैसला था। हम बर्मुशिकल

ही मिल पाते हैं। हम दोनों की अपनी अलग-अलग जिंदगियाँ हैं। ल्यूडमिला ने कहा कि वो अपने काम में पूरी तरह से डूबी रहती हैं। पुतिन और ल्यूडमिला की बड़ी बेटी मारिया 1985 में पैदा हुई थीं। मारिया ने सेंट पीटर्सबर्ग यूनिवर्सिटी में बायोलॉजी की पढ़ाई की है। उसके बाद उन्होंने मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी से डॉक्टरी की डिग्री भी ली है। मारिया अब अध्यापन और लेखन में व्यस्त रहती हैं। वे एंडोक्राइन सिस्टम विशेषज्ञ हैं। मारिया एक व्यवसायी भी हैं। वे एक कंपनी की मालिकन भी हैं और उनकी योजना एक बड़े मेडिकल सेंटर बनाने की थी। मारिया वोरोंतसोवा की शादी नीदरलैंड्स के बिजनसमैन जोरिट जूस्ट फासेन से हुई जो पहले रूसी गैस कंपनी गैजप्रॉम में काम करते थे। हालांकि अब वे



अलग हो चुके हैं। छोटी बेटी कैटरिना तिखोनोवा अपनी बहन की तुलना में लोगों की नजरों में ज्यादा रही हैं, खासकर एक रॉक एंड रोल डांसर के रूप में उनकी प्रतिभा की वजह से। साल 2013 में एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वह और उनके साथी पाँचवें स्थान पर रहे थे। उसी साल कैटरिना ने राष्ट्रपति पुतिन के एक पुराने मित्र के बेटे, किरिल शामालोव से विवाह किया था। रूस के ऊर्जा क्षेत्र में भूमिका के चलते शामालोव पर अमेरिका ने 2018 में प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि बाद में कैटरिना और शामालोव अलग हो गए। कैटरिना शिक्षा और व्यवसाय दोनों में हैं। वो 2018 में रूसी सरकारी मीडिया में न्यूरोटेक्नोलॉजी पर वार्ता में शामिल हुई थीं। साल 2021 में एक व्यावसायिक मंच पर भी उनकी उपस्थिति रही। हालांकि दोनों ही मामलों में राष्ट्रपति के साथ उनके संबंधों का जिक्र नहीं किया गया। ऐसा कहा जाता है कि दोनों में से कोई भी बेटी, राष्ट्रपति पुतिन के साथ ज्यादा वक्त नहीं बिताती। पुतिन के नाती-पोते भी हैं। उन्होंने 2017 में एक फोन-इन कार्यक्रम में उनका जिक्र तो किया था, लेकिन यह नहीं बताया था कि उनके कितने नाती-पोते हैं या उनकी किस बेटी की संतानें हैं। उन्होंने कहा, षेरे पोते-पोतियों में से एक तो नर्सरी स्कूल में है। कृपया समझें, मैं नहीं चाहता कि वे किसी राजकुमार की तरह बड़े हों। मैं चाहता हूँ कि वे सामान्य लोगों की तरह बड़े हों।



(A Government of India Enterprise)

# CHANGING BUILDING LANDSCAPE FOR SUSTAINABLE FUTURE

## DOMESTIC PROJECTS



## AIIMS DEOGHAR AT JHARKHAND



**BHARAT MANDAPAM  
AT NEW DELHI**



## AMRAPALI PROJECTS AT NOIDA & GREATER NOIDA



VANIJA BHAWAN  
AT NEW DELHI



**DHANA DHANAYE AUDITORIUM  
AT KOLKATA**



NAUROJI NAGAR  
AT NEW DELHI



## SUPER THERMAL POWER PROJECT AT NAGPUR, MAHARASHTRA



### ILLUMINATION OF LAL QUILA AT DELHI



### BORDER FENCING FROM HARI NAGAR TO SUTARKANDI AT ASSAM

## OVERSEAS PROJECTS



**MAHATMA GANDHI INTERNATIONAL CONFERENCE  
CENTRE AT NIAMEY, NIGER**



INDIAN PAVILION  
AT WORLD EXPO 2020



**INSTITUTE FOR SECURITY & LAW ENFORCEMENT  
STUDIES AT ADDU CITY**

**NBCC Bhawan, Lodhi Road, New Delhi-110003 | CIN-L74899DL1960GOI003335 | [www.nbccindia.in](http://www.nbccindia.in)**

Follow us on   /officialNBCC  @officialNBCC

**Innovation & Excellence At Work**

# राष्ट्रपति पुतिन की बहुआयामी यात्रा



**प्रभात कुमार राय  
पूर्व नौकरशाह  
और विदेश मामलों के  
विशेषज्ञ**

भारत और रूस के वार्षिक शिखर सम्मेलन के अवसर पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नई दिल्ली यात्रा से भारत और रूस के मध्य एक नए कूटनीतिक युग का सूत्रपात हो चुका है। अमेरिका और यूरोपियन यूनियन के जबरदस्त और विकट कूटनीतिक दबाव के बावजूद भारत द्वारा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का खैरमकदम रैंड कार्पेट बिछाकर किया गया है। राष्ट्रपति पुतिन का रैंड कार्पेट वैलकम साबित करता है कि भारत अपनी रणनीतिक खुदमुख्तारी पर अडिग तौर पर कायम बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से पहले रूस की संसद ड्यूमा द्वारा इंडिया-रशिया रैसीप्रोकल एक्वेज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट एग्रीमेंट का पारित कर दिया गया है। इस इंडिया-रशियन एग्रीमेंट के तहत दोनों देशों को एक दूसरे के देश में अपनी सेनाओं को भेजने, इंडिया और रशिया के युद्धपोतों को एक दूसरे के देश के बंदरगाहों में प्रवेश करने, एयर स्पेस, और एयर फील्ड्स को इस्तेमाल

करने की अनुमति प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है यह मिलिट्री एग्रीमेंट कदाचित नहीं है, यह तो केवल शांति काल के लिए इंडिया-रशियन लॉजिस्टिक सपोर्ट एग्रीमेंट है। इस एग्रीमेंट के तहत फिलहाल पांच वर्षों तक भारत के छः युद्धपोत रूस के बंदरगाहों में तैनात रहेंगे और रूस के छह युद्धपोत के भारत के बंदरगाहों पर तैनात रहेंगे। दोनों मुल्कों के तीन-तीन हजार मिलिट्री सैनिक एक दूसरे के मुल्क में तैनात रहेंगे। विगत तीन वर्षों से यूक्रेन युद्ध के दौर में अमेरिका और यूरोपियन यूनियन राष्ट्रपति पुतिन को वैश्विक मंचों से अगल थलग करने के प्रयास में जुटे हुए हैं। भारत द्वारा अमेरिका और यूरोपियन यूनियन द्वारा राष्ट्रपति पुतिन को अगल थलग करने के प्रयास का कदापि समर्थन नहीं किया। यहां तक कि विगत तीन वर्षों में भारत के व्यापारिक और रणनीतिक ताल्लुकात रूस के साथ उत्तरोत्तर और अधिक प्रगाढ़ होते गए हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत की आजादी के बाद से ही वस्तुतः सोवियत रूस का भारत एक अत्यंत निकट व्यापारिक और रणनीतिक साझीदार देश रहा। पब्लिक सैक्टर में बड़े बड़े बुनियादी उद्योगों को स्थापित करने में सोवियत रूस ने भारत को जब

रदस्त सहयोग किया गया था। वर्ष 1991 में सोवियत रूस के राजनीतिक विघटन के तत्पश्चात भी भारत और रूस के मध्य स्थापित हुए ऐतिहासिक ताल्लुकात में रणनीतिक निकटता और आर्थिक सहयोग बाकायदा बरकरार बना रहा। एक ऐसा ऐतिहासिक दौर भी था, जबकि भारत के दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन से जन्म लिए मुल्क पाकिस्तान का अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों की शक्तियां प्रबल तौर से सैन्य समर्थन कर रही थी। अमेरिका के नेतृत्व में पाकिस्तान को सैन्य संगठन (सेंटो) का सक्रिय सदस्य बनाया गया था। तत्कालीन सोवियत रूस द्वारा काम रैंड निकिता खुरुश्चोव के शासन काल से ही भारत को प्रबल आर्थिक सहयोग और सैन्य समर्थन प्रदान किया गया। पाकिस्तान और भारत के मध्य अक्तूबर वर्ष 1947 से पाक फौज के आक्रमण से प्रारम्भ हुए रक्तंजीत रहे कश्मीर विवाद पर संयुक्त राष्ट्र सिक्योरिटी काउंसिल में भारत के समर्थन में पश्चिमी देशों के प्रस्तावों के विरुद्ध सोवियत रूस द्वारा छह दफा वीटो अंजाम दिया गया। आज के दौर में जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति जोनाल्ड ट्रंप पूरी तरह से कमर कसकर भारत के विरुद्ध पाकिस्तान के पक्ष खड़े हो गए हैं। पाकिस्तान के कमांडर इन चीफ फील्ड मार्शल जनरल मुनीर की तारीफ के पुल बांधते हुए पाक हुकूमत की सक्रिय हिमायत करने में उतरा हो गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जोनाल्ड ट्रंप भारत के विरुद्ध अन्यायपूर्ण तौर पर टैरिफ आयद करने के निरंतर एक के बाद एक निर्णय ले रहे हैं।

भारत के लिए संकटपूर्ण आर्थिक दौर में जबकि अमेरिका से परस्पर व्यापार खतरे में है और अमेरिका के कूटनीतिक दबाव में भारत ने रूस से तेल का आयात तीस प्रतिशत तक कम कर दिया गया है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन द्वारा भारत के समक्ष प्रबल रणनीतिक और आर्थिक

सहयोग स्थापित करने की कूटनीतिक पेशकश की गई हैं। राष्ट्रपति पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पस्कोव ने बयान में कहा कि देखना है कि भारत और रूस के मध्य सहयोग को शिखर बिंदु पर ले जाए जाने की राष्ट्रपति पुतिन की पेशकश को भारत किस अंदाज से स्वीकार करता है। राष्ट्रपति पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पस्कोव ने आगे फरमाया कि भारत के साथ रूस अपना आर्थिक और रणनीतिक सहयोग कूटनीतिक सरहदों से कहीं अधिक उपर जाकर स्थापित करने के लिए तत्पर है। दिमित्री पस्कोव ने अपने कूटनीतिक अंदाज में कहा कि भारत जिस हद तक रूस के साथ सहयोग के लिए अपने कदमों को आगे बढ़ाएगा, निश्चित तौर पर रूस भी भारत के साथ उसी गति से अधिकाधिक सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार हो जाएगा। भारत की अपनी यात्रा प्रारंभ करने से ठीक पहले रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी अपने बयान में कहा कि रूस की सरकार भारत के साथ अपने संबंधों को एक उच्च शिखर तक ले जाना चाहती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारणवश रूस अनेक वर्षों से अमेरिका और यूरोपियन यूनियन द्वारा आयद किए गए कड़े आर्थिक प्रतिबंधों का निरंतर सामना कर रहा है। इस कारण से रूस की आर्थिक और सैन्य निर्भरता चीन के ऊपर बहुत अधिक बढ़ गई है। चीन पर रूस की बढ़ती हुई निर्भरता को संतुलित करने की खातिर रूस के राष्ट्रपति पुतिन को भारत के रणनीतिक और आर्थिक सहयोग की प्रबल आवश्यकता प्रतीत हो रही है। अतः राष्ट्रपति पुतिन भारत को चीन के समकक्ष रणनीतिक दर्जा प्रदान करने के लिए तैयार हो गए हैं और चीन पर निरंतर बढ़ती हुई रूस की निर्भरता को भारत के साथ मिलकर संतुलित करने का जोरदार प्रयास कर रहे हैं।

सर्वविदित है कि विश्व पटल पर शीत युद्ध का एक बार फिर से आगाज हो चुका है और दुनिया दो सैन्य गुटों में विभाजित होती हुई नजर आने लगी है। जहाँ एक तरफ अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य शक्तियां विद्यमान हैं, तो दूसरी तरफ रूस चीन और ईरान

आदि अनेक देशों का सैन्य गुट सन्नद हैं। आजादी के संपूर्ण दौर में भारत परंपरागत तौर पर नेहरू युग से ही एक गुटनिरपेक्ष देश रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौर में भी स्वतंत्र विदेश नीति पर बाकायदा गतिशील रहते हुए, भारत ने पं.जवाहर लाल नेहरू की गुटनिरपेक्ष नीति का उनके नाम से बाकयदा परहेज करते हुए सदैव अनुसरण किया है। पं.नेहरू की गुटनिरपेक्ष नीति का ही परिणाम रहा कि सन् 1962 में आक्रमणकारी चीन को युद्ध विराम करके पीछे हटना पड़ा था, जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति जान एफ कनैडी और सोवियत रूस के तत्कालीन प्रधानमंत्री निकिता खरुश्चोव द्वारा चीन आक्रमण की प्रबल भर्त्सना करते हुए भारत का समर्थन किया गया था। अत्यंत निकट रणनीतिक सहयोगी देश होते हुए भी सोवियत रूस की खातिर, पं. नेहरू काल से ही गुटनिरपेक्ष भारत द्वारा अमेरिका का कदाचित् परित्याग नहीं किया गया। वर्ष 2001 में अमेरिका के न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर 9 11 के नृशंस जेहादी आक्रमण के पश्चात भारत और अमेरिका राजनीतिक और रणनीतिक रूप से निकट आ गए। वैश्विक जेहादी दहशतगर्दी सरीखे समान नृशंस दुश्मन के विरुद्ध संयुक्त रूप से संग्राम करते हुए भारत और अमेरिका आर्थिक क्षेत्र में भी अत्यंत निकट मित्र मुल्क बन गए।

शीत युद्ध के पुराने दौर में भी भारत की स्वतंत्र गुटनिरपेक्ष नीति को अनेक दफा जबरदस्त चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। खासतौर पर सन् 1962 में चीन द्वारा भारत पर अंजाम दिए गए भीषण आक्रमण के दौर में भारत वरः तुत अमेरिका और पश्चिमी देशों के सैन्य गुट में शामिल होने के लिए विवश हो सकता था, किंतु भारत ने अपनी स्वतंत्र गुट निरपेक्ष नीति पर कायम बने रहने का फैसला किया था। वर्तमान काल में अघोषित शीत युद्ध के दौर में भारत अनेक विकट चुनौतियों से जूझ रहा है। खासतौर पर अमेरिका द्वारा पेश की गई टैरिफ आक्रमण की भीषण चुनौती से भारत का सामना है। वर्ष 1971 जबकि बांग्लादेश युद्ध करते हुए भारत ने

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में सोवियत रूस के साथ एक 20 वर्षीय सैन्य संधि पर हस्ताक्षर किए थे, तब भी अपनी स्वतंत्र गुटनिरपेक्ष नीति पर भारत बाकायदा कायम बना रहा और अपने संबंधों को किसी भी तौर पर पाकिस्तान का सैन्य समर्थन करने वाले अमेरिका के साथ कदाचित् शिथिल नहीं होने दिया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भयानक तौर पर किए जा रहे टैरिफ आक्रमणों के बावजूद भी भारत ने अभी तक अमेरिका के विरुद्ध कोई प्रतिशोधनात्मक कार्यवाही नहीं की है। भारत द्वारा अमेरिका के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट अंजाम देने के प्रयास निरंतर जारी रखे गए हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत की निर्भरता रक्षा क्षेत्र में रूस से निरंतर आयात की जाती रही सैनिक सैन्य सामग्री पर सदैव से रही है। भारत के रक्षा क्षेत्र में तकरीबन 70 फीसदी आधुनिकतम हथियार रूस द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। इन आधुनिकतम हथियार में लडाकू सुखोई जेट, टी-90 टैंक, एस-400 एयर डिफेंस आदि शुमार रहे हैं। इंडिया रशिया रैसीप्रोकल एक्चेंज ऑफ लॉजिस्टिक नेटवर्क से जुड़कर भारत को बेहद फायदा होगा। भारत द्वारा विगत कुछ वर्षों से बहुत बड़े पैमाने पर रूस से कच्चे तेल का आयात किया जाता रहा है। रूस से कच्चा तेल आया करने में फिलहाल 30 फीसदी की कटौती कर दी गई है। भारत और रूस के मध्य व्यापार संतुलन वस्तुतः रूस के पक्ष में कायम बना रहा है। राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के दौरान भारत और रूस के परस्पर व्यापार संतुलन पर भी एक समझौता अंजाम दिया गया है, ताकि व्यापार संतुलन को स्थिर करने के लिए भारत से रूस को इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल, रसायन, कृषि सामान का निर्यात बढ़ाया जाएगा। इसके अतिरिक्त भारत से रूस द्वारा कपड़ा, परिधान, चमड़े के सामान, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और हल्के इंजीनियरिंग जैसे श्रम उद्योग भी भारत से बड़े पैमाने पर भारतीय सामान का आयात किया जाएगा।

# गंग नहर के 100 वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री ने नहरी तंत्र के लिए दो 1,717 करोड़ रुपये के कार्यों की सौगात



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की गन्ने के समर्थन मूल्य में 15 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ोतरी की घोषणा

## रानू पाठक राजस्थान ब्यूरो प्रमुख

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार की किसान हितैषी नीतियां और योजनाएं प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के बीज हैं। किसानों की समृद्धि हमारा लक्ष्य है और राजस्थान को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना हमारा संकल्प है।

श्री शर्मा श्रीगंगानगर के साधुवाली में गंग नहर शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 100 वर्ष पूर्व 5 दिसंबर, 1925 को महाराजा गंगा सिंह जी ने रेगिस्तान को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ गंग नहर का शिलान्यास किया था। उसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए हमारी सरकार ने गंग नहर के पुनरुद्धार हेतु 1 हजार 717 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी है। उन्होंने कहा कि

यह अवसर मरुस्थल को अन्न भंडार में बदलने की दूरदर्शी सोच का पर्व है। यह राजस्थान के सुनहरे भविष्य के निर्माण का एक सुनहरा पल है।

## अक्टूबर 2027 तक पूरे होंगे गंग नहर प्रणाली के पुनरुद्धार कार्य

श्री शर्मा ने कहा कि विकास विरासत के सम्मान के साथ ही, भविष्य के निर्माण का संकल्प है। इन विकास कार्यों से गंग नहर प्रणाली को नई मजबूती मिलेगी, जिससे किसान भाइयों के जीवन में नई समृद्धि आएगी। उन्होंने कहा कि 647 करोड़ रुपये से फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण से पानी की नियमित आपूर्ति में स्थिरता आएगी और पूरे नहर तंत्र की जीवन क्षमता बढ़ेगी। साथ ही, 300 करोड़ रुपये से बीकानेर कैनाल के पुनरुद्धार से लाखों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। वहीं, प्रथम चरण में 695 करोड़ रुपये से गंग नहर प्रणाली के 3.14 लाख हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र का ऑटोमेशन भी होगा, जो राजस्थान की सिंचाई व्यवस्था का भविष्य है। इस ऑटोमेशन से पानी का वैज्ञानिक वितरण और रियल टाइम

मॉनिटरिंग जैसे काम संभव हो सकेंगे। क्षतिग्रस्त नहरों एवं नकारा खालों का पुनर्निर्माण 75 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को अक्टूबर, 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। श्री शर्मा ने कहा कि नहरों से संबंधित विकास कार्य प्रदेश के सिंचाई क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। ये विकास कार्य किसानों की समृद्धि, युवाओं की उम्मीद और राजस्थान की प्रगति के लिए हमारी सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि हमने किसानों की समस्याओं को नजदीक से देखा और समझा है। किसानों की मुस्कान हमारे लिए नीति-निर्माण की दिशा तथा उनकी समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता है। सिंचाई के लिए पानी, बिजली, कृषि बीमा, उत्पाद के लागत-मूल्य, आधुनिक तकनीक सहित हर क्षेत्र में प्रदेश सरकार किसानों के साथ है।

## नहरी तंत्र के लिए किया 5 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र



मोदी किसानों की ताकत को देश की प्रगति का आधार मानते हैं। राज्य सरकार भी किसानों के हित में प्रधानमंत्री द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण कर रही है। प्रदेश में सिंचाई जल की कमी को पूरा करने के लिए कई ऐतिहासिक काम किए गए हैं। राम जल सेतु लिंक परियोजना में काम शुरू होने के साथ ही यमुना जल समझौते में डीपीआर बनाने का काम किया जा रहा है। प्रदेश में नहरी तंत्र के सुदृढीकरण हेतु दो वर्षों में करीब 5 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इनमें करीब 1 हजार 400 करोड़ रुपये के कार्य प्रगति रत हैं तथा 3 हजार 265 करोड़ रुपये के कार्यों के लिए निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। आई.जी.एन.पी. की नहरों के जिर्णोद्धार एवं पक्के खालों के निर्माण के लिए 3 हजार 400 करोड़ का बजट दिया गया है। सिंचाई परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री सिंचाई टास्क-फोर्स का गठन किया गया है।

### किसानों को 10 हजार करोड़ से अधिक की सम्मान निधि की हस्तांतरित

श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने किसान सम्मान निधि की राशि को बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया है और इसे

चरणबद्ध तरीके से 12 हजार रुपये तक बढ़ाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य के 76 लाख से अधिक किसानों को अब तक किसान सम्मान निधि की 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि किसानों को 44 हजार करोड़ रुपये से अधिक का ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण वितरित किया गया है। समर्थन मूल्य पर 33 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया है। पिछले वर्ष 125 रुपये और इस वर्ष 150 रुपये बोनस देकर गेहूं की खरीद पर 450 करोड़ रुपये से अधिक की बोनस राशि का भुगतान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम कुसुम योजना से किसानों को नया संबल तथा ऊर्जा मिली है। राजस्थान कुसुम-ए में पहले और कुसुम-सी में तीसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है और श्रीगंगानगर के किसानों को भी हम दिन में बिजली देंगे। उन्होंने कहा कि राज्य और केन्द्र की डबल इंजन की सरकार 17 कृषि क्षेत्र में निरंतर दूरगामी निर्णय ले रही है, जिससे किसानों का आर्थिक सशक्तीकरण हो रहा है। केन्द्र सरकार ने हमारे अनुरोध पर महात्मा गांधी नरेगा

योजना के अंतर्गत फार्म पॉण्ड श्रेणी में अब टांका निर्माण कार्य की अनुमति प्रदान की है।

### गन्ने की एमएसपी में वृद्धि की घोषणा

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गन्ने के वर्तमान समर्थन मूल्य को 15 रुपये बढ़ाने की घोषणा की। कार्यक्रम में उन्होंने गेती किसम के गन्ने के लिये समर्थन मूल्य 401 रु. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 416 रु. प्रति क्विंटल, मध्यम किसम के लिये 391 रु. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 406 रु. प्रति क्विंटल तथा पछेती किसम के लिये 386 रु. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 401 रु. प्रति क्विंटल करने की घोषणा की।

### श्रीगंगानगर जिले में हो रहे विकास कार्य

श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ श्रीगंगानगर जिले में विकास कार्य करवा रही है। उन्होंने कहा कि 185 करोड़ रुपये से कंवरसेन लिफ्ट नहर में क्षतिग्रस्त खालों का जीर्णोद्धार, 60 करोड़ रुपये से भ. ाखड़ा एवं गंगनहर परियोजना क्षेत्रों में खालों का निर्माण करवाया जा रहा है। इसी तरह 200 करोड़ रुपये से राय. सिंह नगर, अनूपगढ़, घड़साना, रावला, श्रीविजयनगर के 44 हजार हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में पक्के खालों का



पुनर्निर्माण एवं 75 करोड़ रुपये से इंदिरा गांधी मुख्य नहर की बुर्जी संख्या 620 से 1,458 तक नहर के दोनों पट्टों का सुदृढीकरण भी करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रीगंगानगर-कोटपूतली ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे की डीपीआर बनवाई जा रही है तथा 46 करोड़ रुपये से करणपुर-केसरीसिंहपुर वाया धनूर सड़क का चौड़ाईकरण कार्य भी करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने किसानों के साथ अन्याय किया तथा फिरोजपुर फीडर पर ध्यान

नहीं दिया। हमने सरकार गठन के साथ ही कृषक हित में काम करना शुरू कर दिया जिसका परिणाम धरातल पर दिख रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार जितने काम 5 साल में नहीं कर सकी, उससे अधिक काम हमने सिर्फ 2 साल में कर दिये हैं। केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि गंगा नहर के पुनरुद्धार कार्य, नहरी तंत्र को संगठित एवं सुदृढ करने के साथ ही किसानों की सुरक्षा का एक बड़ा प्रयास है। उन्होंने कहा कि पण्डित मदन मोहन मालवीय ने

महाराजा गंगा सिंह को नहरी तंत्र विकसित करने का सुझाव दिया था। महाराजा गंगा सिंह ने वर्ष 1925 में गंगा नहर की नींव रखी और 'वैली ऑफ डेथ' को 'वैली ऑफ लाइफ' में बदलने का काम किया। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को सिंचाई के लिए अंतिम खेत तक पानी उपलब्ध करवाने के लिए कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री सुमित गोदारा ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से पेट्रोल व डीजल की





कीमतों का सुसंगतीकरण से श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़ जिले के किसानों को राहत मिली है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों को अन्य कई राज्यों की तुलना में अधिक एमएसपी मिल रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सभा स्थल पर जल संसाधन विभाग की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी में विभिन्न प्रोजेक्ट मॉडल्स का अवलोकन किया। इसके पश्चात उन्हा. 'ने उद्यानिकी विभाग की प्रदर्शनी, पंच गौरव के तहत एक जिला एक प्रजाति, राजीविका के उत्पाद एवं कृषि विपणन विभाग के उत्पादों की जानकारी ली। श्री शर्मा ने गाजर धुलाई की मशीन का निरीक्षण कर गाजर उत्पादन से संबंधित जानकारी भी ली। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सभा स्थल के नजदीक गंगनहर का विधिवत पूजन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गंग नहर का गौरवशाली निर्माण करने वाले महाराजा स्व. श्री गंगा सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही, उन्होंने सादुलशहर में दो वर्षों में हुए विकास कार्यों पर आधारित पुस्तिका का भी विमोचन किया।

**नई सोच, नई पहल से रीको ने औद्योगिक विकास को दिया नया आयाम**  
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा

के अनुरूप राजस्थान नया और आधुनिक बिजनेस मॉडल अपना कर देश के औद्योगिक विकास का ग्रोथ इंजन बन रहा है। राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के नए आयाम स्थापित हुए हैं, उद्यमियों को उद्योग एवं व्यवसाय स्थ. ापित करने में आसानी हुई। मुख्यमंत्री की इसी सोच के अनुरूप समय-समय पर नीतियों एवं नियमों में आवश्यक सुधार किए जा रहे हैं, जिससे राज्य के आर्थिक विकास को गति मिले एवं रोजगार के नए अवसर सृजित हों। इसी क्रम में रीको ने औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटित भूखण्डों की उपयोगिता को और अधिक व्यावहारिक, पारदर्शी एवं समयानुकूल बनाने हेतु रीको भू-निपटान नियम, 1979 के नियम 20 (सी) में आवश्यक बदलाव किये हैं। अब रीको औद्योगिक क्षेत्रों में पट्टाधारी एक अनुमत उपयोग से दूसरे अनुमत उपयोग में निर्धारित शुल्क पर परिवर्तन की स्वीकृति प्राप्त कर सकेंगे। इस निर्णय से उद्यमियों को अपनी आवश्यकतानुसार नई गतिविधियां प्रारम्भ करने में आसानी होगी तथा भूखण्डों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा। इस कदम से जहाँ एक ओर मैनुफैक्चरिंग, कॉमर्शियल, सर्विस, आईटी, हेल्थकेयर, होटल, मिक्.

स्ड यूज, रेजीडेंशियल जैसे क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों का विस्तार होगा, दूसरी ओर औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को आवश्यक सपोर्ट सर्विसेज भी आसानी से उसी क्षेत्र में मिलेंगे। रीको ने इस हेतु ऑनलाइन पोर्टल 26 नवंबर से खोल दिया है। नियम 20(सी) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का निस्तारण शफर्सट कम फर्सट आउटशर के सिद्धांत पर किया जाएगा। पोर्टल खुलने के बाद अब तक विभिन्न जिलों से 61 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें होटल, मिक्स्ड यूज, रेजीडेंशियल, आईटी, इंस्टी. ट्यूशनल, हेल्थ केयर आदि गतिविधियों हेतु परिवर्तन के आवेदन शामिल हैं। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 से इस प्रकार की आवश्यक अनुमति दिया जाना अकारण बंद किए जाने के कारण इस क्षेत्र में व्यवस्था परिवर्तन के लिए लगातार मांग आ रही थी। रीको की इस पहल से उद्योगों एवं व्यवसाय की स्थापना एवं संचालन सुगम होगा, जिससे न केवल आवंटियों को लाभ होगा बल्कि राज्य सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी होगी और प्रदेश में विकास को नई दिशा तथा युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी मिल सकेंगे।

# एमसीडी उपचुनाव : बीजेपी से दो सीटें छिनी, 'आप' ने बचाए गढ़, फायदे में रही कांग्रेस



दिल्ली एमसीडी उपचुनाव में बीजेपी ने 12 में से 7 सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने 3 सीट पर जीत दर्ज की है। 1 सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। 1 सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत हासिल की। इस चुनाव में 2 सीटों पर बीजेपी को झटका लगा है।

**सतपाल सिंह तंवर**  
दिल्ली ब्यूरो प्रमुख

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 12 वार्ड में हुए उपचुनाव के नतीजों में बीजेपी से दो सीटें छिन गई हैं वहीं आम आदमी पार्टी ने अपने गढ़ बचा लिया और कांग्रेस के एक सीट मिली है। चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने सात और आम आदमी पार्टी (आप) ने तीन सीटें जीती हैं। कांग्रेस ने भी संगम विहार-। सीट पर जीत दर्ज की है। जिन 12 वार्डों में 30 नवंबर को वोटिंग हुई थी, उनमें से नौ पहले बीजेपी के पास थे और बाकी आम आदमी पार्टी (आप) के पास थे। साल 2022 में 250 वार्ड के लिए हुए एमसीडी चुनाव में 50.47 फीसदी के मुकाबले इस उपचुनाव का वोट प्रतिशत 38.51 प्रतिशत रहा।

22 **प्राइम स्पेक्टेटर (मासिक पत्रिका) दिसंबर 2025, दिल्ली**

जिन सीटों पर उपचुनाव हुआ था, उनमें मुंडका, शालीमार बाग-बी, अशोक विहार, चांदनी चौक, चांदनी महल, द्वारका बी, ढिचाउ कलां, नारायण गा, संगम विहार ए, दक्षिणपुरी, ग्रेटर कैलाश और विनोद नगर शामिल हैं। कुल 51 कैंडिडेट चुनावी मैदान में थे, जिनमें से 26 महिलाएं और 25 पुरुष थे। इस साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव में बीजेपी की बड़ी जीत के बाद, यह उपचुनाव दिल्ली के पॉलिटिकल मूड का पहला बड़ा टेस्ट माना जा रहा है।

## बीजेपी की सीटें बढ़कर 123 हुईं

दिल्ली नगर निगम में उपचुनाव से पहले बीजेपी के पास 116 सीटें थीं, जो अब बढ़कर 123 हो गई हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी ने तीन सीटों पर फतह हासिल करते हुए अपना नंबर 98 कर लिया है। इसके साथ ही, कांग्रेस उपचुनाव में एक सीट हासिल करते हुए अब 9 पर पहुंच गई है। वहीं, इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के पास एमसीडी में 15 सीट है और एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार के पास है।

## एमसीडी उपचुनाव नतीजों के बाद बोलीं सीएम रेखा गुप्ता

दिल्ली एमसीडी उपचुनाव के नतीजों के

बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया पोस्ट में जनता को आभार जताया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी को अपना अमूल्य आशीर्वाद प्रदान करने हेतु दिल्ली के नागरिकों का हृदयपूर्वक आभार। यह विजय, हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, समर्पण और संगठन की सामूहिक शक्ति का सशक्त प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा कि उपचुनाव में विजयी सभी बीजेपी उम्मीदवारों को हार्दिक शुभकामनाएं। दिल्ली के विकास के प्रति हमारी सरकार प्रतिबद्ध है, और नॉनस्टॉप काम कर रही है।

## जीतने वाले प्रत्याशी और उनका वोट काउंट क्या रहा?

**विनोद नगर:** सरला चौधरी (बीजेपी) — 1769 वोटों से जीतीं।

**द्वारका बी:** मनीषा देवी (बीजेपी) — 9100 वोटों से जीत दर्ज की।

**अशोक विहार:** वीणा असीजा (बीजेपी) — 405 मतों से जीतीं।



किया। उनका कहना है कि जहां आप ने अपनी सीटों की संख्या बरकरार रखी है, वहीं बीजेपी की सीटों की संख्या 9 से घटकर 7 पर आना यह इशारा करता है कि वोटर बीजेपी से संतुष्ट नहीं हैं

### सीएम रेखा गुप्ता ने परिवार संग शालीमार बाग वार्ड में किया मतदान

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग के वार्ड 56 एपी ब्लॉक में पहुंचकर परिवार संग मतदान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि नगर निगम के उपचुनाव में अपने बूथ पर सपरिवार मतदान कर अपने लोकतांत्रिक दायित्व का पालन किया। मतदान हमारे लोकतंत्र की पवित्र प्रक्रिया का अभिन्न अंग है और इसमें हमारी सक्रिय सहभागीता लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ बनाती है। मुख्यमंत्री ने मतदान के दिन सभी मतदाताओं से आग्रह किया था कि अधिक से अधिक संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपना बहुमूल्य वोट अवश्य दें। आपका प्रत्येक मत स्थानीय शासन की दिशा तय करने के साथ ही दिल्ली के समग्र विकास, सुशासन और पारदर्शिता की मजबूत आधारशिला रखने में भी निर्णायक भूमिका निभाता है।

### मतदान के दिन 'आप' ने भाजपा पर लगाया बेईमानी का आरोप

दिल्ली नगर निगम की 12 सीटों के लिए रविवार को हुए मतदान को लेकर आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने सौरभ भारद्वाज ने भाजपा पर

**ग्रेटर कैलाश:** अंजुम मॉडल (बीजेपी) — 4165 मतों से जीतीं।

**दिवाजं कला:** रेखा रानी (बीजेपी) — 5637 मतों से जीतीं।

**चांदनी महल:** मोहम्मद इमरान (निर्दलीय) — 4592 वोटों से जीते।

**मुंडका:** अनिल (आम आदमी पार्टी) — 1577 मतों से जीत दर्ज की।

**संगम विहार ए:** सुरेश चौधरी (कांग्रेस) — 3628 मतों से जीत दर्ज की।

**शालीमार बाग बी:** अनीता जैन (बीजेपी) — सबसे ज्यादा 10101 मतों से जीत दर्ज की।

**दक्षिण पुरी:** राम स्वरूप कनौजिया (आम आदमी पार्टी) — 2262 मतों से जीत दर्ज की।

**चांदनी चौक:** सुमन कुमार गुप्ता (बीजेपी) — 1182 मतों से जीत हासिल की।

**नारायणा:** राजन अरोड़ा (आम आदमी पार्टी) — 148 मतों से जीत दर्ज की।

### धमकियों के बावजूद बीजेपी का घटा नंबर : सौरभ

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनाव के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए आम

आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने बीजेपी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि चुनाव छोटा था, लेकिन यह दिल्ली में बीजेपी सरकार के पहले लिटमस टेस्ट में दो बातें सामने लाता है— बीजेपी नीचे आ रही है और उनके नेताओं की धमकियों के बावजूद पार्टी का नंबर घट गया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि नतीजों से पहली बात यह सामने आई है कि बीजेपी नीचे आ रही है। उन्होंने बीजेपी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी के बड़े-बड़े नेताओं और सांसदों ने मंच से कहा था कि 11 वें के पार्षद को चुनोगे तो हम काम नहीं करने देंगे। भारद्वाज ने कहा कि इन धमकियों के बावजूद भी बीजेपी का नंबर घट गया। भारद्वाज ने एमसीडी उपचुनाव के नतीजों को बीजेपी सरकार के पहले लिटमस टेस्ट के रूप में परिभाषित





दुर्गेश पाठक ने एक पत्र एक्स पर शेयर किया और लिखा कि दिल्ली एमसीडी उपचुनाव में मतदान शुरू होते ही बीजेपी की वोट चोरी का पर्दाफाश। नारायण 11 वार्ड के बूथ 33 पर घोर लापरवाही या कहें सुनियोजित वोट लूट, तभी सामने आई जब पूनम वोट डालने पहुंचीं और पता चला कि उनके नाम पर तो पहले ही फर्जी वोट डाल दी गई है। ये



बेईमानी करने का आरोप लगाया है। सौरभ ने रविवार को कहा कि दिल्ली के 12 एमसीडी वार्ड के अंदर उपचुनाव हैं जिसमें से 3 वार्ड आम आदमी पार्टी के हैं 9 वार्ड भाजपा के हैं। इस छोटे से चुनाव में भी भाजपा ने बेईमानी की। हमने कई इलाकों में उनको एक्सपोज किया कि कैसे भाजपा ने मतदान से पहले गरीबों लोगों को मंदिर पर इकट्ठा किया। वो वहां पर उनके साथ क्या कर रहे थे—पैसे बांट रहे थे कि लालच दे रहे थे इसकी जांच भी चुनाव आयोग ने नहीं किया। तो हमें लगता है कि जब भाजपा इतने छोटे चुनाव में इतनी बेईमानी कर रहे हैं तो बड़े चुनाव में क्या करते होंगे। सौरभ ने कहा कि दक्षिणीपुरी वार्ड में वहां के एसएचओ रहे रामपाल भाजपा के उम्मीदवार के साथ वोट मांग रहे हैं। लोगों के डरा रहे हैं और धमका रहे हैं लेकिन पुलिस कमिश्नर और निर्वाचन

आयोग ने इस संबंध में कोई भी जांच नहीं की।

### अपनी निश्चित हार देखकर आम आदमी पार्टी बौखला गई : सूद

दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने आम आदमी पार्टी के आरोपों को लेकर कहा कि अपनी निश्चित हार देखकर आम आदमी पार्टी बौखला गई है। आप नेता दुर्गेश पाठक के आरोप पर मंत्री सूद ने एक्स पर उन्हें जवाब दिया कि मालूम हो दुर्गेश पाठक बूथ नंबर 33 नारायणा वार्ड में नहीं पड़ता है। आप अपनी हार को देखकर अभी से जिम्मेदारी से बचने का बहाना ढूंढ रहे हैं। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों का ही झूठ बोलकर राजनीति करने का तरीका रहा है। 33 नंबर बूथ 141 राजेन्द्रनगर वार्ड में है झूठी चिट्ठी लिखवा कर सनसनी फैलाने से चुनाव नहीं जीता जाता। दरअसल



साफ दिखाता है कि बीजेपी उपचुनाव जीतने की उम्मीद छोड़ चुकी है और अब फर्जीवाड़े के सहारे लोकतंत्र को कलंकित कर रही है। इलेक्शन कमिशन बीजेपी के लिए काम कर रहा है, तभी तो कोई भी वोट डालने जा रहा है और बीजेपी के लोग इलेक्शन कमिशन की मदद से उसका वोट पहले ही डालकर जा चुके हैं। आपकी जानकारी के लिए, बीजेपी के चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित इस उपचुनाव की वोटर लिस्ट आपको भेज रहा हूँ। इसमें आप बूथ नंबर, स्थान और वोटर्स की संख्या, तीनों देख सकते हैं। दम है तो कभी फ्री और फेयर चुन. व करवा कर दिखाइए, दिल्ली वाले आप सबकी जमानत जब्त करवा देंगे।

# स्वास्थ्य क्रांति की नई इबारत लिख रहा है छत्तीसगढ़



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि 'नवा रायपुर मेडिसिटी' उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएँ, मेडिकल शिक्षा, अनुसंधान और मेडिकल टूरिज्म सभी को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराते हुए भारत के विकसित भविष्य की मजबूत आधारशिला बनेगी

## गुफरान खान विशेष संवाददाता

स्वास्थ्य, शिक्षा और अनुसंधान किसी भी विकसित समाज की असली नींव होते हैं। भारत जब वर्ष 2047 के विकसित राष्ट्र के संकल्प की ओर तेजी से बढ़ रहा है, तब गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ हमारी प्रमुख प्राथमिकता बन चुकी हैं। इसी दृष्टि से छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नवा रायपुर अटल नगर में विकसित की जा रही 'मेडिसिटी' परियोजना न सिर्फ छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे मध्य भारत में स्वास्थ्य सेवा के नए युग की शुरुआत कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी के माग-

दर्शन में यह परियोजना देश की सबसे महत्वाकांक्षी और भविष्यगामी स्वास्थ्य पहल के रूप में उभर रही है। नवा रायपुर अटल नगर पहले से ही शिक्षा, परिवहन, उद्योग और आधुनिक शहरी ढांचे का प्रमुख केंद्र रहा है। अब मेडिसिटी इसे राष्ट्रीय स्तर पर हेल्थकेयर की राजधानी के रूप में स्थापित करने जा रहा है। अत्याधुनिक कनेक्टिविटी, व्यापक परिवहन नेटवर्क और भौगोलिक दृष्टि से रणनीतिक स्थिति नवा रायपुर को न सिर्फ छत्तीसगढ़, बल्कि ओडिशा, मध्यप्रदेश, झारखंड, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र जैसे पड़ोसी राज्यों के लिए भी उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख गंतव्य बना रही है। हर वर्ष 7 करोड़ से अधिक यात्री यहां के एयरपोर्ट और रेल सेवाओं का उपयोग करते हैं, और जल्द ही शुरू होने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के बाद मेडिकल टूरिज्म के विस्तृत अवसर यहां खुलने वाले हैं। सेक्टर 36दृ37 में 200 एकड़ में विकसित की जा रही मेडिसिटी में 5,000

से अधिक बेड की क्षमता और देश के अग्रणी हेल्थकेयर समूहों की भागीदारी इस परियोजना को देश के सबसे बड़े स्वास्थ्य शहर के रूप में स्थापित करेगी।

मेडिसिटी में मेडिकल यूनिवर्सिटी, नर्सिंग कॉलेज और रिसर्च इंस्टीट्यूट स्थापित किए जा रहे हैं ताकि डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल पेशेवरों की नई और सक्षम पीढ़ी तैयार हो सके। कार्डियोलॉजी, कैंसर साइंस, न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, ऑर्गन ट्रांसप्लांट और मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पतालों के साथ अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक्स लैब्स यहां स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊँचाइयों पर ले जाएँगे। मरीजों और उनके परिजनों के लिए आवासीय परिसर, छात्रावास, होटल और धर्मशाला जैसी सुविधाएँ इस पूरे क्षेत्र को एक व्यवस्थित ह्यूमन-सेंट्रिक मेडिकल जोन में बदल देंगी। 'वॉक-टू-हॉस्पिटल' मॉडल, पर्यावरण

# स्वास्थ्य सुविधाओं में होगा विस्तार



अनुकूल डिजाइन, सुगम सार्वजनिक परिवहन कनेक्टिविटी और पीएमजेएवाई व सीजीएचएस जैसी योजनाओं के तहत किफायती उपचार सेवाएँ इस परियोजना को पूरी तरह समावेशी बनाती हैं। उल्लेखनीय है कि नवा रायपुर में पहले से सक्रिय उत्कृष्ट स्वास्थ्य संस्था। इन इस संरचना को और भी मजबूत आधार प्रदान करते हैं। श्री सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल 2012 से बाल हृदय रोग के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का अग्रणी केंद्र है, जहाँ भारत के अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगा. निस्तान और अफ्रीकी देशों से भी मरीज आते हैं। वहीं 2018 से संचालित 170 बिस्तरों वाला बालको कैंसर हॉस्पिटल सेंट्रल इंडिया के 500-600 किमी के दायरे में अत्याधुनिक कैंसर उपचार उपलब्ध कराता है। रायपुर का स्वच्छ वातावरण और कम जीवनदृयापन लागत मरीजों के लिए इसे और उपयुक्त बनाती है।

मेडिसिटी केवल एक स्वास्थ्य परियोजना नहीं बल्कि आर्थिक गतिविधियों का भी विशाल केंद्र बनेगी। स्वास्थ्य, फार्मा, वे.

लनेस और सपोर्ट सेवाओं में हजारों रा. 'जगार सृजित होंगे। इसके आसपास कि. फायती आवास, व्यापारिक प्रतिष्ठान और नई सेवा गतिविधियों का विस्तार राज्य की जीडीपी में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

नवा रायपुर मेडिसिटी छत्तीसगढ़ सरकार

का वह संकल्प है जो कहता है—सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य, कम लागत में उच्च सुविधा और सुरक्षित जीवन की गारंटी। यह केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि भारत के स्वस्थ, सुरक्षित और विकसित भविष्य की नई परिभाषा है। आने वाले वर्षों में नवा रायपुर अटल नगर





मेडिसिटी न सिर्फ मध्य भारत बल्कि पूरे देश के स्वास्थ्य परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श हेल्थकेयर मॉडल के रूप में स्थापित होगी।

### नवा रायपुर मेडिसिटी राज्य के विकास को नई दिशा देगा : ओ पी चौधरी

वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर मेडिसिटी छत्तीसगढ़ की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का ऐसा इंजन बनेगी, जो आने वाले दशकों तक राज्य की विकास रफ्तार को नई दिशा देगा। 200 एकड़ में विकसित हो रही यह विश्वस्तरीय हेल्थकेयर सिटी न सिर्फ उन्नत चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करेगी, बल्कि स्वास्थ्य, फार्मा, वेलनेस, शिक्षा और सेवा क्षेत्रों में हजारों रोजगार सृजित कर राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार देगी। एम्स, बॉम्बे हॉस्पिटल ट्रस्ट, मेडिकल यूनिवर्सिटी और सुपर स्पेशियलिटी संस्थानों की स्थापना से नवा रायपुर राष्ट्रीय हेल्थ हब के रूप में उभरेगा। मेडिसिटी का मॉडल 'सुल. भता, किफायत और उच्च गुणवत्ता' के सिद्धांतों पर आधारित है और यह आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ को मेडिकल टूरिज्म, रिसर्च और हेल्थ इकोनॉमी का

अग्रणी केंद्र बनाएगा।

### भविष्य की मजबूत आधारशिला बनेगी नवा रायपुर मेडिसिटी

नवा रायपुर अटल नगर में विकसित की जा रही मेडिसिटी मध्य भारत में स्वास्थ्य क्रांति की नई शुरुआत है। 200 एकड़ में विकसित हो रहा यह विशाल हेल्थकेयर सिटी आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ ही नहीं, ओडिशा, मध्यप्रदेश, झारखंड, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र सहित पूरे क्षेत्र को अत्याधुनिक, सुलभ और किफायती चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करेगा। 'नवा रायपुर मेडिसिटी' उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएँ, मे. डिकल शिक्षा, अनुसंधान और मेडिकल टूरिज्म सभी को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराते हुए भारत के विकसित भविष्य की मजबूत आधारशिला बनेगी।

### 200 एकड़ में बनेगी मेडिसिटी

प्रदेश में मेडिकल टूरिज्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की कवायद तेज हो गई है। नवा रायपुर के सेक्टर-37 में 200 एकड़ में आधुनिकतम मेडिसिटी बनाई जाएगी। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की ओर से भूमि का चिह्नांकन कर लिया गया है। यहां निजी निवेश की सहायता से करीब 5,000 बिस्तर क्षमता की स्वास्थ्य

सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

1। राज्य शासन की ओर से मेडिसिटी प्रोजेक्ट को प्रधानमंत्री मेडिसिटी योजना से जोड़े जाने की योजना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का प्रयास है कि नवा रायपुर में मरीजों को एक ही स्थान पर उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। विगत दिनों केंद्र सरकार के इंफ्रान्टेक सर्विसेस लिमिटेड के साथ नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की बैठक हुई थी।

### स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का होगा विस्तार

जानकारी के अनुसार, इस प्रोजेक्ट में निजी निवेश की सहायता से लगभग 5,000 बिस्तर क्षमता की स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास किया जाना प्रस्तावित है। राज्य शासन द्वारा मेडिसिटी प्रोजेक्ट को भविष्य में प्रधानमंत्री मेडिसिटी योजना से जोड़े जाने की योजना प्रस्तावित है। मेडिसिटी की स्थापना के लिए हाल ही में केंद्र सरकार के उपक्रम इंफ्रान्टेक सर्विसेस लिमिटेड के साथ नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण ने प्रारंभिक समन्वय बैठक की है।

# अपनी बेटी के प्रेमी को उतारा मौत के घाट, बेटी ने मृतक प्रेमी के शव के साथ की शादी

प्रमिका बोली- मेरा प्रेमी मरकर जीत गया, मेरे माता पिता उसे मारकर भी हार गए



## राजकुमार केशरवानी महाराष्ट्र ब्यूरो प्रमुख

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के नांदेड शहर के जूना घाट (जूना गंज) इलाके में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। पुलिस के मुताबिक यहां एक परिवार ने अपनी बेटी के प्रेम संबंध का विरोध करते हुए उसके प्रेमी की हत्या कर दी। सक्षम ताटे (20) और आचल मामीडवार (21) पिछले तीन साल से एक-दूसरे से प्यार करते थे। लेकिन आंचल का परिवार इस रिश्ते के सख्त खिलाफ था, क्योंकि दा. नों अलग-अलग जातियों से थे। लड़का दलित समुदाय से था। सक्षम की हत्या के बाद, उनकी प्रेमिका आचल ने प्रेमी के मृत शरीर से शादी कर ली। प्रेमी के हाथों से ही माथे पर सिंदूर लगाया और उसके घर में बहू बनकर रहने की कसम खाई। आचल ने कहा कि मेरा प्रेमी मरकर भी जीत गया और मेरे माता-पिता उसे मारकर भी हार गए। उन्हा. ने कहा कि हमारे परिवार वाले इसका विरोध कर रहे थे क्योंकि हम अलग-अलग जाति से थे। आचल ने मीडिया

के सामने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि सक्षम कुछ समय पहले ही जेल से रिहा हुआ था और उसके बाद से उसे मेरे परिवार की ओर से लगातार धमकियाँ मिल रही थीं। उन्होंने कहा कि गुरुवार शाम करीब 5:45 बजे परिवार ने सक्षम को जाल में फंसाया और उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि आंचल के पिता गजानन मामीडवार, भाई साहिल और हिमेश ने सक्षम को गोली मारी और फिर उस पर कई वार करके उसकी

हत्या कर दी। यह भी पता चला है कि मृतक और अभियुक्त दोनों का पूर्व में आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

## हत्या से पहले धमकी

सक्षम के परिवार के मुताबिक, हत्या से दो घंटे पहले, आचल की मां जयश्री मामीडवार उनके घर आई थीं और उसे खुलेआम धमकी थी। मृतक के परिवार ने यह जानकारी पुलिस को दी है। आचल ने मीडिया को बताया कि सक्षम और मैं एक-दूसरे से बहुत प्यार करते थे।





लेकिन, मेरे परिवार को यह मंजूर नहीं था। उन्होंने कहा कि जेल से छूटने के बाद ही सक्षम को मारने की योजना बनाई गई थी। मुझे भी धमकी दी गई थी। मेरे माता-पिता और भाइयों को फांसी पर लटका दो। यह हत्या जाति और नफरत के कारण की गई। आंचल ने कहा कि सक्षम अब नहीं रहा, लेकिन मैं अब भी उससे प्यार करती हूँ। मैं उसके घर में रहूंगी। सक्षम की माँ की शिकायत के आधार पर इतवार पुलिस ने गजानन मामीडवार समेत छह लोगों के खिलाफ हत्या और प्रताड़ना का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि सभी अभियुक्तों को महज 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया गया। आंचल की माँ, पिता और भाई, सभी हिरासत में हैं। आंचल ने गुस्से में कहा कि मेरे पिता और मेरे भाई ने मेरे सक्षम (प्रेमी) को मार डाला है। हालाँकि, वे उसे मारकर हार गए हैं, जबकि सक्षम मरकर जीत गया है। क्योंकि हमारा प्यार अभी भी जिंदा है। पूरी घटना की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि मेरा पिछले तीन साल से सक्षम के साथ प्रेम संबंध था। मेरे परिवार को यह मंजूर नहीं था। इसलिए उन्होंने उसकी इस तरह हत्या कर दी। आंचल कहती है कि हम एक-दूसरे से प्यार करते थे, लेकिन मेरे पिता को यह मंजूर नहीं था क्योंकि उनकी जाति अलग थी। वह कहते थे कि तुम किसी और से भी बात कर सकती हो, मैं तुम्हारी शादी करवा दूंगा, लेकिन उससे बात करना बंद कर दो।



### पुलिस ने क्या कहा?

एफआईआर के अनुसार, अभियुक्त की तलाश करते समय पुलिस को गा. 'पनीय सूचना मिली कि वह अपराध को अंजाम देकर परभणी के मानवत में अपने रिश्तेदारों के पास रहने चला गया है। पुलिस के मुताबिक, गजानन मामीडवार (उम्र 45) और साहिल गज. नन मामीडवार (उम्र 25) ने मिलीभगत और साजिश के तहत अपराध करने की बात कबूल कर ली है। नांदेड़ के पुलिस उपाधीक्षक प्रशांत शिंदे के अनुसार, सक्षम ताटे की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हमने अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस ने कहा कि इस मामले में कुल छह अभियुक्त हैं। इनमें जयश्री मदनसिंह ठाकुर, गजानन बाला जीराव मामीडवार, साहिल मामीडवार, हिमेश मामीडवार, सोमेश सुभाष लके, वेदांत अशोक कुंदेकर शामिल हैं, जिन्हें

गिरफ्तार कर लिया गया है।

### आंचल और सक्षम ताटे तीन साल रिलेशनशिप में थे

नांदेड़ के रहने वाले सक्षम ताटे (22) और आंचल मामीलवाड़ (20) तीन साल से रिलेशनशिप में थे। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन सक्षम की दूसरी जाति के होने के चलते आंचल के घरवालों को रिश्ता पसंद नहीं था। साथ ही वे आंचल पर सक्षम से अलग होने का दबाव बना रहे थे। आंचल और सक्षम कोर्ट मैरिज करने की योजना बना रहे थे। जब यह बात आंचल के पिता गजानन मामीलवाड़ और भाइयों को मालूम हुई तो उन्होंने बहाने से सक्षम को मिलने बुलाया और उसे जमकर पीटा। इसके बाद उसके सीने में गोली मार दी। आरोपियों ने पत्थरों से उसका सिर भी कुचल दिया।

### प्रेमिका ने शव के समक्ष के शव के साथ निभाई विवाह की रस्में

पोस्टमार्टम के बाद सक्षम का शव उसके घर ले जाया गया। आंचल भी वहां पहुंची। वो सक्षम के शव के पास बैठकर रोती रही, इसके बाद उसने सक्षम के शव के साथ विवाह की रस्में निभाईं। आंचल ने अपने ही हाथों से सक्षम को हल्दी भी लगाई। सक्षम के हाथों से अपनी मांग भरी। आंचल ने कहा— मेरे पिता और भाइयों ने हमें अलग करना चाहा। उन्होंने उसे मार दिया, लेकिन वे हार गए और मेरा प्रेमी मरकर भी जीत गया। आंचल ने साफ कहा है कि वह अपने पिता और भाइयों को कठोर सजा दिलवाना चाहती है।



# इंडिगो संकट ने एविएशन इंडस्ट्री की सरकारी पॉलिसी पर खड़ किए सवाल!



नरेश कुमार श्रीवास्तव

पश्चिम बंगाल, दिल्ली एनसीआर, भुवनेश्वर

भारत में इंडिगो एयरलाइन संकट के चलते रद्द हुई सैकड़ों उड़ानों के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को नोटिस भेजा है। भेजे गए नोटिस में डीजीसीए ने बड़े पैमाने पर उड़ानों में आई बाधा और योजना, देख-रेख और संसाधनों के मैनेजमेंट में भारी चूक के लिए कंपनी को जिम्मेदार ठहराया। 1। बीते बुधवार को तब संकट शुरू हुआ जब इंडिगो की 150 उड़ानें रद्द हो गईं और दर्जनों उड़ानों को देरी का सामना करना पड़ा। अकेले शुक्रवार को ही 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द हुई हैं। इसकी वजह से अन्य एयरलाइंस के किराए भी आसमान छूने लगे और शनिवार को भारत सरकार ने दखल देते हुए विमान किरायों की सीमा तय कर दी। इंडिगो ने पायलटों के लिए ज्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों में बदलाव को इस संकट का कारण बताया और कहा कि कंपनी नए सिरे से रोजर में सुधार करने की कोशिशें कर रही है लेकिन इस समस्या को हल करने में कुछ दिन और लगेंगे। कंपनी ने यात्रियों को तुरंत ऑटो रिफंड की भी सुविधा शुरू करने की बात कही है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक, इन नियमों के अनुसार उड़ान सुरक्षा के लिए पायलट को 28 दिनों में 100 घंटे से अधिक काम करने की इजाजत नहीं है। उधर, रविवार को भी देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर

यात्री उड़ानों के रद्द होने या देरी के चलते काफी परेशान रहे।

## कांग्रेस ने उड्डयन क्षेत्र में मोनोपोली को इस संकट के लिए ठहराया जिम्मेदार

विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने इस समस्या के लिए उड्डयन क्षेत्र में मोनोपोली (एकाधिकार) को इस संकट के लिए जिम्मेदार ठहराया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि इंडिगो की गड़बड़ी सरकार के एकाधिकार वाले मॉडल की कीमत है। स्टैटिस्टा डेटा के मुताबिक, सितंबर 2025 तक भारतीय विमानन बाजार में इंडिगो की अकेले हिस्सेदारी तकरीबन 63 फीसदी थी जबकि टाटा ग्रुप के स्वामित्व वाले एयर इंडिया की हिस्सेदारी 13.6 फीसदी और एयर इंडिया एक्सप्रेस की 6.3 फीसदी थी।

## क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एविएशन एक्सपर्ट हर्षवर्धन ने कहा कि कुछ हद तक ये बात सही है कि एविएशन इंडस्ट्री में इंडिगो की मोनोपोली है— लगभग 65 प्रतिशत। लेकिन ये मोनोपोली एनडीए सरकार के ही समय में नहीं बनी है। उन्होंने कहा कि आज जो कुछ हो रहा है, उसमें इस मोनोपोली का बहुत बड़ा हाथ है। इसकी वजह से पूरा देश लगभग बंधक बन गया है। हमारे देश में एविएशन मार्केट काफी बड़ गया है और ऐसे में जिसके पास 65 प्रतिशत हिस्सेदारी है, अगर उस कंपनी में दिक्कत आएगी तो यह संकट पूरे मार्केट को बैठा ही देगा। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का

यातायात, खासकर हवाई यातायात किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास में अहम भूमिका निभाता है। यह अर्थव्यवस्था की नसों में बहते खून की तरह है। हर्षवर्धन ने इसके लिए सरकारी नीतियों को जिम्मेदार बताया और कहा कि इसके लिए सिर्फ एनडीए को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यूपीए की सरकार भी उतनी ही जिम्मेदार रही है।

## ये मोनोपोली कैसे पैदा हुई?

हर्षवर्धन के अनुसार समय के साथ इंडिगो बाइ डिफॉल्ट मोनोपोली पोजिशन में आ गई है। जिस समय कंपनी की शुरुआत हुई थी, बाजार में और भी एयरलाइंस थीं और काफी प्रतिस्पर्धा थी, जैसे— जेट एयरवेज, किंग. फिशर, गो एयर आदि। धीरे धीरे एक एक करके ये एयरलाइंस बंद होती गईं। स्पाइस जेट भी एक तरह से लड़खड़ाती हुई चल रही है। उन्होंने कहा कि लेकिन इसी दौरान इंडिगो अपना विस्तार करती रही और किराए की दरों का ऐसा टिकाऊ ढांचा विकसित किया जिसका मुकाबला बाकी ऑपरेटर्स नहीं कर सके। इसके अलावा एयरलाइंस के संचालन में लागत भी बढ़ती रही। लागत को लेकर जो हमारा ढांचा है, उसमें भी बाकी एयरलाइंस टिक नहीं पाईं। ये देखा जा सकता है कि जब भी तेल के दाम बढ़ते हैं तो सरकार कॉस्ट बढ़ा देती है। लेकिन जब तेल के दाम कम हुए तब भी सरकार टैक्स लगा देती है। रुपये का अवमूल्यन (डेप्रि. सिएशन) भी लगातार होता रहा। ऑपरेटर्स को ऐसे में किराए को बढ़ाने का मार्जिन मिलता नहीं है। एयरलाइन के परिचालन में 60 प्रतिशत पेमेंट विदेशी मुद्रा में होने को भी एक्सपर्ट लागत बढ़ोतरी का एक कारण मानते हैं, क्योंकि रुपये के लगातार अवमूल्यन (डेप्रिसिएशन) से यह बोझ बढ़ता जा रहा है। इन हालात में बाकी एयरलाइंस टिक नहीं सकीं और इंडिगो की मोनोपोली हो गई। हालांकि इंडिगो का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है, खासकर बाजार आधारित किराए की दरों के चलते। क्योंकि वहां वे किराया बहुत अधिक नहीं बढ़ा सकते, इससे हवा. ई यात्रा की मांग खत्म होने का डर था। हर्षवर्धन कहते हैं कि सरकार एविएशन सेक्टर में किसी भी तरह के नए निवेश को



आकर्षित करने में विफल रही है। पहले यूपीए सरकार के समय तक होता ये था कि एक ऑपरेटर बंद हुआ तो दूसरा आ जाता था। साल 2013 में इंडिगो की मार्केट हिस्सेदारी लगभग 32 प्रतिशत थी, जो अब 65 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

### मोनोपोली के क्या खतरे हैं?

उड्डयन क्षेत्र में मोनोपोली को लेकर भारत में कोई स्पष्ट नियम नहीं हैं। हर्षवर्द्धन कहते हैं कि सरकार को मोनोपोली को लेकर सख्त नियम बनाने चाहिए जहां कोई कंपनी एक सीमा तक ही जा सकती है। पहले मोनोपोली को रोकने के उपाय किए जाते थे। लेकिन अभी उन्हें खुली छूट मिल गई है। प्रतिस्पर्धा आयोग रस्मी कार्रवाई करता है लेकिन किसी गलत लाभ को रोकता नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति ही मोनोपोली के पक्ष में हो गई है और कई और सेक्टर हैं जहां ऐसा लगता है कि सरकार प्रायोजित मोनोपोलाइजेशन हो रहा है, जैसे शिपिंग सेक्टर, एयरपोर्ट्स आदि। उन्होंने

मोनोपोलाइज करने के डिजाइन पर सरकार चल रही है। सरकार इस पर कोई रोक नहीं लगा रही। मान लिया जाए कि किसी कंपनी को 200 करोड़ रुपये के निवेश की छूट है उससे ऊपर के लिए विशेष अनुमति लेनी होगी। ऐसी स्थिति में मोनोपोली से बचा जा सकता है। उन्होंने सवाल किया कि ये कैसे हुआ कि एक अकेले ऑपरेटर को इतनी छूट दी गई कि आज उसका एकाधिकार सा हो गया है। अभी स्थिति ये है कि ऑपरेटर चाहे जितना निवेश करना हो या विस्तार करना हो, कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब एकाधिकार का असर इसलिए व्यापक नहीं हो पाता क्योंकि यहां प्रतिस्पर्धात्मक किराये का बाजार आधारित ढांचा है। दूसरे, बाजार का 65 प्रतिशत हिस्सा सस्ती हवाई सेवाएं हैं और इसमें बहुत रास्ता नहीं है। मोनोपोली का सबसे बड़ा खतरा है कि अगर वो कंपनी बंद हुई तो पूरा सेक्टर ही बैठ जाएगा।

### क्या उपाय हैं?

भारत का एविएशन उद्योग सालाना 10 से 12 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जो कि

ग्रोथ है। उस हिसाब से नए निवेश को आकर्षित करना चाहिए। मौजूदा हालात से बचने के लिए हर्षवर्द्धन ने कुछ सुझाव दिए। हर्षवर्द्धन का कहना है कि मोनोपोलाइजेशन से बचने के दो रास्ते हैं। वो कहते हैं कि पहला ये कि सरकार को अपना लागत ढांचा तक संगत बनाना चाहिए। अभी बेइंतहां टैक्स है, एयरपोर्ट ऑपरेटर्स यात्रियों से तरह तरह के शुल्क ले रहे हैं। जीएसटी आदि के नाम पर भी तरह तरह के टैक्स हैं। इन सारी वजहों से इस सेक्टर पर नए निवेश नहीं आ पा रहे हैं। वो कहते हैं कि जब तक सरकार माहौल नहीं बनाएगी, नए निवेश नहीं आएंगे। उनकी दूसरी सलाह है कि बाजार हिस्सेदारी की सीमा तय की जानी चाहिए और 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए।

### मौजूदा संकट कैसे पैदा हुआ?

बीते एक नवंबर से पायलटों के ड्यूटी मानक पूर्ण रूप से लागू होने के कारण इस मामले की शुरुआत हुई। सरकार ने इसे एक साल के लिए टाल दिया था ताकि एयरलाइन अपने चालक दल की योजना बना सकें। एयरलाइन ने इसे लागू होने पर व्यापक उड़ान रद्द होने की चेतावनी दी थी। लेकिन पायलट संगठनों ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया और अप्रैल 2025 में इसे लागू करने का आदेश मिला। दिल्ली हाई कोर्ट के अप्रैल 2025 के आदेश के अनुसार, दो चरणों में इसे लागू किया जाना था। इसमें साप्ताहिक आराम के घंटे 36 से बढ़ाकर 48 घंटे करने सहित कई प्रावधान एक जुलाई से लागू कर दिए गए थे। वहीं रात के समय पायलटों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले बाकी प्रावधान एक नवंबर से लागू होने थे। इन्हीं अंतिम प्रावधानों के लागू होने के बाद से एयरलाइंस पायलटों की कमी से जूझ रही हैं। पायलटों से अपनी छुट्टियाँ रद्द करने का अनुरोध कर रही हैं। लेकिन पिछले कई वर्षों से चल रहे असंतोष के कारण पायलट सहयोग करने के मूड में नहीं हैं। डीजीसीए मानकों के तहत 13 घंटे की ड्यूटी अवधि से ज्यादा काम करना, 7,000 करोड़ के मुनाफे के बावजूद वेतन वृद्धि न होना और एयरलाइन द्वारा नए पायलट ड्यूटी मानदंडों की व्याख्या अपने हित में मोड़ने को लेकर पायलट नाराज हैं। सरकार की ओर से विमान किरायों पर कैंप लगाने के बाद इंडिगो ने शनिवार को कहा कि वह ऑपरेशन सामान्य बनाने के लिए काम कर रहा है। एयरलाइंस ने कहा है कि कैंसलेशन अब 850 से कम तक आ गई हैं।



# बिजली मंत्री ने एआईधमएल टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया



नई दिल्ली। पावर मिनिस्टर मनोहर लाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) बेस्ड एप्लिकेशन इंटेलिजेंट, कंज्यूमर-सेंट्रिक, सेल्फ-ऑप्टिमाइजिंग डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। मंत्री आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में बिजली डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर में एआई/एमएल टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर फोकस करने वाले दो दिन के नेशनल कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने वालों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एआई/एमएल बेस्ड सॉल्यूशन, स्मार्ट मीटर एनालिटिक्स, डिजिटल ट्विन्स, प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस, थैपट डिटेक्शन इंटेलिजेंस, अप्लायंस-लेवल कंज्यूमर इनसाइट्स, ऑटोमेटेड आउटटेज प्रेडिक्शन और जेनरेटिव बेस्ड डिज़ीज़न सपोर्ट कंज्यूमर एक्सपीरियंस और ऑपरेशनल एफिशिएंसी दोनों को बदल सकते हैं। श्री लाल ने नेशनल कॉन्फ्रेंस में इंडस्ट्री, राज्यों, इनोवेटर्स, एकेडेमिया और टेक्नोलॉजी पार्टनर्स की एक्टिव भागीदारी की तारीफ की। उन्होंने डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों (DISCOMs), एडवांस्ड मीटरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विस प्रोवाइडर्स (AMISPs), टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन प्रोवाइडर्स (TSPs) और होम ऑटोमेशन सॉल्यूशन प्रोवाइडर्स (HASPs) द्वारा पेश किए गए एडवांस्ड सॉल्यूशन की तारीफ की। मंत्री ने सभी वैक्यूं से इकोसिस्टम स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर काम करने को कहा ताकि स्मार्ट, भरोसेमंद और कंज्यूमर-फो. कस्ट डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम की ओर बढ़ा जा सके। उन्होंने कहा कि कंज्यूमर्स को एक्टिव रूप से जोड़ने की भी जरूरत है। नई टेक्नोलॉजी के बारे में कभी-कभी होने वाली गलत जानकारी को दूर करना और इस सेक्टर में टेक्नोलॉजी अपनाने के लिए कंज्यूमर्स का कीमती सपोर्ट जीतना

जरूरी है। श्री लाल ने कहा कि एआईधमएल बेस्ड सॉल्यूशन टेक्नोलॉजी के भरोसे को वापस लाने, घरों को अपने कंज्यूमर को बेहतर ढंग से मैनेज करने, आउटटेज होने से पहले रोकने, ईम. नदार कंज्यूमर्स को चोरी के बोझ से बचाने और डिस्कॉम्स को नुकसान कम करने, पावर खरीदने की लागत को ऑप्टिमाइज करने और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर में रीइन्वेस्ट करने में मदद करने की एक मजबूत कहानी को हाईलाइट करते हैं। कृजिससे भारत डिजिटल बिजली सुधार और फ्यूचर-रेडी ग्रिड गवर्नेंस में ग्लोबल लीडर बन जाता है। नेशनल कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, बिजली मंत्रालय के सेक्रेटरी, पंकज अग्रवाल ने डिस्कॉम्स में डिजिटलाइजेशन को मजबूत करने और एआई धमएल-बेस्ड सॉल्यूशन को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय के कमिटीमेंट पर जोर दिया, जो मेजरबल ऑपरेशनल और फाइनेंशियल सुधार देते हैं। उन्होंने कैपेसिटी बि. लिंग, सुरक्षित डेटा-शेयरिंग फ्रेमवर्क और इंटरऑपरेबिलिटी के महत्व पर जोर दिया, ताकि यह पक्का हो सके कि कॉन्फ्रेंस के दौरान दिखाए गए इनोवेशन को देश भर में बढ़ाया जा सके और पूरे देश में एनर्जी ट्रांजिशन को आसान बनाया जा सके। कॉन्फ्रेंस में इनोवेशन के लिए एक नेशनल कॉल शामिल थी, और DISCOM, MISPs, टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन प्रोवाइडर्स (TSPs), और होम ऑटोमेशन सॉल्यूशन प्रोवाइडर्स से 195 एप्लीकेशन मिले। शुरुआती स्क्रीनिंग के बाद, कॉन्फ्रेंस के पहले दिन (6 दिसंबर, 2025) को डि. टेलड जूरी इवैल्यूएशन के लिए 51 सॉल्यूशन शॉर्टलिस्ट किए गए। डि. टेलड इवैल्यूएशन के बाद, DISCOM कै. टेगरी में TNPDC (तमिलनाडु), MP ईस्ट (MP), A MISP कैटेगरी में टाटा पावर और अप्रावा, सॉल्यूशन प्रोवाइडर कैटेगरी में प्रवाह और

पलॉक एनर्जी और होम ऑटोमेशन सॉल्यूशन कैटेगरी में टाटा पावर को विनर घोषित किया गया। आज, विनर्स ने अपने प्रेजेंटेशन दिए, जिसमें तमिलनाडु द्वारा रेवेन्यू प्रोटेक्शन के लिए एडवांस्ड स्मार्ट मीटर एनालिटिक्स, MP ईस्ट द्वारा लॉस कम करने के लिए एक्यूरेट कंज्यूमर इंडेक्सिंग जैसे अलग-अलग डेटा ड्रिवन इनोवेशन पर रोशनी डाली गई। टीपी पावर प्लस और अप्रावा एनर्जी जैसे AMISPs ने बिहेविय. रल डिमांड रिस्पॉन्स और AI-बेस्ड ऑपरेशनल ऑटोमेशन दिखाया, जबकि प्रवाह और पलॉक एनर्जी जैसे टै ने यूनिफाइड रियल-टाइम ग्रिड इंटेलिजेंस और कंज्यूमर अप्लायंस एनालिटिक्स दिखाया। टाटा पावर ने एनर्जी के इस्तेमाल की मॉनिटरिंग और कंट्रोल के लिए फ्यूचरिस्टिक और यूजर-फ्रेंडली सॉल्यूशन दिखाया। विजेताओं को बिजली मंत्री ने सम्मानित किया और उन्हें राज्यों में ऐसे सॉल्यूशन को बढ़ाने के लिए प्रोत्सा. हित किया। बिजली मंत्री मनोहर लाल ने सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (CEA) द्वारा डेवलप किया गया STELLAR (स्ट्रेटेजिक एक्सपेंशन फॉर लॉन्ग टर्म लोड एडिक्वेसी एंड रेसिलिएंस) भी लॉन्च किया, जो DISCOMs को रिसोर्स एडिक्वेसी स्टडी करने और लॉन्ग टर्म एडिक्वेसी प्लान तैयार करने में मदद करेगा। साथ ही, इंडिया स्मार्ट ग्रिड फोरम (ISGF) ने AI, ML, AR/VR और रोबोटिक्स सॉल्यूशंस पर हैंडबुक और इलेक्ट्रिक यूटिलिटीज के लिए रोडमैप पेश किया, जिसमें 174 यूज केस दिखाए गए, जिनमें 45 इंडियन यूटिलिटीज के थे।

## एनएचपीसी के सीएमडी का तूफानी दौर

ने 01-03 दिसंबर 2025 तक इस इलाके में एनएचपीसी और सीवीपीपीएल के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के अपने दौरे के तहत जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में 390 मेगावाट के दुलहस्ती पावर स्टेशन का दौरा किया। दौरे के दौरान, पावर स्टेशन के हेड सुरेश कुमार ने उन्हें चल रहे ऑपरेशन और मेंटेनेंस एक्टिविटीज के साथ-साथ सालाना मेंटेनेंस कामों की तैयारियों के बारे में जानकारी दी। एनएचपीएस के सीएमडी ने पावर हाउस में सभी फंक्शनल हेड्स के साथ एक मीटिंग भी की, जहाँ उन्होंने पावर स्टेशन के ऑपरेशनल स्टेटस और चल रही एक्टिविटीज का डिटेल में रिव्यू किया। उन्होंने ऑपरेशन और मेंटेनेंस स्टाफ से बातचीत की, मुश्किल हालात में काम करने के उनके डेडिकेशन की तारीफ की रखने के लिए हिम्मत दी। उन्होंने आगे दुल डैम का दौरा किया और डैम सेपटी और मेंटेनेंस से जुड़े मामलों का रिव्यू किया।

# आरईसी को मिला प्रतिष्ठित ईटी इंफ्रा लीडरशिप अवॉर्ड



आरईसी लिमिटेड, जो बिजली मंत्रालय के तहत एक महारत्न पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और एक लीडिंग एनबीएफसी है, को 'द इकोनॉमिक टाइम्स इंफ्रा लीडरशिप अवॉर्ड्स 2025' से सम्मानित किया गया है। आरईसी को ग्रीन फाइनेंसिंग वाले बेस्ट इंफ्रा प्रोजेक्ट्स की दो कैटेगरी में उसके शानदार योगदान के लिए पहचाना गया। मुंबई मेट्रो और अनंतपुर में 500 मेगावाट का सोलर प्रोजेक्ट। यह अवॉर्ड आरईसी की ओर से कुलदीप राय, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, और देबासिस मित्रा, जनरल मैनेजर ने द इकोनॉमिक टाइम्स इंफ्रा लीडरशिप समिट एंड अवॉर्ड्स के दूसरे एडिशन में लिया। प्रोजेक्ट्स को उनके स्केल, नेशनल महत्व, एनवायरनमेंटल असर, और भारत के क्लाइमेट कमिटमेंट्स के साथ मजबूत तालमेल के लिए सराहा गया। 1) मुंबई मेट्रो लो-कार्बन अर्बन ट्रांसपोर्ट में एक बेंचमार्क सेट करने, सस्टेनेबल सिटी डेवलपमेंट में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए पहचाना गया। 2) अनंतपुर 500

मेगावाट सोलर प्रोजेक्ट रिन्यूएबल एनर्जी फाइनेंसिंग में एक बड़ी कामयाबी, जो भारत की क्लीन एनर्जी कैपेसिटी को बढ़ाने के लिए जरूरी है। ये सम्मान भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांसफॉर्मेशन को आगे बढ़ाने में आरईसी लिमिटेड की लीडरशिप को पक्का करते हैं। यह पहचान आरईसी लिमिटेड के लो-कार्बन मोबिलिटी को आगे बढ़ाने, रिन्यूएबल एनर्जी कैपेसिटी को बढ़ाने और ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर को सपोर्ट करने के पक्के कमिटमेंट को दिखाती है जो एक ग्रीन और ज्यादा मजबूत भारत में योगदान देता है। अपने इनोवेटिव फाइनेंसिंग सॉल्यूशंस के जरिए, आरईसी राष्ट्रीय महत्व के प्रोजेक्ट्स को मजबूत करना जारी रखे हुए है, जो विकसित भारत 2047 और ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी लक्ष्यों की ओर भारत के सफर में अहम भूमिका निभा रहा है।

## एनएचपीसी फरीदाबाद में द्वितीय छमाही बैठक का आयोजन

फरीदाबाद। भूपेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी तथा अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का.), फरीदाबाद की अध्यक्षता में 24 नवंबर 2025 को नराकास (का.), फरीदाबाद की वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक का आयोजन एनएचपीसी कार्यालय परिसर में किया गया। बैठक में निदेशक (कार्मिक), एनएचपीसी उत्तम लालय कार्यापालक निदेशक (मानव संसाधन) नवीन कुमार जैन, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के संयुक्त निदेशक (का.) कुमार पाल शर्मा तथा सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी उपस्थित थे। अध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि नराकास बैठकों में राजभाषा प्रगति की समीक्षा हमें कमियों को दूर करने और भविष्य की बेहतर कार्ययोजना बनाने में सहायक होती है। उन्होंने यह भी कहा कि सामूहिक प्रयासों से राजभाषा प्रयोग को और अधिक सहज, सरल और प्रभावी बनाया जा सकता है, जिससे सरकारी कार्य में हिंदी का स्वाभाविक उपयोग सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सदस्य कार्यालयों को नराकास राजभाषा शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया।



## आरईसी ने क्लासरूम बिल्डिंग के लिए ₹9.06 करोड़ प्रदान किया



कोयंबटूर। रामकृष्ण मिशन टेक्निकल कैंपस, कोयंबटूर में नई वर्कशॉप और क्लासरूम बिल्डिंग की नींव 27 नवंबर 2025 को रखी गई। आने वाले इस स्ट्रक्चर को आरईसी लिमिटेड अपने सीएसआर पहल इनिशिएटिव के तहत सहायता राशि प्रदान कर रहा है। इस समारोह में आरईसी लिमिटेड के इंडिपेंडेंट डायरेक्टर नारायणन शिरुपथी और आरईसी लिमिटेड के चीफ मैनेजर इमैनुवेल एंटनी डॉस भी मौजूद थे। 9.06 करोड़ की लागत से बन रही यह नई फैसिलिटी, टेक्निकल एजुकेशन को मजबूत करने और स्किल डेवलपमेंट को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिससे इस इलाके में युवाओं को सशक्त बनाने में और मदद मिलेगी। आने वाले समय में इस वर्कशॉप और क्लासरूम बिल्डिंग में स्टूडेंट्स के लिए बेहतर लर्निंग स्पेस, एडवांस्ड ट्रेनिंग फैसिलिटी और अपग्रेडेड एकेडमिक इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं मिलेंगी। प्रस्तुति-प्राइम स्पेक्टेटर डेस्क।

# विद्युत मंत्रालय ने किया आईईएस टास्कफोर्स का गठन



नई दिल्ली। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय ने आज पावर सेक्टर के लिए देश के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के डेवलपमेंट में तेजी लाने के लिए इंडिया एनर्जी स्टैक (आईईएस) टास्कफोर्स की मीटिंग बुलाई। आईईएस पहल, जिसे पूरी एनर्जी वैल्यू चेन के लिए एक साथ, सुरक्षित और इंटरऑपरेबल डिजिटल बैकबोन के तौर पर देखा गया है, को आरईसी लिमिटेड को नोडल एजेंसी और एफएसआर ग्लोबल को नॉलेज पार्टनर के तौर पर आगे बढ़ाया जा रहा है। आज की मीटिंग का फोकस इस पहल के दो मुख्य बुनियादी हिस्सों पर मिलकर रिव्यू और स्ट्रेटेजिक चर्चा करना था। आईईएस स्ट्रेटेजी डॉक्यूमेंट का ड्राफ्ट (वर्जन 0.1) और आईईएस आर्किटेक्चर डॉक्यूमेंट (वर्जन 0.1)। टास्कफोर्स में टेक्नोलॉजी, पावर सेक्टर और रेगुलेटरी बॉडीज के डोमेन एक्सपर्ट्स शामिल थे। डॉक्यूमेंट्स के प्रेजेंटेशन के बाद, टास्कफोर्स ने एक गहरी राउंडटेबल चर्चा की। इस बातचीत का मकसद सभी सदस्यों से हाई-लेवल स्ट्रेटेजिक गाइडेंस लेना था। बैठक में टास्कफोर्स के अध्यक्ष डॉ. राम सेवक शर्मा (यूआईडीएआई के

पूर्व महानिदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के पूर्व सीईओ)य मुख्य वास्तुकार प्रमोद वर्मा (सह-संस्थापक, एफआईडीईयू पूर्व मुख्य वास्तुकार, आधार)य उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार पुजारी (प्रतिष्ठित फेलो, एफएसआर ग्लोबल)य अध्यक्ष सीईआरसी, पूर्व सचिव विद्युत)य और सदस्यों में घनश्याम प्रसाद (अध्यक्ष, सीईए)य आलोक कुमार (डीजी, एआईडीए)य जितेंद्र श्रीवास्तव (सीएमडी, आरईसी लिमिटेड)यएस. के. सूनी (पूर्व सीएमडी, ग्रिड इंडिया)य विक्रम गंडोत्रा (अध्यक्ष, आईईएमए)य सुश्री स्वेता रवि कुमार (कार्यकारी निदेशक, एफएसआर ग्लोबल)य सुजीत नायर (सीईओ, एफआईडीईयू)य प्रिंस धवन (ईडी, आरईसी लिमिटेड)य शशांक मिश्रा (जॉइंट सेक्रेटरी (डिस्ट्रीब्यूशन), विद्युत मंत्रालय), व अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आरईसी लिमिटेड (आईईएस के लिए नोडल एजेंसी) के सीएमडी, जितेंद्र श्रीवास्तव ने कहा, "आज की मीटिंग भारत के पूरे एनर्जी सेक्टर के लिए एक यूनिफाइड, ओपन और प्यूच. र-रेडी डिजिटल बैकबोन बनाने के हमारे साझा नेशनल मकसद में एक अहम पड़ाव है। आईईएस स्ट्रेटेजी और आर्किटेक्चर डॉक्यूमेंट्स जरूरी फ्रेमवर्क हैं जिन्हें हमारे सम्मानित टास्कफोर्स मेंबर्स की मिली-जुली समझ और गाइडेंस से और बेहतर बनाया जाएगा। मिले इनपुट्स फ्रेमवर्क को मजबूत करने और रिफाइनमेंट और पायलट फेज की ओर रास्ता बनाने में मदद करेंगे। इंडिया एनर्जी स्टैक, जिसे डीपीआई के तौर पर बताया गया है, का मकसद स्टेकहोल्डर्स और एसेट्स की पहचान करना और उन्हें जोड़ना है, और एक जैसे स्पेसिफिकेशन और स्टैंडर्ड्स के जरिए ओपन डेटा एक्सचेंज को आसान बनाना है, जिससे ट्रांसपेरेंट, भरोसेमंद, सबको साथ लेकर चलने वाली, कुशल और सस्ती एनर्जी एक्सेस मिल सके। कॉमन डिजिटल प्रोटोकॉल, ओपन एपीआई और फेडरेटेड रजिस्ट्री बनाकर, आईईएस मौजूदा रुकावटों को दूर करेगा, रियल-टाइम डेटा एक्सचेंज को मुमकिन बनाएगा, और इनोवेशन को बढ़ावा देगा, जिससे आखिर में डीस्कॉम्स के लिए ऑपरेशनल एफिशिएंसी बढ़ेगी, रिन्यूएबल एनर्जी का इंटीग्रेशन तेज होगा, ग्रीन एनर्जी मार्केट्स को सपोर्ट मिलेगा, और कंज्यूमर-सेंट्रिक पावर सर्विसेज मिलेंगी। मेंबर्स ने कहा कि जो काम आधार ने पहचान के लिए और यूपीआई ने डिजिटल पेमेंट्स के लिए किया, वही काम आईईएस पावर सेक्टर के लिए करेगा। इस मीटिंग में टास्कफोर्स के सदस्यों से मिली गाइडेंस और इनपुट, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और आगे के स्टेप्स को आकार देने में मददगार होंगे, जिसमें डॉक्यूमेंट्स को बेहतर बनाना और पहल के पायलट फेज की शुरुआत शामिल है। प्रोजेक्ट की समय पर प्रोग्रेस और अलाइनमेंट पक्का करने के लिए टास्कफोर्स की मीटिंग अब हर महीने होंगी। इंडिया एनर्जी स्टैक (आईईएस) प्रोजेक्ट

जुलाई 2026 तक पूरा होने वाला है।

## एसजेवीएन का राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

शिमला। एसजेवीएन ने अपने कारपोरेट मुख्यालय, शिमला में हिमाचल प्रदेश के स्कूली विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के स्पीकर, कुलदीप सिंह पठानिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता की। एसजेवीएन के निदेशक(कार्मिक)अजय कुमार शर्मा ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्पीकर का हार्दिक स्वागत किया। प्रदर्शनी गैलरी के निरीक्षण के दौरान, स्पीकर ने पुरस्कार प्राप्त करने वाली पेंटिंग्स का अवलोकन किया और ऊर्जा संरक्षण से संबंध विषयों को प्रदर्शित करने में विद्यार्थियों की अप्रतिम क्रिएटिविटी के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने स्थायी ऊर्जा प्रथाओं के संबंध में जागरूकता बढ़ाने में विद्यार्थियों, अध्यापकों, अभिभावकों और एसजेवीएन द्वारा किए गए संयुक्त प्रयासों की भी सराहना की। इस अवसर पर, अजय कुमार शर्मा ने अवगत करवाया कि विद्युत मंत्रालय के तहत, एसजेवीएन ने स्कूल और राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन करने में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, राज्य सरकार, राज्य शिक्षा विभाग, और अन्य एजेंसियों के साथ प्रभावी सहभागिता की है। वर्ष 2005 से हिमाचल प्रदेश के लिए नोडल एजेंसी के रूप में, ऊर्जा संरक्षण पर राष्ट्रीय अभियान को आगे बढ़ाने और प्रारंभ से ही स्थायी प्रथाओं की संस्कृति को बढ़ावा देने में एसजेवीएन अहम भूमिका निभा रहा है। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान, स्पीकर ने ग्रुप ए (कक्षा 5वीं-7वीं) और ग्रुप बी (कक्षा 8वीं-10वीं) दोनों के लिए 50,000/- रुपये, 30,000/- रुपये, और 20,000/- रुपये के क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए। प्रत्येक श्रेणी में 7,500/- रुपये के दस प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए। सभी प्रतिभागियों ने मोमेंटो, 2,000/- रुपये की प्रतिभागिता राशि और स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एलईडी बल्ब प्राप्त किए। अभियान के पहले चरण, स्कूल स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में, इस वर्ष हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों के 4825 स्कूलों के 2,23,917 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। इनमें से, दूसरे चरण के लिए प्रत्येक श्रेणी से 55 सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग्स को एक विख्यात निर्णायक समिति (जुरी) ने राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए चयनित किया। तीसरे और अंतिम चरण में, दोनों श्रेणियों में राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता स्टेट के प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार विजेता दिनांक 11 दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर की पेंटिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय स्तर की पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस अर्थात् दिनांक 14 दिसंबर, 2025 को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा, जहां विजेताओं को भारत के माननीय राष्ट्रपति सम्मानित करेंगी।

प्रस्तुति-प्राइम स्पेक्टरेटर डेस्क.

## आरईसी और मेघालय सरकार के बीच ऐतिहासिक समझौता पर सफलतापूर्वक मध्यस्थता



नई दिल्ली। आरईसी लिमिटेड, विद्युत मंत्रालय के तहत महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम और अग्रणी एनबीएफसी, ने मेघालय विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एमईपीडीसीएल) और केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) की सफलतापूर्वक मध्यस्थता की है। एमईपीडीसीएल और सीपीआरआई द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर मेघालय के मुख्य सचिव डॉ. शकील पी. अहमद, आरईसी के सीएमडी जितेंद्र श्रीवास्तव, सीपीआरआई की महानिदेशक डॉ. जे. श्रीदेवी, आरईसी के ईडी प्रिंस धवन, आरईसी के सीपीएम गुवाहाटी शुभेंद्र रॉय और एमईपीडीसीएल, सीपीआरआई और आरईसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किए गए। यह रणनीतिक साझेदारी मेघालय और पूरे पूर्वोत्तर भारत में, विशेष रूप से प्रमुख पुनर्विकसित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत, बिजली वितरण बुनियादी ढांचे के लिए गुणवत्ता आश्वासन तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सहयोग की मुख्य विशेषताएँ एनबीएल मान्यता

लक्ष्य समझौता ज्ञापन का प्राथमिक उद्देश्य मेघालय में एक एनबीएल-मान्यता प्राप्त परीक्षण सुविधा स्थापित करना है, जो दूरस्थ प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता परीक्षण के लिए सामग्री भेजने में उत्तर पूर्वी राज्यों के सामने आने वाली महत्वपूर्ण रसद चुनौतियों और देरी का समाधान करेगी। सीपीआरआई का तकनीकी नेतृत्व: विद्युत क्षेत्र का एक प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संगठन, सीपीआरआई, व्यापक परामर्श और तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। इसमें खरीद के लिए विस्तृत विनिर्देश तैयार करना, दस्तावेजीकरण का मार्गदर्शन करना और यह सुनिश्चित करने के लिए पर्यवेक्षी सहायता प्रदान करना शामिल है कि एमईपीडीसीएल की सुविधा एनबीएल निरीक्षण के लिए पूरी तरह से सुसज्जित और तैयार है। आरईसी लिमिटेड की मध्यस्थता और सहायता आरडीएसएस के लिए नोडल एजेंसी के रूप में, आरईसी लिमिटेड ने इस समझौते की मध्यस्थता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे सख्त गुणवत्ता नियंत्रण और योजना परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और मजबूत हुई। एनबीएल-मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला की स्थानीय उपलब्धता से फील्ड मैटेरियल क्वालिटी टेस्टिंग एंड इंस्पेक्शन (एफएमक्यूआई) प्रक्रिया में उल्लेखनीय तेजी आने की उम्मीद है, जो पहले लंबी दूरी तक वितरण ट्रांसफार्मर (डीटीआर) जैसे भारी उपकरणों के परिवहन की आवश्यकता के कारण विलंबित हो जाती थी। स्थानीय क्षमता में वृद्धि: एमईपीडीसीएल आवश्यक परीक्षण उपकरण (एचवी परीक्षण बेंच और आवृत्ति मीटर जैसे विशिष्ट उपकरणों सहित) उपलब्ध कराएगा, मौजूदा परिसंपत्तियों का अंशांकन करेगा और सुविधा तैयार करेगा।

## आरईसी ने फ्यूचर ऑफ लीगल एंड कॉम्प्लायंस समिट अवार्ड्स 2025 में अपनी चमक बिखेरी

आरईसी लिमिटेड, विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम और अग्रणी एनबीएफसी, 14 नवंबर, 2025 को आयोजित फ्यूचर ऑफ लीगल एंड कॉम्प्लायंस समिट एंड अवार्ड्स 2025 के प्रतिष्ठित 7वें संस्करण में कानूनी और अनुपालन उत्कृष्टता में अग्रणी के रूप में उभरा है। प्रगतिशील, तकनीक-संचालित वातावरण में नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, आरईसी ने तीन प्रतिष्ठित श्रेणियों में शीर्ष सम्मान प्राप्त किया: सर्वश्रेष्ठ कानूनी प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन, वर्ष का अनुपालन नवाचार और वर्ष की अनुपालन टीम शामिल है। आरईसी के प्रतिनिधियों दिनेश कौशिक (जीएम), राजेश्वर वलाबोजू (डीजीएम) और चंद्र मोहन शर्मा (डीजीएम) ने संगठन की ओर से पुरस्कार स्वीकार किए। ये मान्यताएं कानूनी और अनुपालन क्षेत्र में विचार नेता के रूप में आरईसी की स्थिति को और मजबूत करती हैं, क्योंकि संगठन प्रौद्योगिकी एकीकरण, रणनीतिक नवाचार और मजबूत शासन ढांचे के माध्यम से नए उद्योग मानक स्थापित करना जारी रखता है।



## एमईपीडीसीएल और सीपीआरआई के बीच ऐतिहासिक समझौता

आरईसी लिमिटेड, विद्युत मंत्रालय के तहत महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम और अग्रणी एनबीएफसी, ने मेघालय विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एमईपीडीसीएल) और केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) की सफलतापूर्वक मध्यस्थता की है। एमईपीडीसीएल और सीपीआरआई द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर मेघालय के मुख्य सचिव डॉ. शकील पी. अहमद, आरईसी के सीएमडी जितेंद्र श्रीवास्तव, सीपीआरआई की महानिदेशक डॉ. जे. श्रीदेवी, आरईसी के ईडी प्रिंस धवन, आरईसी के सीपीएम गुवाहाटी शुभेंद्र रॉय और एमईपीडीसीएल, सीपीआरआई और आरईसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किए गए। यह रणनीतिक साझेदारी मेघालय और पूरे पूर्वोत्तर भारत में, विशेष रूप से प्रमुख पुनर्विकसित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत, बिजली वितरण बुनियादी ढांचे के लिए गुणवत्ता आश्वासन तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सहयोग की मुख्य विशेषताएँ एनबीएल मान्यता लक्ष्य समझौता ज्ञापन का प्राथमिक उद्देश्य मेघालय में एक एनबीएल-मान्यता प्राप्त परीक्षण सुविधा स्थापित करना है, जो दूरस्थ प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता परीक्षण के लिए सामग्री भेजने में उत्तर पूर्वी राज्यों के सामने आने वाली महत्वपूर्ण रसद चुनौतियों और देरी का समाधान करेगी। सीपीआरआई का तकनीकी नेतृत्व: विद्युत क्षेत्र का एक प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संगठन, सीपीआरआई, व्यापक परामर्श और तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। इसमें खरीद के लिए विस्तृत विनिर्देश तैयार करना, दस्तावेजीकरण का मार्गदर्शन करना और यह सुनिश्चित करने के लिए पर्यवेक्षी सहायता प्रदान करना शामिल है कि एमईपीडीसीएल की सुविधा एनबीएल निरीक्षण के लिए पूरी तरह से सुसज्जित और तैयार है।

# एसजेवीएन के बक्सर थर्मल पावर परियोजना की 660 मेगावाट का वाणिज्यिक प्रचालन हासिल



शिमला। एसजेवीएन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भूपेन्द्र गुप्ता ने अवगत करवाया कि एसजेवीएन ने आज 1320 मेगावाट (2×660 मेगावाट) बक्सर ताप विद्युत परियोजना की यूनिट-1 (660 मेगावाट) की वाणिज्यिक प्रचालन तिथि (सीओडी) सफलतापूर्वक हासिल कर ली है, जो राष्ट्र की विद्युत उत्पादन क्षमता को सुदृढ़ करने की दिशा में कंपनी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। श्री गुप्ता ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए समस्त कर्मचारियों को बधाई दी और कहा कि यह सफलता न केवल एसजेवीएन की तकनीकी उत्कृष्टता को दर्शाती है, अपितु कर्मचारियों, ठेकेदारों और सभी हितधारकों के समर्पण और समन्वित प्रयासों को भी दर्शाती है। अजय कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक) ने सभी संबंधित टीमों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की तथा इस बात पर बल दिया कि यह उपलब्धि एसजेवीएन के दक्ष निष्पादन एवं उच्च-गुणवत्तापूर्ण परियोजना वितरण के प्रति समर्पण का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि एसजेवीएन की मजबूत संगठनात्मक क्षमताओं एवं टीम वर्क का प्रमाण है। इस मौके पर सिपन कुमार गर्ग, निदेशक (वित्त) ने कहा कि यूनिट-1 के कमीशन होने से एसजेवीएन का विद्युत उत्पादन पोर्टफोलियो और अधिक सुदृढ़ होगा तथा भारत के सतत ऊर्जा विकास में योगदान देने वाली विविधमुखी ऊर्जा कंपनी के रूप में इसकी स्थिति मजबूत होगी। बिहार के बक्सर जिले के चौसा में स्थित 1320 मेगावाट (2×660 मेगावाट) बक्सर ताप विद्युत परियोजना का निष्पादन एसजेवीएन की पूर्ण स्वामित्व वाली अधीनस्थ कंपनी एसजेवीएन थर्मल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 22 अगस्त 2025 को परियोजना की 660 मेगावाट की प्रथम

यूनिट का उद्घाटन वर्चुअल माध्यम से किया। अत्याधुनिक सुपरक्रिटिकल तकनीक से सुसज्जित यह परियोजना उच्च दक्षता और कम पर्यावरणीय प्रभाव सुनिश्चित करती है। इस परियोजना से प्रतिवर्ष 9,828.72 मि.यू. विद्युत का उत्पादन होगा, जिसमें से 85: विद्युत दीर्घकालिक विद्युत क्रय करार के अंतर्गत बिहार को आबंटित की गई है। यह परियोजना बिहार तथा पूर्वी क्षेत्र में विद्युत की उपलब्धता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी, व्यस्ततम समय में विद्युत की कमी को कम करेगी तथा ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करेगी।

## एनएचपीसी के 50 वर्ष पूरे, 50 रुपये का एक स्मारक सिक्का जारी



नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने 6 नवंबर 2025 को नई दिल्ली में एनएचपीसी के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 50 रुपये का एक स्मारक सिक्का जारी किया। इस अवसर पर भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय में सचिव (विद्युत) पंकज अग्रवाल, एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भूपेन्द्र गुप्ता और एनएचपीसी के निदेशक (कार्मिक) उत्तम लाल भी उपस्थित थे। विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत भारत की प्रमुख जलविद्युत नवरत्न कंपनी, एनएचपीसी लिमिटेड, 7 नवंबर 2025 को अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे करने के अवसर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रही है। इस अवसर पर एनएचपीसी लिमिटेड को बधाई देते हुए, माननीय केंद्रीय विद्युत, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा स्मारक सिक्के का जारी होना एनएचपीसी की विरस्थायी विरासत और भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता में इसके रणनीतिक योगदान की

मान्यता है। यह स्मारक सिक्का राष्ट्र के प्रति इसके लचीलेपन, नवाचार और सेवा की उल्लेखनीय यात्रा का सम्मान करता है। केंद्रीय विद्युत, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री ने एक विशेष प्रकाशन, "छोटा भीम और बड़ा बांध" नामक एक कॉमिक बुक का भी विमोचन किया, जो 'छोटा भीम' और उसके सहायक पात्रों पर आधारित है। इस कॉमिक बुक का उद्देश्य बच्चों और आम जनता को आकर्षक कहानियों और जीवंत चित्रों के माध्यम से जलविद्युत के महत्व और लाभों का संदेश देना है। इस ऐतिहासिक अवसर पर, एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, भूपेन्द्र गुप्ता ने केंद्रीय विद्युत, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री के बहुमूल्य मार्गदर्शन और सहयोग के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्युत मंत्रालय को उनके निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने आगे कहा कि एनएचपीसी की स्वर्ण जयंती के अवसर पर भारत सरकार द्वारा ₹50 का स्मारक सिक्का जारी करना, संगठन की शानदार यात्रा और देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में इसके महत्वपूर्ण योगदान के प्रति एक श्रद्धांजलि है। यह ऐतिहासिक पहल न केवल एनएचपीसी की असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देती है, बल्कि आने वाले वर्षों में निरंतर उत्कृष्टता के लिए प्रेरणा का एक स्थायी स्रोत भी है। पिछले पाँच दशकों में, एनएचपीसी ने कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में ऐतिहासिक जलविद्युत परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया है, साथ ही सौर, पवन और हरित हाइड्रोजन ऊर्जा में विविधता लाते हुए, एक हरित ऊर्जा कंपनी के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़ किया है। 30 विद्युत संयंत्रों से 8,333 मेगावाट से अधिक की स्थापित क्षमता और निर्माणाधीन 9704 मेगावाट से अधिक की संयुक्त क्षमता वाली 14 अतिरिक्त परियोजनाओं के साथ, एनएचपीसी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा की ओर राष्ट्र के परिवर्तन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रस्तुति-प्राइम स्पेक्टेटर डेस्क.

# पंचकूला शहर को मॉडल शहर के रूप में विकसित करना सरकार की प्राथमिकता : नायब सिंह सैनी



नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंचकूला शहर को आधुनिक शहरी सुविधाओं से सुसज्जित एक मॉडल शहर के रूप में विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण (पीएमडीए) द्वारा शहर के ढांचागत विकास के साथ-साथ अन्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को पंचकूला के समग्र विकास, स्वच्छता और बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री वीरवार देर सांय पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण (पीएमडीए) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उन्होंने पंचकूला के समग्र विकास, स्वच्छता और बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए।

## शहर में गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और सुगम सड़क नेटवर्क विकसित किया जाए

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शहर की सभी सड़कों की स्थिति बेहतर होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर सड़कें क्षतिग्रस्त हैं या मरम्मत की आवश्यकता है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तुरंत ठीक किया जाए। पूरे शहर में गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और सुगम सड़क नेटवर्क विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पंचकूला में स्वच्छता

पर विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने शहर के पार्कों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों के सौंदर्यीकरण पर जोर देते हुए फुटपाथों की मरम्मत व रखरखाव तथा सड़कों की गुणवत्ता सुधार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि कहीं आवारा पशुओं की समस्या है, तो उसका तत्काल समाधान किया जाए। शहर के चौक-चौराहों को आकर्षक व सुव्यवस्थित बनाने पर भी बल दिया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि पंचकूला क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कौशल्या डैम से पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण को नई दिशा देने के लिए चौकचौराहों, ग्रीन बेल्ट और पार्कों पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके तहत विभिन्न किस्मों के आकर्षक फूलों का रोपण कर सार्वजनिक स्थानों को अधिक मनमोहक बनाया जाए। साथ ही, ग्रीन बेल्ट की सुंदरता बढ़ाने के लिए नियमित रूप से पौधों की देखभाल और

पेड़ों की छंटाई की जानी चाहिए, जिससे न केवल शहर का सौंदर्य निखरेगा बल्कि नागरिकों को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण भी प्राप्त होगा।

## 45.14 करोड़ रुपये की लागत से शहर में विकास कार्य प्रगति पर

बैठक के दौरान पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण (पीएमडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. मकरंद पांडुरंग ने जानकारी दी कि सेक्टर 32, पंचकूला में वर्ल्ड क्लास शूटिंग रेंज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए 173.48 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है और आगामी प्रक्रियाएं जल्द पूरी की जाएंगी। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि पीएमडीए को 58 सड़कें, 11 पार्कों, 3 वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और 3 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट हेंडओवर किए गए थे। सड़कों की मरम्मत, पार्कों का सौंदर्यीकरण और समुचित ड्रेनेज व्यवस्था से संबंधित 34.94 करोड़ रुपये की लागत से 39 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, जबकि 45.14 करोड़ रुपये की लागत के 59 कार्य वर्तमान में प्रगति पर हैं। बैठक में एमडीसी सेक्टर-1 में प्रस्तावित 'अटल पार्क' पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ए.के. सिंह, पंचकूला के उपायुक्त सतपाल शर्मा, पीएमडीए के अतिरिक्त सीईओ विनय कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। प्रस्तुति-प्राइम स्पेक्टर डेस्क.



# मध्यप्रदेश बना भारत का फूड-बास्केट, कृषि विकास में रचा नया इतिहास



## श्वेतांक बर्मा मध्य प्रदेश ब्यूरो प्रमुख

भोपाल। कभी बीमारू राज्य और विकास की दौड़ में पिछड़ा माना जाने वाला मध्यप्रदेश आज आत्मनिर्भरता, कृषि समृद्धि और तीव्र आर्थिक विकास का प्रतीक बन चुका है। यह परिवर्तन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व, सरकार की योजनाबद्ध नीतियों और किसानों की अटूट मेहनत का परिणाम है। मध्यप्रदेश अब न केवल विकास दर में अग्रणी है, बल्कि खाद्यान्न उत्पादन में भी देश में नई पहचान बना चुका है। यही कारण है कि भारत का हृदय प्रदेश अब देश का नया फूड-बास्केट कहलाने लगा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कहना है कि मध्यप्रदेश ने कृषि और उससे सम्बद्ध क्षेत्रों में जो आशातीत प्रगति की है, उसमें हमारे अन्नदाताओं की महती भूमिका है। बीते वर्षों में मध्यप्रदेश ने कृषि उत्पादन, सिंचाई विस्तार और किसानों की आय वृद्धि के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर देश का नया फूड बास्केट

बनने का गौरव प्राप्त किया है। राज्य की विकास दर अब डबल डिजिट में पहुंच चुकी है, जिसमें कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों का सबसे बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने का संकल्प लिया है। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, पर्याप्त बिजली आपूर्ति, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी, भावांतर भुगतान योजना और कृषि यंत्रीकरण ने किसानों से जीवन में खुशहाली आ रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आज मध्यप्रदेश गेहूं, चना, मसूर, सोया. बीन और तिलहन उत्पादन में देश में अग्रणी बन चुका है। पंजाब और हरियाणा जैसे परम्परागत कृषि सम्पन्न राज्यों को कई फसलों के उत्पादन में पीछे छोड़ना राज्य के किसानों की मेहनत और सरकार की संवेदनशील नीतियों का ही परिणाम है। हमने कृषि के साथ-साथ डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्रों में भी राज्य ने नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोजेक्ट (ODOP), एगो एंड फूड प्रोसेसिंग इकाइयां और कोल्ड स्टोरेज

चेन जैसे अनेक कदम किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य दिलाने में मददगार सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है — हर खेत तक पानी, हर किसान तक प्रगति और हर घर तक समृद्धि। मध्यप्रदेश का किसान अब सिर्फ अन्नदाता नहीं, बल्कि खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत का निर्माणकर्ता बन चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और राज्य के पूरे कृषि अमले को इस राष्ट्रीय उपलब्धि की ओर बढ़ने के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश देश की खाद्य सुरक्षा को सशक्त करेगा, बल्कि वैश्विक कृषि मानचित्र पर भी अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा।

## कृषि समृद्ध प्रदेश बनने की कहानी

कभी सीमित सिंचाई साधनों, अस्थिर बिजली आपूर्ति और अपर्याप्त अवसंरचना के कारण मध्यप्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था घाटे में चल रही थी। किसानों की आमदनी सीमित थी और ग्रामीण जीवन में भी कछ कठिनाइयां थीं। परंतु बीते दो



दशकों में परिदृश्य पूरी तरह बदल गया है। सरकार ने कृषि और ग्रामीण विकास को अपनी नीतियों के केंद्र में रखकर जो कार्य किया, उसने राज्य की तस्वीर ही बदल दी। हाल ही में हुए आर्थिक सर्वेक्षण में मध्यप्रदेश ने 24 प्रतिशत की विकास दर दर्ज की है, जो राष्ट्रीय विक.।स औसत से कहीं अधिक है। यह प्रगति बताती है कि मध्यप्रदेश अब आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

**कृषि विकास में आई नई क्रांति**  
मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा विकास कृषि क्षेत्र में देखा गया है। बीते वर्षों में राज्य सरकार ने कृषि को सिर्फ आजीविका का साधन नहीं, बल्कि समृद्धि का आधार बनाने का संकल्प लिया। किसानों

को फसल उत्पादन की लागत में राहत देने, खेती को लाभकारी बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं लागू की गईं। कृषक कल्याण मिशन के जरिए किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सभी जतन किए जा रहे हैं। भावांतर भुगतान योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर फसल खरीदी और इस खरीदी पर बोनस राशि भी देने जैसे प्रयासों ने किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है। इसके अलावा उन्नत कृषि उपकरणों पर सब्सिडी और प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने की कोशिशों ने भी खेती-किसानी को और अधिक

रुचिकर, उत्पादक और टिकाऊ बनाया है। राज्य में सिंचाई सुविधाओं का खेत तक विस्तार भी एक मील का पत्थर साबित हुआ है। नर्मदा घाटी विकास परियोजना, पार्वती-कालीसिंध-चं. बल नदियों को आपस में जोड़ने और केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी लिंक जैसी परियोजनाओं से लाखों हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को सिंचाई सुविधा के दायरे में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति के सुदृढ़ीकरण से रबी सीजन में फसलों की उत्पादन क्षमता कई गुना बढ़ गई है।

**खेती-किसानी की बदलती परिभाषा**





मध्यप्रदेश के किसान अब पारम्परिक खेती तक सीमित नहीं हैं। वे नई तकनीकों और आधुनिक कृषि पद्धतियाँ को अपनाकर उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सुधार ला रहे हैं। ड्रिप इरिगेशन, ऑर्गेनिक फार्मिंग, मल्टीक्रॉपिंग और फसल विविधीकरण जैसे नवाचारों ने कृषि को एक व्यावसायिक रूप दिया है। प्रदेश में कृषि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान केंद्रों और कृषि विज्ञान केंद्रों की सक्रिय भूमिका ने किसानों को नवीनतम जानकारी सहित प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया है। अब किसान बाजार की मांग के अनुसार फसलें पैदा कर रहे हैं और निर्यात की दिशा में भी कदम बढ़ा रहे हैं।

### खाद्यान्न उत्पादन में नया इतिहास

आज मध्यप्रदेश गेहूँ, धान, चना, मसूर, सरसों और सोयाबीन जैसी फसलों के उत्पादन में अग्रणी राज्यों में शामिल है। राज्य के कृषि विभाग के अनुमान के अनुसार, बीते वर्षों में प्रदेश का अनाज उत्पादन लगभग दोगुना हो गया है। गेहूँ उत्पादन में मध्यप्रदेश अब देश का सबसे बड़ा गेहूँ उत्पादक राज्य बन चुका है। उत्पादन और गुणवत्ता दोनों ही स्तरों पर राज्य ने पंजाब और हरियाणा जैसे कृषि संपन्न राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। दलहन और तिलहन उत्पादन जैसे चना, मसूर और सोयाबीन की पैदावार ने किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि

की है। मध्यप्रदेश अब देश के कुल चना उत्पादन में लगभग 30 प्रतिशत योगदान देता है।

### धान उत्पादन

धान की फसल उत्पादन मामले में भी राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। बालाघाट, बैतूल, मंडला, सिवनी और डिंडोरी जैसे जिले अब धान की नई मंडियां बन गए हैं। यहीं से देश के विभिन्न हिस्सों में खाद्यान्नों की आपूर्ति होती है।

### किसानों की समृद्धि से ग्रामीण विकास

कृषि एवं इससे सम्बद्ध क्षेत्रों में आमूलचूल प्रगति ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई जान फूंक दी है। गांवों में रोजगार के नए अवसर बढ़े हैं, कृषि-आधारित उद्योगों का विकास हुआ है और युवाओं में खेती को लेकर नया उत्साह पैदा हुआ है। जहां पहले खेती घाटे का सौदा मानी जाती थी, वहीं आज यह आत्मनिर्भरता और समृद्धि का प्रतीक बन चुकी है। कृषि उपज मंडियों का डिजिटलीकरण, म-छाड़ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन बिक्री की सुविधा और मूल्य पारदर्शिता ने किसानों को बाजार की बेहतर समझ विकसित कर समुचित कीमत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

### कृषि से औद्योगिक विकास तक

मध्यप्रदेश की तेज कृषि विकास दर देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि आने

वाले वर्षों में मध्यप्रदेश कृषि आधारित उद्योगों और एग्रो प्रोसेसिंग का केंद्र बनने जा रहा है। राज्य में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, कोल्ड स्टोरेज और लॉजिस्टिक हब के निर्माण से कृषि उत्पादों के निर्यात की संभावना बढ़ेगी। सरकार की वन डिस्ट्रिक्ट श्वन प्रोडक्ट्स (वूड्स) योजना भी इस दिशा में मददगार सिद्ध हो रही है। यह किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में तो कारगर है ही, ग्रामीण रोजगार को भी यह योजना स्थायी बना रही है।

### नया मध्यप्रदेश, नया आत्मविश्वास

मध्यप्रदेश आज बड़े आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। अब यह राज्य विकास के नए अध्याय लिख रहा है। गांव से शहर तक, खेत से बाजार तक, फार्म टू लैब हर जगह परिवर्तन की एक नई लहर महसूस की जा रही है। प्रदेश के किसान अब सिर्फ अन्नदाता नहीं रहे, बल्कि "राष्ट्र निर्माता" और ऊर्जादाता भी बन रहे हैं। किसानों को उनके खेत में सोलर पम्प लगाने के लिये अनुदान योजना प्रारंभ की गई है। किसानों के परिश्रम और सरकार की किसान हितैषी संवेदनशील नीतियों ने मध्यप्रदेश को उस ऊंचाई पर पहुंचा दिया है, जिसकी कल्पना भी कभी दूर की कौड़ी लगती थी।

# बिहार चुनाव में चला मोदी और नीतीश का जादू



**एनडीएम गठबंधन को 202 सीटें मिली, इससे बीजेपी को सबसे ज्यादा, बीजेपी मुख्यालय पर मना जश्न**

बिहार। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने इस बार साबित कर दिया है कि बिहार की जनता पर अब भी मोदी और नीतीश का जादू सिर चढ़ कर बोल रहा है। हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना के बाद सभी 243 सीटों के नतीजे जारी हो गए हैं। चुनाव परिणाम में नीतीश कुमार के एनडीएम को 202 और तेजस्वी यादव के महागठबंधन को 35 सीटों पर जीत मिली है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआ. ईएम ने 5 और मायावती की बीएसपी ने 1 सीट जीती है। दोनों गठबंधन के पार्टी की लिस्ट देखें तो एनडीएम में बीजे. पी को 89, जेडीयू को 85, एलजेपी-आर को 19, एचएएम को 5 और आरएलएम को 4 सीट मिली है। महागठबंधन में आ. रजेडी 25, कांग्रेस 6, सीपीआई-एमएल 2, सीपीएम और आईआईपी 1-1 सीट जीती है।

**नीतीश कुमार ने जनता-जनार्दन के प्रति आभार प्रकट किया**

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीएम

को प्रचंड जीत मिली। इस पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी सम्मानित मतदाताओं को नमन करते हुए हृदय से आभार एवं धन्यवाद दिया। बिहार चुनाव 2025 में भारी बहुमत देने के लिए राज्य के सम्मानित मतदाताओं को मेरा हृदय से आभार और धन्यवाद

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राज्यवासियों ने हमें भारी बहुमत देकर हमारी सरकार के प्रति विश्वास जताया है। इसके लिए राज्य के सभी सम्मानित मतदाताओं को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद। प्रधानमंत्री मोदी को उनसे मिले सहयोग के लिए उनका नमन करते हुए हृदय से आभार एवं धन्यवाद। इस भारी जीत के लिए एनडीएम गठबंधन के सभी साथिया. चिराग पासवान, जीतन राम मांझी एवं उपेंद्र कुशवाहा को भी धन्यवाद। उन्होंने आगे लिखा कि एनडीएम गठबंधन ने इस चुनाव में पूरी एकजुटता दिखाते हुए भारी बहुमत हासिल किया है। इस भारी जीत के लिए एनडीएम गठबंधन के सभी साथियों, चिराग पासवान, जीतन

राम मांझी एवं उपेंद्र कुशवाहा को भी धन्यवाद एवं आभार। आप सबके सहयोग से बिहार और आगे बढ़ेगा तथा बिहार देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा। बिहार की जनता द्वारा एनडीएम को दिए गए प्रचंड बहुमत के लिए मैं उन्हें हृदय से धन्यवाद और बधाई देता हूँ। वहीं, केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने एनडीएम की जीत पर कहा कि बिहार की जनता ने जिस तरह से एनडीएम को प्रचंड बहुमत दिया है और अगले पांच साल बिहार को विकास की ओर ले जाने का फैसला किया है, उसके लिए मैं विशेष रूप से उन्हें धन्यवाद और बधाई देता हूँ। बिहार में डबल इंजन सरकार को मजबूत समर्थन मिला है, और प्रधानमंत्री मोदी व सीएम नीतीश अगले पांच साल राज्य को विकास की ओर ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में डबल इंजन सरकार को मजबूत करने का ऐसा क्षण आ गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार अगले पांच साल बिहार को विकास की ओर ले जाने का काम करेंगे। यह उन लोगों को जवाब है जो मुख्यमंत्री नीतीश



कुमार के स्वास्थ्य, एनडीए के कार्यकाल, जंगलराज के होने या न होने और प्रधानमंत्री की प्राथमिकता में बिहार कितना है, इस पर सवाल उठाते थे। पांच दलों का यह गठबंधन एक विजयी संयोजन है। मुझे विश्वास है कि एनडीए की डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में बिहार का सुशासन और विकास नई गति के साथ आगे बढ़ेगा। एस जयशंकर विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "बिहार की जनता का एनडीए को ऐतिहासिक जनादेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, बिहार भाजपा और बिहार में हमारे एनडीए सहयोगियों को इस जीत पर बधाई। मुझे विश्वास है कि एनडीए की डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में बिहार का सुशासन और विकास नई गति के साथ आगे बढ़ेगा।

### बिहार में कट्टा सरकार की वापसी अब कभी नहीं : मोदी

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और कहा कि यह जनादेश बिहार की नई सोच और विकास के प्रति विश्वास की जीत है। उन्होंने साफ कहा कि अब बिहार में कट्टा सरकार कभी वापस नहीं आएगी। जनता ने बंपर वोटिंग

कर विकास के मॉडल को चुना है। प्रधानमंत्री मोदी ने याद दिलाया कि चुनाव प्रचार के दौरान जब उन्होंने जंगलराज और कट्टा राज का मुद्दा उठाया था, तब आरजेडी ने चुप्पी साध ली थी, लेकिन कांग्रेस आहत हो गई थी। उन्होंने कहा कि आज का परिणाम बता रहा है कि बिहार ने स्पष्ट कर दिया है कि कट्टा संस्कृति की वापसी नामुमकिन है। बिहार ने विकसित और समृद्ध भविष्य के लिए वोट दिया है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने विजय को जनविश्वास की जीत बताया। उन्होंने कहा कि ये प्रचंड जीत, ये अटूट विश्वास, बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया है। हम तो जनता के सेवक हैं, जनता-जनार्दन ने दिल खोल कर आशीर्वाद दिया है। इसलिए आज बिहार ने फिर कह दिया फिर एक बार एनडीए सरकार। पीएम मोदी के अनुसार यह जीत 2010 के बाद एनडीए को मिला सबसे बड़ा जनादेश है। उन्होंने बिहार की जनता को नमन करते हुए कहा कि यह जनादेश विकास, सुशासन और स्थिरता की जीत है। पीएम मोदी ने विपक्ष द्वारा प्रचारित पुराने डल (मुस्लिम-या. दव) फार्मूले पर प्रहार करते हुए कहा कि इस चुनाव ने इसे ध्वस्त कर दिया है और बिहार ने एक नया, सकारात्मक डल फॉर्मूला दिया है यानी महिला और युवा। उन्होंने कहा कि बिहार के युवा हर धर्म और जाति से आते हैं, उनके सपनों, आकांक्षाओं और उम्मीदों की एकजुट आवाज ने जंगलराज की

राजनीति को पूरी तरह खारिज कर दिया। पीएम मोदी ने मतदाता सूची के शुद्धिकरण (SIR) पर भी विपक्षी दला को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि युवा मतदाता अब चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से मतदाता सूची के शुद्धिकरण में सक्रिय सहयोग की अपील की।

### लोकतंत्र की जीत, बिहार की नई दिशा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस जीत ने न केवल एनडीए के प्रति विश्वास को मजबूत किया है, बल्कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर भी मुहर लगाई है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले नक्सल प्रभावित इलाकों में मतदान दोपहर तक समाप्त हो जाता था, लेकिन इस बार बिहार ने रिकॉर्ड उत्साह दिखाया है। उन्होंने कहा कि बिहार वो भूमि है जिसने भारत को लोकतंत्र की जननी होने का गौरव दिया है। आज उसी धरती ने लोकतंत्र पर हमला करने वाली ताकतों को धूल चटा दी है। यहां फिर साबित हुआ है कि झूठ हारता है, जनविश्वास जीतता है।

### छठी मइया से माफी न मांगने वालों को बिहार ने जवाब दिया

पीएम मोदी ने आरजेडी और कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जिन्होंने छठ पूजा जैसी परंपरा को ड्रामा कहा, उन्हें बिहार ने कभी माफ नहीं किया। उन्होंने कहा कि बिहार अपने संस्कारों, अपनी संस्कृति और अपनी परंपराओं का सम्मान जानता है। जिन लोगों ने दशकों तक बिहार को बदनाम किया, आज जनता ने उन्हें करारा जवाब दिया है।

### अगले 25 साल बिहार की स्वर्णिम यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि नई एनडीए सरकार बिहार को अगले 25 वर्षों में स्वर्णिम विकास यात्रा पर आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि बिहार अब बुनियादी ढांचे, रोजगार, उद्योग और सामाजिक न्याय के नए युग में प्रवेश कर रहा है।

प्रस्तुति-प्राइम सेक्टर डेस्क.

# एसआईआर के काम में लगे बीएलओ की मौत

## एसआईआर के काम लगे अब तक 34 बीएलओ की मौत के आंकड़े आए हैं सामने



नई दिल्ली। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम लगे बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की मौतों का मामला सड़क से संसद तक उछला। संसद सत्र में इस मामले को विपक्ष ने उठाकर सरकार से जवाब मांगा। वहीं कई दलों ने जान गंवाने वाले बीएलओ के लिए सड़क पर उतरकर एक करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग की।

विभिन्न स्रोतों से मिली जानकारी मुताबिक अब तक 34 बीएलओ की जान चली गई है। इनमें से एक की मौत बिहार में हुए एसआईआर-1 फेज में हुई थी। 33 लोगों की जान एसआईआर 2 के दौरान हुई है। हालांकि, ये दोनों मामले जुड़े हुए हैं, ऐसा कोई भी प्रमाण सामने नहीं आया है। चुनाव आयोग ने भी इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। हां, कुछ राजनीतिक पार्टियों ने ये आरोप जरूर लगाए हैं।

एसआईआर-1 के दौरान बिहार में एक बीएलओ ने दम तोड़ दिया था। वहीं एसआईआर-2 की प्रक्रिया में शामिल कर्मियों में मध्य प्रदेश में 9 मौतें हुई हैं। उत्तर प्रदेश में 8, गुजरात में 6, पश्चिम बंगाल में 4, राजस्थान में 3, तमिलनाडु में 2, केरल में 1 की मौत हुई। वहीं छत्तीसगढ़, गोवा, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप में कोई मौत नहीं हुई।

वोटर लिस्ट सशोधन को लेकर एसआईआर के पहले फेज में बिहार में एक बीएलओ की मौत हुई और 12 राज्यों में चल रहे दूसरे फेज में अब तक 33 कर्मियों ने दम तोड़ दिया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वोटर लिस्ट के लिए चल रहे स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) 2.0 के बीच 33 बूथ लेवल ऑफिसर की मौत हो गई। इनमें 11 महिला बीएलओ थीं। इन मौतों को लेकर विपक्ष हमलावर है।

### एसआईआर के दौरान मध्य प्रदेश में मरने वाले बीएलओ

1. 24 नवंबर को 54 साल की बीएलओ मनीराम नापित एक गांव में एसआईआर फॉर्म जमा करते समय पेंडिंग टारगेट के बारे में एक अधिकारी का फोन आने के कुछ ही मिनट बाद बेहोश हो गए और उनकी जान

चली गई।

2. 22 नवंबर— सुजान सिंह रघुवंशी: असिस्टेंट टीचर सुजान सिंह रघुवंशी की SIR ज्यूटी से लौटते समय ट्रैन की चपेट में आ गए। गंभीर चोटों के कारण इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

3. 28 नवंबर— रमाकांत पांडे: बीएलओ रमाकांत पांडे को ऑनलाइन एसआईआर मीटिंग खत्म करने के तुरंत बाद जानलेवा हार्ट अटैक आया। मेडिकल मदद पहुंचने से पहले ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

4. 26 नवंबर— भुवन सिंह चौहान: बीएलओ भुवन सिंह चौहान, जिन्हें हाल ही में लापरवाही के आरोप में सस्पेंड किया गया था। भुवन की कॉर्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। उनके परिवार का कहना है कि वह सस्पेंशन से बहुत दुखी थे।

5. 28 नवंबर— सीताराम गोंड: दमोह जिले में बीएलओ सीताराम गोंड को रंजरा और कूड़ा कूदन गांवों में गिनती का काम सौंपा गया था। ज्यूटी के दौरान अचानक गंभीर रूप से बीमार पड़ गए और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

6. 24 नवंबर— अनीता नागेश्वर: 50 साल की बीएलओ और आंगनवाड़ी वर्कर अनीता नागेश्वर की नागपुर के एक हॉस्पिटल में मौत हो गई। उनके परिवार ने काम के बहुत ज्यादा प्रेशर का आरोप लगाया। हालांकि अधिकारियों ने मौत की वजह कीड़े के काटने से हुए इंफेक्शन को बताया।

7. 25 नवंबर— कीर्ति कौशल: बीएलओ कीर्ति कौशल को ज्यूटी पर हार्ट अटैक आया। एक और ठरु मो. हम्मद लायक भी सीने में दर्द के बाद गिर पड़े।

8. 24 नवंबर — विजय पांडे: असिस्टेंट टीचर और बीएलओ विजय पांडे को कई दिनों तक बुखार में काम करने के बाद ब्रेन हैमरेज हो गया। उनके परिवार का कहना है कि नोडल ऑफिसर उनकी बीमारी के बावजूद उन पर दबाव बनाते रहे।

9. 25 नवंबर— वीणा मिश्रा: बीएलओ, वीणा मिश्रा, 55 एक आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री थीं। उनकी रीवा जिले में SIR का काम करते समय दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

### उत्तर प्रदेश में एसआईआर के दौरान बीएलओ की मौत

1. 22 नवंबर, (लखनऊ): 50 साल की बीएलओ विजय कुमार वर्मा की ब्रेन हेमरेज से मौत हो गई।

2. 25 नवंबर, (गोंडा): 35 साल के बीएलओ विपिन यादव ने कथित तौर पर जहर खाकर सुसाइड कर लिया। उनकी पत्नी ने सरकारी दबाव का आरोप लगाया।

3. 25 नवंबर, (फतेहपुर): 27 साल के बीएलओ सुधीर कुमार ने अपनी शादी से एक दिन पहले सुसाइड कर लिया। उनकी बहन ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने उन्हें धमकाया था।

4. 26 नवंबर, (बरेली): 45 साल के बीएलओ और प्रा. इमरी स्कूल टीचर सर्वेश कुमार गंगवार की कॉर्डियक अरेस्ट से मौत हो गई।

5. 29 नवंबर, (बिजनौर): 56 साल की बीएलओ शोभ. रानी की हार्ट अटैक से मौत हो गई।

6. 1 दिसंबर, (मुरादाबाद): 46 साल के बीएलओ सर्वेश सिंह अपने घर पर लटके हुए मिले। सुसाइड नोट और वीडियो में, उन्होंने काम के बहुत ज्यादा प्रेशर और नौकरी जाने के डर का जिक्र किया।

7. 2 दिसंबर, (हाथरस): 40 साल के बीएलओ कमला. कांत शर्मा घर पर गिर पड़े और हॉस्पिटल ले जाते समय उनकी मौत हो गई।

8. 3 दिसंबर, (मेरठ): मोहित चौधरी को सुसाइड करने की कोशिश के बाद हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। परिवार ने सुपरवाइजर पर परेशान करने का आरोप लगाया।

### गुजरात में SIR के दौरान मरने वाले बीएलओ

1. 28 नवंबर— दिनेश रावल: मेहसाणा जिले के एक स्कूल टीचर दिनेश रावल (उम्र 50) की सुदासना गांव में उनके घर पर हार्ट अटैक से मौत हो गई। रावल एसआईआर के लिए बूथ लेवल ऑफिसर थे।

2. 24 नवंबर— डिकल शिंगोडावाला: 26 साल की बीएलओ और सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की टेक्निकल असिस्टेंट, डिकल शिंगोडावाला, अपने बा. थरूम में बेहोश मिलीं। बाद में एक प्राइवेट हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। डिकल को एसएमसी में वराछा जोन में एसआईआर ज़ाइव के लिए बीएलओ का काम सौंपा गया था।

3. 22 नवंबर— ऊषा सोलंकी: 50 साल की महिला असिस्टेंट बीएलओ उषा सोलंकी कड़क बाजार के एक स्कूल में ज्यूटी के दौरान गिर गईं। सोलंकी के पति इंद्रसिंह ने कहा कि वह हार्ट की मरीज थीं और उन्होंने बीएलओ ज्यूटी से छूट देने की रिक्वेस्ट की थी।

4. 21 नवंबर— अरविंद मुलजी वढेर: गिर सोमन. ण्ठ जिले में, 40 साल के टीचर और बूथ लेवल ऑफिसर अरविंद मुलजी वढेर ने अपने गांव देवली में सुसाइड कर लिया। उन्होंने एक दुखद नोट छोड़ा। इस सुसाइड नोट में सीधे तौर पर एसआईआर (स्पेशल इंटेसिव रिवीजन) के बहुत ज्यादा काम के बोझ और बढ़ते मेंटल स्ट्रेस को जिम्मेदार ठहराया गया था।

5. 20 नवंबर— कल्पना पटेल : 20 नवंबर को, तापी जिले के वालोड में एक बीएलओ कल्पना पटेल की मौत हो गई। मृतक की पहचान कल्पनाबेन पटेल के रूप में हुई है, जो बेलधा गांव में SIR के काम में

लगी हुई थीं।

6. 20 नवंबर— रमेशभाई रतिलाल परमार: गुजरात में एक 50 साल के स्कूल प्रिंसिपल और बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) रमेशभाई रतिलाल परमार की कई हफ्तों तक इलेक्टोरल रोल की धकाऊ ड्यूटी के बाद हार्ट अटैक से मौत हो गई।

## पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौ.

### रान मरने वाले बीएलओ

1. 9 नवंबर — नमिता हंसदा: बीएलओ नमिता हंसदा, (50 साल) को चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) के लिए हायर किया था। उनकी पूर्वी बर्धमान जिले में ब्रेन स्ट्रोक से मौत हो गई। उनके पति ने बताया कि मौत का सीधा संबंध काम के प्रेशर से हुए बहुत ज्यादा मेंटल स्ट्रेस से था।

2. 19 नवंबर — शांति मुनि एक्का: शांति मुनि एक्का, 48 साल की आंगनवाड़ी वर्कर थीं। वो वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिवीजन के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के तौर पर काम कर रही थीं। 19 नवंबर, 2025 को जलपाईगुड़ी के मालबाजार में न्यू ग्लेनको टी एस्टेट में अपने घर के पास वो लटकी हुई मिलीं। उनके परिवार ने दावा किया कि उनकी मौत एक सुसाइड थी, जो इलेक्शन कमीशन की एसआईआर एक्सरसाइज से जुड़े बहुत ज्यादा स्ट्रेस और बहुत ज्यादा काम के बोझ की वजह से हुई।

3. 22 नवंबर— रिकू तरफदार : 51 साल के पैरा-टी. चर और बूथ लेवल ऑफिसर रिकू तरफदार ने 22 नवंबर, 2025 को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में अपनी जान दे दी। वो ८ से बहुत ज्यादा तनाव में थे। उन्होंने बंगाली में दो पेज का हाथ से लिखा सुसाइड नोट छोड़ा। इसमें उन्होंने अपनी मौत के लिए इसी को जिम्मेदार ठहराया।

4. 27 नवंबर— जाकिर हुसैन: मुर्शिदाबाद के एक टीचर और बीएलओ जाकिर हुसैन की 27 नवंबर को कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। वह वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिवीजन में शामिल थे। उनके परिवार का कहना है कि काम के बढ़ते स्ट्रेस ने उन्हें बहुत परेशान कर दिया था।

## राजस्थान में एसआईआर के दौरान मरने वाले बीएलओ

1. 16 नवंबर— मुकेश जागिड़:— जयपुर में एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और सरकारी स्कूल के टीचर ने 16 नवंबर को सुसाइड कर लिया। कहा जा रहा है कि राज्य में चल रहे स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रोसेस के तहत वोटर लिस्ट की ड्यूटी से जुड़े बहुत ज्यादा प्रेशर की वजह से उनकी मौत हो गई। बिदायक एसएचओ के मुताबिक, जागिड़ ने कथित तौर पर बिदायका क्रॉसिंग के पास जयपुर-फुलेरा रेलवे ट्रैक पर एक ट्रेन के सामने छलांग लगा दी थी।

2. 19 नवंबर— संतराम सैनी:— करौली जिले में 19 नवंबर, 2025 की रात को सीने में दर्द की शिकायत के बाद एक स्कूल लेक्चरर संतराम सैनी (45) की मौत हो गई। संतराम को वोटर लिस्ट की एसआईआर के लिए सुपरवाइजर के तौर पर अपॉइंट किया गया था। उनके परिवार ने आरोप लगाया कि उन पर एसआईआर से जुड़ा काम पूरा करने का बहुत ज्यादा प्रेशर था।

3. 29 नवंबर — अनुज गर्ग— धौलपुर में 29 नवंबर की रात को चल रहे स्पेशल इंटेसिव रिवीजन के काम के बोझ के कारण कथित तौर पर एक बूथ लेवल ऑफिसर की कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। उनके परिवार का दावा है कि ज्यादा काम का बोझ न सह पाने के कारण उन्हें हार्ट अटैक आया।

44 **प्राइम स्पेक्टेटर (मासिक पत्रिका) दिसंबर 2025, दिल्ली**

## तमिलनाडु में एसआईआर के दौरान बीएलओ की मौत/सुसाइड की कोशिश

1. 22 नवंबर— जहिथा बेगम: पोलिंग स्टेशन ऑफिसर जहिथा बेगम ने कल्लाकुरिची जिले में थिरुकोविलूर के पास अपने घर पर सुसाइड कर लिया। कहा जाता है कि उनकी मौत वोटर रोल में ज्यादा काम के बोझ की वजह से हुई।

2. 18 नवंबर— चित्रा: कुंभकोणम के पास कोरकाई की एक आंगनवाड़ी वर्कर चित्रा (57) ने कॉर्पोरेशन कमिश्नर गांधीराजन द्वारा रात भर 200 एसआईटर एप्लीकेशन भरने की धमकी दिए जाने के बाद सुसाइड करने की कोशिश की। उन्हें उनके साथियों ने बचाया और कुंभकोणम सरकारी हॉस्पिटल के इंटेसिव केयर यूनिट में भर्ती कराया।

## केरल में एसआईआर के दौरान मरने वाले बीएलओ

1. अनीश जॉर्ज— कन्नूर: एट्टुकुडुक्का में एक बूथ लेवल ऑफिसर ने सुसाइड कर लिया। पय्यान्नूर चुनाव क्षेत्र के बूथ 18 के बीएलओ अनीश जॉर्ज की मौत हो गई। यह घटना 16 नवंबर को हुई। अनीश के परिवार का कहना है कि काम के प्रेशर की वजह से उसने सुसाइड किया।

## बिहार में SIR के दौरान मरने वाले बीएलओ

1. राजेंद्र प्रसाद— 27 अगस्त: बिहार के भोजपुर जिले में एसआईआर से जुड़े काम के प्रेशर की वजह से कथित तौर पर टीचर राजेंद्र प्रसाद की मौत हो गई। बीएलओ राजेंद्र प्रसाद की 27 अगस्त, 2025 को कार्डियक अरेस्ट से मौत हुई थी।

## देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में चला एसआईआर

देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इलेक्टोरल रोल रोलस के स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) का दूसरा फेज चल रहा है। पहले फेज एसआईआर-1 में चुनाव आयोग ने बिहार में 25 जून, 2025 से 30 सितंबर, 2025 तक ये प्रक्रिया कराई थी। उसी के बाद बिहार में फाइनल इलेक्टोरल रोल पब्लिश किया गया था। अब एसआईआर 2.0 यानी दूसरा फेज चल रहा है। इस चरण में उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप शामिल हैं। कुल मिलाकर इसमें कुल 12 राज्यों में पुनरीक्षण की प्रक्रिया चल रही है।

गौर करें तो चुनाव आयोग (ईसीआई) ने पहले अपनी जारी सूचना में तब्दीली करते हुए 30 नवंबर, 2025 को स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया की टाइमलाइन बढ़ा दी है। अब वोटर्स की गिनती और फॉर्म जमा करने की तारीख 11 दिसंबर, 2025 तक बढ़ा दी गई है। इस कड़ी में ड्राफ्ट रोल की तारीख 16 दिसंबर, 2025 तक बढ़ाई गई है। दावेष्वापत्तियों की तारीख 15 जनवरी, 2026 तक बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही फाइनल रोल की तारीख 14 फरवरी, 2026 तक बढ़ा दी गई है। पहले इसको 7 फरवरी 2026 तक जमा करना था। बता दें कि 30 नवंबर, 2025 को चुनाव आयोग ने सर की प्रक्रिया को बढ़ाने की टाइमलाइन बढ़ा दी। इसके तहत फॉर्म जमा करने की तारीख 11 दिसंबर, 2025 तक बढ़ाई गई।

ड्राफ्ट रोल की तारीख 16 दिसंबर, 2025 तक बढ़ा दी गई। दावेष्वापत्तियों की तारीख 15 जनवरी, 2026 तक बढ़ाई गई। फाइनल रोल की तारीख 14 फरवरी, 2026 तक की गई।

## बीएलओ कौन होता है

बीएलओ लोकल या सेमी-गवर्नमेंट का एक कर्मचारी होता है, जो इलाके के वोटर्स को जानता है और आमतौर पर उसी इलाके में रहता है या वोट देता है। उनकी मुख्य जिम्मेदारी अपनी लोकल जानकारी का इस्तेमाल करके वोटर रजिस्टर को रिफ्रेश करने में मदद करना है।

## एसआईआर में मुख्य जिम्मेदारियां

बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) के लोकल रिप्रेजेंटेटिव के तौर पर काम करते हैं। इनका काम विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान पोलिंग स्टेशन लेवल पर सही वोटर रोल पक्का करना होता है। रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट, 1950 के सेक्शन 13 बी(2) के मुताबिक, बीएलओ को सरक. री स्कूलों, ऑफिसों और अलग-अलग लोकल संस्थ. ज्यों में काम करने वाले कर्मचारियों में से चुना जाता है। बीएलओ घर-घर जाकर एसआईआर एन्यूमरेशन फॉर्म बांटते हैं। वोटर्स को वेरिफिकेशन के लिए गिनती करते हैं। मकान नंबर देते हैं। मरे हुए या दूसरी जगह बसे वोटर्स की पहचान करते हैं। और सूची में नाम शामिल करने, हटाने, सुधार और माइग्रेशन के लिए फॉर्म इकट्ठा करते हैं। बीएलओ शुरुआती लिस्ट दिखाते हैं। कैंपेन के दिनों में दावों और विवादों का सपोर्ट करते हैं। योग्य वोटर्स (जैसे 18 साल से ज्यादा उम्र के या नए रहने वाले वोटर्स) को फॉर्म भरने में मदद करते हैं। साथ ही ये पक्का करते हैं कि वोटर स्लिप बांटते समय कोई डुप्लीकेशन न हो। ये बीएलओ योग्य नागरिकों को वोट देने के लिए रजिस्टर करने और उनके वोटर कार्ड पाने में मदद करते हैं। फिजि. कल असेसमेंट करते हैं, और इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) को रिपोर्ट देते हैं। गौर करें तो विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत वोटर लिस्ट को अपडेट करने के लिए चुनाव आयोग ने तगड़ी व्यवस्था कर रखी है। इसके लिए लाखों की संख्या में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) लगाए गए हैं। इसमें बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की संख्या 5,32,828 है। वहीं बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की संख्या 12,43,201 है। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत वोटर लिस्ट को अपडेट करने के लिए ये महाअभियान छेड़ रखा है। इस दौरान इस प्रक्रिया से जुड़े लोगों को डेटलाइन में काम करना पड़ रहा है। जाहिर है मुहिम बड़ी है। उन पर भारी दबाव है। तनाव है। हर हाल में काम करने की जिम्मेदारी और जवाबदेही है। इनमें से कई ऐसे हैं, जिनके परिवार वालों ने आरोप लगाया है कि काम की दबाव की वजह से उन्होंने अपनी जान दे दी। वे तनाव और दबाव को बर्दाश्त नहीं कर पाए और अपनी जीवन लीला ही समाप्त कर ली। कुछ को समय रहते बचा लिया गया। इनमें से कई बीमार पड़ गए बता दें कि

## इस मुद्दे पर क्या बोले- कांग्रेस और बीजेपी?

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मांग की है कि बीएलओ के अधिकारों की रक्षा की जाए। कांग्रेस नेता आयुष पांडेय ने एबीपी लाइव से बात करते हुए कहा कि पार्टी इस दुःख की घड़ी में परिवारों के साथ खड़ी है। सर्वोच्च अदालत को स्वतः संज्ञान ले और बीएलओ का आयोग बीमा कराए। विपरीत परिस्थिति में काम कर

रहे बीएलओ के लिए बेहतर इंतजाम होने चाहिए और अगर इनके साथ कुछ होता है तो उसकी जिम्मेदारी आयोग को लेना चाहिए।

वहीं बीजेपी प्रवक्ता अमित चिमानी ने इस विषय पर कहा कि बीएलओ के साथ हमारी पूरी संवेदना है। जो हमारे आपके अधिकार हैं, वहीं बीएलओ के भी हैं। संविधान के तहत बीएलओ को जो अधिकार प्राप्त हैं, उस पर बीजेपी उनके साथ है। जहां पर भी कहीं एक राजनीतिक दल के सीमाओं के अंदर हमको कुछ करने, मानवीय मदद करने की जरूरत पड़ती है तो हम उसमें कभी पीछे नहीं रहे। हमारे निवेदन के बाद रायपुर में प्रशासन ने बीएलओ के सपोर्ट में स्टाफ लगाए हैं।

## बीएलओ की मौतों और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल

विपक्ष द्वारा कई बार दोहराने के बाद भी सदन के मानसून सत्र के दौरान बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा नहीं हो पाई थी। अब, मंगलवार (9 दिसंबर) को लोकसभा में चुनावी सुधारों पर चर्चा शुरू हुई। विपक्ष ने 12 रा. ज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही इस प्रक्रिया की कमियों को उजागर किया है।

विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग पर निष्पक्षता की कमी का आरोप लगाया और मतपत्र (बैलेट पेपर) से चुनाव कराने की मांग की। साथ ही, उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़े कानून में बदलाव की भी मांग रखी। वहीं, सत्ता पक्ष ने कहा कि विपक्ष को ईवीएम और चुनाव आयोग पर सवाल उठाने के बजाय अपनी चुनावी हार पर आत्ममंथन करना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके एनडीए सहयोगियों ने बहस के दौरान बार-बार बिहार विधानसभा चुनाव में मिली जीत का जिक्र किया।

## बीएलओ की मौतें, संवैधानिक आधार की कमी

बहस के दौरान विपक्षी सांसदों ने बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) पर एसआईआर प्रक्रिया के दौरान भारी दबाव का जिक्र किया। और यह भी कहा कि यह प्रक्रिया 'शामिल करने' के बजाय बाहर करने का का माध्यम बन गई है। तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा, 'पश्चिम बंगाल में 20 लोगों की मौत हो चुकी है, पांच गंभीर रूप से बीमार हैं, इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? चुनाव आयोग?' उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी घटनाएं सिर्फ बंगाल में नहीं बल्कि अन्य राज्यों में भी हुई हैं। बनर्जी ने कहा कि 'चुनाव आयोग के माध्यम से अब प्रधानमंत्री मोदी तय करते हैं कि कौन वोटर होगा।' विपक्ष की ओर से बहस की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि चुनाव आयोग को एसआईआर कराने का कोई संवैधानिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, 'रिप्रजेंटेशन ऑफ पीपल एक्ट की धारा 21 कहती है कि आयोग को अपनी शक्तियां वहीं से मिलती हैं। संविधान में या कानून में एसआईआर की कोई व्यवस्था नहीं है।' उन्होंने पूछा कि आयोग ने किन आधारों पर यह अभ्यास शुरू किया और क्या यह कारण लिखित रूप में दर्ज हैं। तिवारी ने कहा, 'सरकार को यह लिखित कारण सदन के समक्ष रखना चाहिए। कौन-सी शिकायतें आईं, क्या जांच हुई, और किस आधार पर एसआईआर का निर्णय लिया गया?'

## भाजपा और सहयोगी दलों का पलटवार

विपक्ष के आरोपों पर सत्ता पक्ष ने कहा कि चुनाव आयोग पर सवाल उठाने से पहले विपक्ष को अपनी

हार के कारणों पर मंथन करना चाहिए। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि उसने पहली लोकसभा चुनाव में डॉ. भीमराव अंबेडकर को हराने के लिए 74,000 वोट रद्द कर 'वोट चोरी' की थी। उन्होंने कहा, 'एसआईआर कोई नई चीज नहीं है। चुनाव आयोग ने हमेशा सारांश और विस्तृत संशोधन किए हैं। यह नियमित प्रक्रिया है, जिसमें घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी जुटाई जाती है।' लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद अरुण भारती ने कहा कि बिहार के लोगों ने एनडीए पर भरोसा जताया है और नई सरकार विकसित भारत के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा, 'दिल्ली के बाद अब बिहार में कांग्रेस सिंगल डिजिट पार्टी रह गई है।'

## एनडीए सहयोगी टीडीपी ने भी सुझाव सुधार

अन्य सहयोगियों के विपरीत, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने न केवल विपक्ष पर सवाल उठाए बल्कि चुनाव सुधारों के सुझाव भी दिए। टीडीपी सांसद लवू श्रीकृष्ण देवय्यारालु ने कहा कि भारत का चुन.ावी तंत्र दुनिया के सबसे समावेशी तंत्रों में से एक है जिसने हर नागरिक को वोट का अधिकार दिया, जो पश्चिमी देशों में भी लंबे समय तक नहीं था। हालांकि, उन्होंने चुनाव सुधारों की एक सूची पेश की जिसमें— बूथ-स्तरीय एजेंटों की भागीदारी बढ़ाना, चुनावी गडबडियों की निगरानी के लिए स्वतंत्र निकाय बनाना, एंटी-डोर्फेशन कानून में संशोधन कर अयोग.यता मामलों का समयबद्ध निपटारा, स्थानीय शासन संस्थाओं को सशक्त बनाना, और राज्य चुनाव आयुक्तों का कार्यकाल 5 साल तय करना शामिल है।

## एसआईआर देशवासियों के खिलाफ बड़ी साजिश : अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि ये देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साजिश है, जो अंग्रेजों की गुलामी से भी खराब स्थिति में ले जाएगी। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ने यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा मुखिया अपने पोस्ट के माध्यम से जनता-जनार्दन में भय और भ्रम फैलाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर एसआईआर प्रक्रिया का 20 सेकंड का एक वीडियो साझा करते हुए एक पोस्ट में कहा, 'ये लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी है। जनता जागरूक हो। आज वोट काटा जा रहा है, कल को खेत-जमीन-मकान-राशन-जाति-आरक्षण से नाम काटा जाएगा। फिर बात खातों और मध्यम वर्ग के लॉकर तक पहुंच जाएगी। यादव ने अपने लंबे पोस्ट में कहा कि ये देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी सा.जिश है, जो अंग्रेजों की गुलामी से भी खराब स्थिति में ले जाएगी। ये समय जानने का है और एक-एक वोट बचाने का है। उन्होंने विपक्षी दलों के साथ ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में भाजपा के सहयोगी दलों का आह्वान करते हुए कहा कि हमारी सभी विपक्षी दलों और यहां तक कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी सहयोगी दलों से यह अपील है कि एकजुट हों और भाजपा के इस महा-पडंचर का पर्दाफाश करें। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जो दल भाजपा को अपना सहयोगी मान रहे हैं, सबसे पहले भाजपा उन्हीं का खात्मा करेगी। इसलिए हमारी प्रत्येक देशवासी से अपील है कि सारे काम

छोड़कर एसआईआर की घपलेबाजी को रोकें। उन्होंने कहा कि भाजपा, भाजपा के संगी-साथी और भाजपा सरकार की तिकड़ी व निर्वाचन आयोग के कुछ भ्रष्ट लोग पूरी चुनावी व्यवस्था का अपहरण कर रहे हैं। सपा प्रमुख ने लिखा कि आइए हम सब मिलकर उन भाजपाइयों और उनके अपरिवारवादी संगी-साथियों की संराम लूट से देश को बचाएं और वोट के रूप में अपनी पहचान को भी बचाएं, नहीं तो कल को ये देशवासियों को ही पराया साबित कर देंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ने यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा मुखिया अपने पोस्ट के माध्यम से जनता-जनार्दन में भय और भ्रम फैलाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं।

## बीएलओ पर काम का दबाव कम करें-सुप्रीम कोर्ट

देश के 12 राज्य/केंद्रशासित राज्यों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण चल रहा है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राज्य मतदाता सूचियों को संशोद्धित करने के लिए बूथ स्तर के अधिकारियों या बीएलओ के रूप में काम करने वाले पुरुषों और महिलाओं की मृत्यु पर गंभीर विंता व्यक्त की। बता दें कि कई बीएलओ ने काम के दबाव में आत्महत्या भी कर ली है। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य सरकारों को बीएलओ की कार्य स्थितियों और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जिम्मेदार ठहराया। इसके साथ ही तर्क दिया कि जहां दस हजार कर्मचारी तैनात किए गए हैं, वहां 30,000 भी तैनात किए जा सकते हैं। इससे काम करने में आसानी होगी और काम का बोझ भी हल्का हो जाएगा। वहीं, मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष न्यायालय ने सरकारों से यह भी कहा कि ड्यूटी से छूट का अनुरोध करने वाले बीएलओ को छुट्टी दी जानी चाहिए और उनके स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति को नियुक्त किया जाना चाहिए। शीर्ष न्यायालय ने माना कि कई बीएलओ गंभीर बीमार होने के कारण ड्यूटी से छुट्टी मांग रहे हैं। वहीं, न्यायालय ने यह भी कहा कि यही ऐसे बीएलओ को राहत नहीं प्रदान की जाती है जो वह अदालत का रुख कर सकता है। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने यह निर्देश अभिनेता विजय की पार्टी तमिलनाडु वेन्नी कन्नगम की याचिका के बाद दिया है। टीपीके ने देश के कई राज्यों में कई बीएलओ की मौत के विवाद के बीच कोर्ट का रुख किया था। टीपीके ने चुनाव आयोग पर प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 32 के तहत जेल भेजने की धमकी देकर बीएलओ को काम करने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया था। विजय की पार्टी टीपीके का तर्क है कि प्रत्येक राज्य में ऐसे पिरवार हैं जिनके बच्चे अनाथ हो गए हैं या माता-पिता अलग हो गए हैं क्योंकि चुनाव आयोग धारा 32 के तहत नोटिस भेज रहा है। टीपीके का दावा है कि अकेले उत्तर प्रदेश में ही बीएलओ के खिलाफ 50 से ज्यादा पुलिस मामले दर्ज किए गए हैं, फिलहाल चुनाव आयोग से बस यही अनुरोध है कि वह ऐसी कठोर कार्रवाई न करें। हालांकि, न्यायालय ने बीएलओ की मौतों के लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराने की मांग को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश कांत ने कहा कि बीएलओ राज्य सरकार के कर्मचारी हैं। इन सब के बीच चुनाव आयोग ने इस याचिका को पूरी तरीके झूठा और निराधार बताया है और तर्क दिया है कि मतदाता पुनः सत्यापन कार्य में देरी करने से चुनावों पर भी बड़ा प्रभाव पड़ सकता है।

## प्रस्तुति-प्राइम स्वेक्टर डेस्क.

# विराट कोहली ने शतक ठोंककर दिया कई सवालों का जवाब



रांची की सुनहरी शाम में विराट कोहली सिर्फ रन नहीं बना रहे थे, वो मानो वक्त को पीछे धकेल रहे थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई 135 रन की यह पारी तकनीक का प्रदर्शन भर नहीं, बल्कि एक विराट कथानक थी। हर शॉट, हर स्ट्राइड, हर रन उनके करियर के उन अनुभवों और संघर्ष की कहानी कह रहा था, जिन्होंने उन्हें दुनिया के सबसे भरोसेमंद और प्रभावशाली बल्लेबाजों में से एक बनाया। रांची में शतकीय पारी के साथ ही वो मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर से आगे निकल गए हैं। विराट कोहली अब एक ही फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले वह सचिन तेंदुलकर के साथ बराबरी पर थे। सचिन के नाम टेस्ट क्रिकेट में 51 शतक हैं।

## क्यों छोड़ा टेस्ट क्रिकेट

यह सवाल हर क्रिकेट प्रेमी के दिल में आज भी गूँजता है। वही विराट, जिन्हें इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया के दिग्गज पूर्व क्रिकेटर टेस्ट क्रिकेट का ब्रांड एंबेसडर कहते थे, अब लाल गेंद से दूर हैं। और रांची की यह पारी उस सवाल को फिर जिंदा कर गई, क्या उनके टेस्ट करियर का अंत स्वाभाविक था या मजबूरन बनाया गया? और क्या उनकी वापसी संभव है? विराट की इस पारी में उनका फुटवर्क तेज, निर्णायक और लगभग संगीत जैसा था। कवर ड्राइव में पुरानी चमक, ऑन-ड्राइव में

वही चिर-परिचित आक्रामकता और रक्षात्मक शॉट्स में प्दीवार जैसी शांति दिखाई दी।

## कामयाबी का राज है प्रतिबद्धता

विराट कोहली की सफलता का राज उनकी कड़ी मेहनत और कभी भी खुद से संतुष्ट न होने की उनकी आदत है। 17 साल में 123 टेस्ट, 306 वन वनडे और 125 टी-20 खेलने और 27,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाने के बावजूद, उनकी प्रतिबद्धता उन्हें महान बनाती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से पहले रांची जल्दी पहुंच गए। मैच के बाद विराट कोहली ने कहा, मैं इसलिए जल्दी आया था ताकि मैं हालात को अच्छी तरह समझ सकूँ— दिन में दो बार और शाम को एक बार बल्लेबाजी कर लूँ, ताकि मेरी तैयारी पूरी हो जाए। मैच से एक दिन पहले मैंने आराम किया, क्योंकि अब मैं 37 साल का हूँ और रिकवरी का ध्यान रखना भी जरूरी है।

## कवर ड्राइव खेलकर आलोचकों को जवाब

11वें ओवर में कॉर्बिन बॉश की बैक-ऑफ-ए-लेंथ गेंद ऑफ-स्टंप के बाहर गिरी। विराट ने बिना किसी जोर के, बस स्ट्राइड बढ़ाकर, सिर स्थिर रखते हुए कवर ड्राइव खेली। गेंद इतनी सफाई से निकली कि कवर में खड़े फील्डर केवल दर्शक बनकर रह गए। जब प्रेनेलन सुब्रेयन स्पिन के साथ दबाव बना रहे थे, तब भी विराट के रक्षात्मक शॉट्स में शांति थी। उनका बल्ला गेंद के बिल्क

ल नीचे आता और गेंद धीरे-धीरे उनके पैरों के पास गिरती। यह दर्शाता था कि वह गेंद को देर तक देख रहे थे, हड़बड़ी नहीं कर रहे थे, और दिखाया कि उनकी नींव कितनी मजबूत थी। मार्को जैनसेन की गेंद पर चौका जड़कर कोहली ने अपने वनडे इंटरनेशनल करियर का 52वाँ शतक पूरा किया। यह शतक उन्होंने बैक-ऑफ-ए-लेंथ गेंद को बैकवर्ड पॉइंट के बाईं ओर स्लाइस करके हासिल किया, जो उनकी शानदार टाइमिंग का प्रमाण था। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर में फरवरी 2025 के बाद पहला और इसी मैदान पर उनका तीसरा शतक था। शतक पूरा होते ही उन्होंने अपना हेलमेट उतारा, खुशी में हवा में मुक्का मारा और दर्शकों के प्यार का अभिवादन किया। शतक पूरा करने के बाद उन्होंने सुब्रेयन के ओवर की अंतिम तीन गेंदों पर 6, 6, 4 जड़कर यह साबित किया कि उनका आक्रामक टेम्पो धीमी पिच पर भी बरकरार रहा। 11 चौकों और 7 छक्कों से सजी यह पारी बताती है कि आज उनके शॉट-निर्णय, शॉट-रेंज और मानसिक संतुलन सब चरम पर था।

रांची की पिच पर उनकी बल्लेबाजी एक बेहतरीन मास्टरक्लास साबित हुई। 37 साल की उम्र में भी वे ऐसे खेले मानो अब भी 25 के हों— फिट और फुर्तीले।

## मानसिक मजबूती

वह मैच को खेलने से पहले ही दिमाग में कई बार खेल लेते हैं। कोहली का कहना है, मैं कभी भी बहुत ज्यादा तैयारी करने में विश्वास नहीं रखता। मेरा पूरा क्रिकेट हमेशा मानसिक रहा है। मैं शारीरिक रूप से कड़ी मेहनत करता हूँ और जब तक मेरी फिटनेस का स्तर ऊँचा रहता है, मैं बल्लेबाजी के बारे में स्पष्ट रूप से सोच सकता हूँ और अच्छा महसूस करता हूँ। विराट कोहली का कहना है, मैं खेल को लेकर बहुत कल्पनाशील रहता हूँ। जब मैं खेल के बारे में सोचते हुए अपने आपको तीव्र, एकाग्र और धारदार महसूस करता हूँ, तो मुझे पता होता है कि अब



मैं मैदान पर जाकर अपने खेल को पूरी सहजता के साथ निभा सकता हूँ। उनका विकेट एक बैक-ऑफ-ए-लेंथ गेंद पर गिरा, जो पाँचवीं स्टंप लाइन पर पड़ी थी। कोहली शुरुआत में ही तेजी से आगे बढ़े और गेंद को एक्स्ट्रा कवर के ऊपर पलैट-बैट करने की कोशिश की। लेकिन हल्का बाहरी किनारा लगने से गेंद ऊँची उछल गई। कवर से रिकल्टन ने कमाल का एथलेटिसिज्म दिखाते हुए तिरछी दिशा में लंबी दौड़ लगाई और फुल-लेंथ डाइव मारते हुए स्लाइडिंग कैच लपका। गेंद करीब 115 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से आई थी, लेकिन उनका कैच बिल्कुल नियंत्रित था। रिप्ले में मार्करम भी नजर आए, जो करीब जाकर कोहली को लो-फाइव देकर उनकी शानदार पारी का सम्मान कर रहे थे।

### क्यों यह पारी अर्थपूर्ण है?

रांची में विराट कोहली ने जो पारी खेली, वह उनके करियर के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर एक जोरदार घोषणा थी। पिछले नौ महीनों से विराट अपने 52वें शतक का इंतजार कर रहे थे। यह केवल समय की लंबी प्रतीक्षा नहीं थी, बल्कि एक मूक राष्ट्रीय दबाव भी था। हर इनिंग एक राष्ट्रव्यापी बहस बन जाती थीरु ष्वया विराट 2027 वर्ल्ड कप तक खेल पाएंगे? कुछ हफ्ते पहले ऑस्ट्रेलिया में उन्हें लगातार दो शून्य (MDI) का सामना करना पड़ा था, लेकिन विराट का जवाब क्लीनिकल रहा। पहले सिडनी में 74, और अब रांची में 135। शतक का जश्न सिर्फ रूटीन नहीं थाय यह दबाव से मिली मुक्ति और खुद पर एक बार फिर मुहर लगाने का पल था। यह

शतक रूटीन नहीं था, यह आवश्यक था, और यह प्रतीकात्मक था। 135 रन की यह पारी उम्र, फॉर्मेट या राजनीति की परवाह किए बिना दिखाती है कि विराट अभी भी दुनिया के सबसे भरोसेमंद, बुद्धिमान और फिट बल्लेबाज हैं। पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री ने सबसे अच्छी बात कही कि यह है उनका 52वां शतक। बाउंड्री के साथ पूरा किया। हवा में मुक का मारकर जश्न मनाया। यह इंतजार बहुत लंबा था। अब यह वही फॉर्मेट है जिसे वह ज्यादा खेलते हैं, और इस पारी ने कई लोगों को चुप करा दिया होगा। इस मैदान पर उनका तीसरा शतक। यह पारी शानदार थी, खासतौर पर जिस अंदाज में वह पहुँचे—उस शॉट की टाइमिंग बस कमाल की थी।

रोहित शर्मा की प्रतिक्रिया चर्चा का विषय ड्रेसिंग रूम में मौजूद तत्कालीन कप्तान रोहित शर्मा की एक अनफिल्टर्ड और अत्यंत उत्साहित प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। जैसे ही विराट कोहली ने अपना शतक पूरा किया, रोहित उत्साह में खड़े हो गए, जो

रदार तालियां बजाई, और उनकी खुशी के क्षणों में मुँह से निकले कुछ अपशब्द भी कैमरे में रिकॉर्ड हो गए यह दृश्य न केवल कोहली की उपलब्धि पर रोहित की सच्ची खुशी को दर्शाता है, बल्कि दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के बीच की समझ, सम्मान और गहरे साथ को भी उजागर करता है। यह विलप क्रिकेट प्रेमियों के बीच तुरंत लोकप्रिय हो गई और मैच की सबसे यादगार झलकियों में से एक बनकर उभरी।

### टेस्ट संन्यास की कड़वी सच्चाई

पारी के बाद जब हर्षा भोगले ने संन्यास के फैसले को पलटने के बारे में पूछा, तो उन्होंने साफ इनकार करते हुए कहा कि वह अब रिटायरमेंट तक भारत के लिए वह एक-फॉर्मेट के खिलाड़ी हैं। उनका टेस्ट संन्यास क्रिकेटिंग कारण से ज्यादा राजनीतिक दबाव का परिणाम लगा। विराट कोहली ने जनवरी 2022 में टेस्ट कप्तानी उस विवाद के बाद छोड़ी, जिसकी शुरुआत टी20 नेतृत्व से उनके स्वैच्छिक हटने से हुई थी। सितंबर 2021 में उन्होंने टी20 कप्तानी छोड़ी, लेकिन वन डे इंटरनेशनल और टेस्ट कप्तानी जारी रखने की इच्छा जताई। इसके बावजूद, दिसंबर 2021 में बीसीसीआई ने उन्हें अचानक वन डे इंटरनेशनल की कप्तानी से हटा दिया और कोहली के अनुसार उन्हें यह निर्णय केवल 90 मिनट पहले बताया गया। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर हार के बाद, बढ़ते मतभेदों और इस पूरे प्रकरण से उपजी असहज स्थिति के कारण उन्होंने 15 जनवरी 2022 को टेस्ट कप्तानी भी छोड़ दी।

**प्रस्तुति-प्राइम स्पेक्टोर डेस्क.**



# शोले के वीरू ने दुनिया को कहा अलविदा

बीमार चल रहे धर्मेन्द्र का 24 नवंबर को 89 साल की उम्र में निधन



इसको लेकर अब खुद हेमा मालिनी ने खुलासा किया है।

**फैंस को अपनी तकलीफ नहीं दिखाना चाहते थे धर्मेन्द्र**

हाल ही में धर्मेन्द्र के निधन के बाद एक फैन और यूएई के रहने वाले हमद अल रेयामी ने हेमा मालिनी से मुलाकात की है। हमद अल रेयामी धर्मेन्द्र से कई बार मुलाकात कर चुके थे और उनके काफी करीब भी थे। हेमा मालिनी से मुलाकात के बाद अब उन्होंने पूरा वाक्या अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

हेमा के साथ तस्वीर शेयर करते हुए हमद ने बताया कि धर्मेन्द्र अपने आखिरी दिनों में काफी मुश्किल में थे तो वहीं हेमा मालिनी भी बेहद परेशान थीं। हमद ने अपनी पोस्ट में बताया कि हेमा ने उन्हें कहा कि, इस बात का अफसोस उन्हें है कि धर्मेन्द्र को आखिरी बार उनके चाहने वाले नहीं देख पाए, क्योंकि धर्मेन्द्र हमेशा से चाहते थे कि उनके फैंस और चाहने वाले उन्हें कभी तकलीफ में ना देखें। ना वो कभी ऐसे बीमार दिखना चाहते थे। हमद ने अपनी पोस्ट में लिखा कि पहली बार मैं हेमा मालिनी से मिला, मैंने हमेशा उन्हें पर्दे पर ही देखा था। मैं उनके घर गया और उनसे मिला तो पता चला कि वो बिल्कुल टूटी हुई हैं। अपना दर्द वो छिपाने की कोशिश कर रही थीं लेकिन छिपा नहीं पा रही थीं। रुंधे हुए गले से उन्होंने मुझसे कहा कि, काश, मैं उसी

मुंबई। जब हम धर्मेन्द्र का नाम सुनते हैं, तो आंखों के सामने कई शानदार तस्वीरें आती हैं वह सदाबहार आकर्षण, दमदार एक्शन हीरो, शोले का प्यारा वीरू, और वो लाखों दिलों को जीतने वाली मुस्कान। लेकिन इस शोहरत और सुपरस्टार के चकाचौंध के पीछे, धर्मेन्द्र हमेशा एक पिता पहले रहे हैं। धर्मेन्द्र एक ऐसे पिता हैं जिनके सरल, मजबूत मूल्यों ने देओल परिवार के अभिनेताओं की न केवल एक, बल्कि दो पीढ़ियों को आकार दिया है।

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र हमारे बीच नहीं रहे। 24 नवंबर को 89 साल के धर्मेन्द्र का निधन हो गया। धर्मेन्द्र कई दिनों से बीमार थे। हाल ही में उन्हें मुंबई ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका इलाज चल रहा था, जहां उनकी हालत क्रिटिकल बनी हुई थी। हालांकि इस बीच उनकी तरबीयत में कुछ सुधार होने के बाद ही उन्हें घर भेज दिया गया था। इस खबर से देशभर में शोक की लहर दौड़ गई है। उनका जन्म भले ही पंजाब के एक छोटे से गाँव में हुआ, लेकिन उनकी पहुंच दुनिया के कोने-कोने तक है। वह बॉलीवुड के ही-मैन हैं जिन्होंने एक ऐसा परिवार खड़ा किया जो बड़ी शोहरत के बीच भी हमेशा जमीन से जुड़ा, विनम्र और

सच्चा बना रहा। धर्मेन्द्र के दो बेटे सनी देओल और बॉबी देओल हैं। और उनकी चार बेटियां लल्ली, अजीता, ईशा और अहाना हैं।

**जल्दबाजी में क्यों किया गया धर्मेन्द्र का अंतिम संस्कार**

धर्मेन्द्र का अंतिम संस्कार बहुत जल्दबाजी में किया गया, इसको लेकर लोगों ने सवाल भी किए और कहा कि आखिर इतनी जल्दबाजी में धर्मेन्द्र का अंतिम संस्कार क्यों किया गया। महज परिवार वालों की मौजूदगी और बॉलीवुड के कुछ लोगों के बीच धर्मेन्द्र को मुखाग्नि की गई। लेकिन धर्मेन्द्र के अंतिम दिन कैसे थे और इतनी शांति और जल्दबाजी में उनका अंतिम संस्कार क्यों किया गया,

**अचानक धर्मेन्द्र जी ने दुनिया को कहा अलविदा**





दिन फार्महाउस पर होती जिस दिन मैं दो महीने पहले धर्मेन्द्र के साथ थी... मैं उन्हें वहीं देखना चाहती थी। उन्होंने मुझे बताया कि वह धर्मेन्द्र से हमेशा कहती थीं कि जब आप इतनी कविताएं लिखते हैं और इसे पब्लिश कीजिए तो धरम जी मुझे कहते कि पहले मुझे कुछ और कविताएं पूरी करने दो। वक्त ने मौका नहीं दिया और वो चले गए।

उन्होंने आगे कहा कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि उनके चाहने वालों को उन्हें आखिरी बार देखने का मौका नहीं मिला। इसके बाद हेमा जी ने एक ममता भरी आवाज में मुझे कहा कि, धर्मेन्द्र अपनी पूरी जिंदगी में नहीं चाहते थे कि कोई उन्हें कमजोर या बीमार वाली स्थिति में देखे। वह अपने दर्द को करीबी लोगों से हमेशा छिपाते थे और किसी इंसान के चले जाने के बाद, यह फैसला परिवार के हाथ में होता है। इसके बाद वो थोड़ी रुकीं... उन्होंने अपने आंसू पा. 'छे... और मुझसे कहा, प्लेकिन जो हुआ, वह एक रहमत (कृपा) ही थी... क्योंकि तुम, हमद, उन्हें उस हालत में सच में कभी नहीं देख पाते। अपने आखिरी दिनों में उनकी हालत बहुत मुश्किल थी... दर्दनाक थी... यहा तक कि हम भी उन्हें उस स्थिति में देख तक नहीं पा रहे थे। फिर वह कहती हैं कि, चाहे जो हो... उनके लिए मेरा प्यार कभी नहीं बदलेगा... और उनका असर मेरी जिंदगी

से कभी खत्म नहीं होगा। मैंने जाते वक्त बड़ी शर्मिंदगी से कहा कि आपके साथ एक तस्वीर चाहिए, फिर उन्होंने उसी अंदाज में कहा कि आइए। उनकी ये प्रतिक्रिया वैसी ही थी, जैसी हमेशा धर्मेन्द्र जी की होती थी। मेरे हमेशा के हीरो, महान सुपरस्टार धर्मेन्द्र।

### धर्मेन्द्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत : पीएम

एक्टर धर्मेन्द्र के निधन पर पीएम मोदी ने कहा "धर्मेन्द्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है. वे एक प्रतिष्ठित फिल्मी हस्ती, एक अदभुत अभिनेता थे जिन्होंने अपनी हर भूमिका में आकर्षण और गहराई भर दी. जिस तरह से उन्होंने विविध भूमिकाएँ निभाईं, उसने अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ है." उन्होंने ने कहा "धर्मेन्द्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और गर्मजोशी के लिए भी समान रूप से प्रशंसित थे. इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएँ उनके परिवार, मित्रों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं. शांति. "

### धर्मेन्द्र ने अपने बच्चों को दिए ये सबक

1 सादगी और विनम्रता का कवच  
धर्मेन्द्र ने अपने जीवन की शुरुआत ग्रामीण पंजाब से की, और उनके शुरुआती जीवन के वो सबक उनके साथ हमेशा के लिए रहे। एक बॉलीवुड आइकन बनने के बाद भी, उन्होंने कभी

अहंकार को हावी नहीं होने दिया। वह विनम्र, शांत और दयालु बने रहे। उनके बच्चों ने उन्हें हमेशा यही करते हुए देखा कि वह सेट पर सह-कलाकारों से लेकर लाइट बॉय तक, सभी के साथ सम्मान से पेश आते थे। यही जमीन से जुड़ी ऊर्जा उनके बच्चे, सनी, बॉबी, ईशा और अहाना आज भी गर्व से अपने साथ रखते हैं। यह देओल परिवार की विनम्रता का राज है। सफलता के बावजूद शांत और सरल बने रहना ही धर्मेन्द्र की सबसे बड़ी सीख है।

2 स्टार पावर से पहले कड़ी मेहनत  
धर्मेन्द्र जी ने हमेशा अपने बच्चों को सिखाया कि सफलता विरासत में नहीं मिलती, बल्कि इसे कमाना पड़ता है। उन्होंने दिखाया कि नाम मिलना आसान है, लेकिन उसे बनाए रखने के लिए लग. तार पसीना बहाना पड़ता है। यह सीख उनके बच्चों के जीवन में साफ दिखती है। सनी देओल का अपने काम के प्रति गहन अनुशासन, बॉबी देओल का करियर के उतार-चढ़ाव के बावजूद वापस उठने का जज्बा, ईशा का अभिनय के प्रति प्रेम और अहाना का नृत्य के प्रति जुनून, यह सब उस कार्य नीति को दर्शाता है जो उन्हें अपने पिता से मिली है। उन्होंने उन्हें यह समझाया कि प्रतिभा अच्छी है, लेकिन बिना प्रयास के वह कहीं नहीं पहुँचती।

3 परिवार हमेशा सबसे पहले



एक व्यस्त शेड्यूल और सार्वजनिक निगाहों के सामने एक जटिल व्यक्तिगत जीवन होने के बावजूद, धर्मेन्द्र ने यह सुनिश्चित किया कि परिवार का बंधन मजबूत बना रहे। उन्होंने हमेशा अपने बच्चों की जीत का जश्न मनाया, महत्वपूर्ण मील के पथर पर उनके साथ खड़े रहे, और परिवार को प्यार से एकजुट रखा। उनकी बेटियों ने अक्सर बताया है कि वह कितने भावुक और स्नेही हैं। दुनिया बेशक उन्हें एक मर्दाना हीरो के रूप में देखती है, लेकिन घर पर वह ऐसे पिता हैं जो गले लगाते हैं, खास पलों में भावुक हो जाते हैं, और अपने प्यार को कभी नहीं छुपाते। ईशा और अहाना अपने साथ बिताए पलों की प्यारी झलकियां अक्सर सोशल मीडिया पर साझा करती हैं—जैसे मूवी नाइट्स, जन्मदिन की गले लगना, और प्यारी हाथ से लिखी हुई नोट्स — जो साबित करता

है कि वे कितने करीब हैं। यह दर्शाता है कि धर्मेन्द्र का बच्चों से रिश्ता कितना गहरा है।

4 हर किसी को अपने तरीके से चमकने देना

धर्मेन्द्र ने एक और बात को हमेशा बढ़ावा दिया, वह है व्यक्तिगत पहचान को महत्व देना। उन्होंने कभी भी अपने बच्चों पर कोई एक परिभाषित रास्ता अपनाने का दबाव नहीं डाला। सनी और बॉबी स्वाभाविक रूप से फिल्मों की ओर आकर्षित हुए, लेकिन उनके पिता ने उन्हें इंडस्ट्री में अपनी स्टाइल और जगह खुद खोजने दी। और जब ईशा ने अर्धनय को चुना, जबकि अहाना ने नृत्य और पापराजी से दूर एक शांत जीवन को प्राथमिकता दी, तो उन्होंने समान प्यार और गर्व के साथ उनका समर्थन किया। यह एक अभिभावक के लिए एक शक्तिशाली सबक है: हर बच्चे को वह

बनने की जगह मिलनी चाहिए जो वह वास्तव में है।

5 चरित्र ही असली पूंजी

धर्मेन्द्र जी ने अपने बच्चों को शोहरत की दुनिया में चरित्र के महत्व को भी सिखाया। उन्होंने सिखाया कि कैमरे के सामने अभिनय करना एक बात है, लेकिन कैमरे के पीछे आपका व्यवहार, आपका सम्मान और आपकी ईमानदारी ही आपकी असली पूंजी है। यही कारण है कि देओल खानदान में आज भी बड़े स्टार होने का घमंड नहीं दिखता। यह देओल परिवार की सादगी और संस्कार का सबसे बड़ा सबूत है। एक ऐसी विरासत जो आगे बढ़ती है। धर्मेन्द्र की पारिवारिक विरासत सिर्फ उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म

या उनके निभाए गए महान किरदार नहीं हैं, बल्कि यह एक ऐसा परिवार है जो मजबूत मूल्यों और बड़े दिल पर बना है। अब अगली पीढ़ी करण देओल, राजवीर देओल और छोटे पोते-पोतियाँ भी उन्हीं मूल्यों के साथ दुनिया में कदम रख रहे हैं। विनम्रता, सम्मान, कृतज्ञता और कड़ी मेहनत। वे सिर्फ देओल का नाम आगे नहीं ले जा रहे हैं, बल्कि वे उस धर्मेन्द्र की जिंदगी के सबक यानी दयालुता और सच्चाई को आगे बढ़ा रहे हैं। धर्मेन्द्र जी ने अपने जीवन से यह साबित किया कि आप कितनी भी ऊंचाई पर पहुंच जाएं, एक सच्चा इंसान बने रहना ही सबसे बड़ी सफलता है।

**प्रस्तुति-प्राइम स्पेक्टोर डेस्क.**



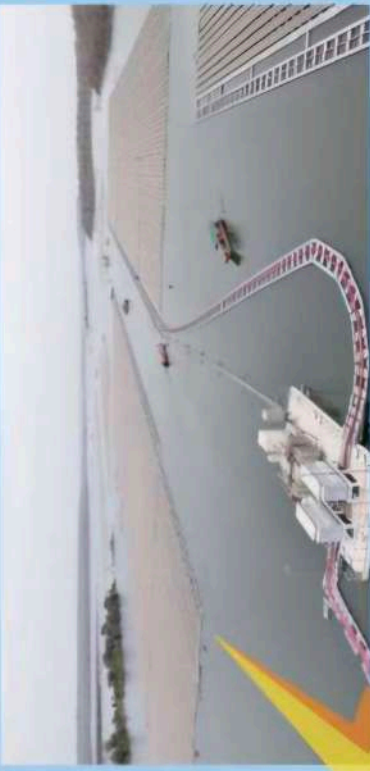
# हरित ऊर्जा सशक्तिकरण से आत्मनिर्भर भारत



एनएचडीसी मध्य प्रदेश में बर्ग के साथ नर्मदा नदी पर अपनी दो संचालित जल विद्युत परियोजनाओं - इंदिरा सागर (1000 मेगावाट) एवं ओंकारेश्वर (520 मेगावाट) तथा सोर परियोजनाओं - ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट (88 मेगावाट) एवं सांची सोलर प्रोजेक्ट (8 मेगावाट) द्वारा स्वच्छ और हरित ऊर्जा उत्पादन कर रही है।



इंदिरा सागर परियोजना (1000 मेगावाट)



ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट (88 मेगावाट)



सांची सोलर प्रोजेक्ट (08 मेगावाट)



ओंकारेश्वर परियोजना (520 मेगावाट)



**एनएचडीसी लिमिटेड**

(एनएचडीसी लिमिटेड एवं मध्य प्रदेश शासन का संयुक्त उद्योग)

निगम मुख्यालय : एनएचडीसी परिसर,  
श्यामला हिल्स, भोपाल-462013 (म.प्र.)  
[www.nhdclindia.com](http://www.nhdclindia.com)  
CIN : U31200MP200000G01014337



# SHEER INDULGENCE



 [londondairy.in](https://www.facebook.com/londondairy.in)

 [londondairyindia](https://www.instagram.com/londondairyindia)

 [londondairy.com](https://www.londondairy.com)